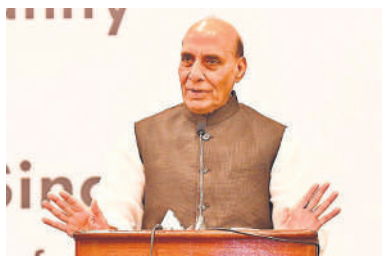

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- ऑपरेशन सिंदूर के तहत सशस्त्र बलों को दी गई आजादी-12

आईटी शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 466 अंक टूटा, निफ्टी को भी नुकसान-12

अलग-थलग पड़ा इजराइल, पुर्तगाल ने भी अब फलस्तीन को दी मान्यता-13

पाकिस्तान से प्रतिद्वंद्विता कहना बंद करें, मुकाबला ही नहीं है : सूर्यकुमार- 14

आज का मौसम

35.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.00

सूर्यास्त 06.10

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया 04:51 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 23 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 304, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

आज सीतापुर जेल से छूटेंगे आजम खां

सीतापुर। वरिष्ठ सपा नेता आजम खां मंगलवार सुबह सीतापुर कारागार से रिहा किए जाएंगे। रिहाई का आदेश कारागार प्रशासन को देर शाम मिला। जिसकी पुष्टि कारागार अधीक्षक ने की है। आजम खां 23 महीने से सीतापुर कारागार में निरुद्ध हैं।

जैकलीन की याचिका में हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सोमवार को उच्चतम न्यायालय से राहत नहीं मिल सकी और शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया, जिसमें कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में ईसीआईआर रद्द करने की अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की याचिका खारिज कर दी गई थी।

80 लाख के इनामी दो नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में सोमवार को हुई मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति के दो सदस्य मारे गए हैं। मृतकों की पहचान राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है, जिनमें से प्रत्येक पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 40 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से एक एके-47 राइफल, एक इंसास राइफल, एक बीजीएल लॉन्चर, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया है।

कर्नाटक में जाति जनगणना शुरू

बेंगलुरु। कर्नाटक में जाति जनगणना के नाम से जाना जाने वाला सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण सोमवार से शुरू हो रहा है। हालांकि, ग्रेटर बेंगलुरु क्षेत्र में प्रशिक्षण और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया में एक-दो दिन की देरी हो सकती है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सात अक्टूबर तक चलने वाले इस सर्वेक्षण में सात करोड़ लोगों को कवर किया जाएगा।

ईडी ने कुर्क की 1.15 करोड़ की संपत्ति

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में जूम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र में स्थित 1.15 करोड़ रुपये मूल्य की तीन अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के तहत 19 सितंबर 2025 को की गई।

अवैध हथियार सप्लाई गिरोह के तीन गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियार सप्लाई में शामिल एक संगठित हथियार एवं हवाला नेटवर्क के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 10 आधुनिक हथियार और 2.5 लाख रुपये हवाला मनी भी बरामद की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कांग्रेस की सोच वोट-सीट से प्रेरित, नागरिक देवो भवः हमारा मंत्र : मोदी

ईटानगर/ नई दिल्ली, एजेंसी

त्रिपुरा के त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस जैसे दलों की सोच को वोट और सीट की संख्या से प्रेरित करार देते हुए कहा है कि उन्होंने केंद्र सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद कांग्रेस की इस सोच से देश को मुक्त दिलाने की ठान ली और राष्ट्र प्रथम और नागरिक प्रथम के भाव को अपने काम का एक मंत्र बनाया है। मोदी ने कहा कि विगत में कांग्रेस की सरकारों की सोच के कारण अरुणाचल प्रदेश जैसे पूर्वोत्तर राज्यों की उपेक्षा की गई और वे विकास की दौड़ में पिछड़ गए, जबकि आज पूर्वोत्तर का विकास केंद्र की प्राथमकताओं में ऊपर है। वह अरुणाचल प्रदेश में 5100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जैसे दल सोचते थे कि अरुणाचल प्रदेश में इतने कम लोग हैं, लोकसभा की दो ही सीटें हैं, तो क्यों अरुणाचल प्रदेश पर ध्यान दिया जाए? कांग्रेस की इस सोच का अरुणाचल प्रदेश को, पूरे नॉर्थ ईस्ट (पूर्वोत्तर) को बहुत नुकसान हुआ। हमारा पूरा नॉर्थ ईस्ट विकास में बहुत पीछे छूट गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने जब 2014 में मुझे देश की सेवा का अवसर दिया, तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान ली। हमारी प्रेरणा, किसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं, 'नेशन फर्स्ट' की भावना है, हमारा एक ही मंत्र है- नागरिक देवो भवः।

उन्होंने कहा कि जिस पूर्वोत्तर को कांग्रेस के समय में भुला दिया गया था, वह 2014 के बाद, विकास की प्राथमिकताओं का केंद्र बन गया है।

जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी बचत, हर वर्ग को लाभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बचत को बढ़ावा मिलेगा और समाज के हर वर्ग को सीधे फायदा होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 2047 तक विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलना जरूरी है। देशवासियों के नाम 'एक्स' पर एक खुले पत्र में उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से अगली पीढ़ी के जीएसटी (माल एवं सेवा कर) सुधार लागू होने के साथ पूरे देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष त्योहारों पर हमें एक और उपहार मिल रहा है। इन सुधारों से बचत को बढ़ावा मिलेगा और समाज के हर वर्ग-किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग को सीधे फायदा होगा।

दिल्ली को आपके पास लेकर आए

प्रधानमंत्री ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट मुझे दिल से पसंद है, और इसलिए हमने दिल की दूरी भी मिटाई है, दिल्ली को आपके पास लेकर के आए हैं। मोदी ने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 10 साल में अरुणाचल प्रदेश को केंद्रीय करों के हिस्से के तौर पर सिर्फ छह हज़ार करोड़ रुपये ही मिले थे, जबकि भाजपा नीत उनकी सरकार के 10 सालों में राज्य को कर के हिस्से के तौर पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक, यानी 16 गुना से ज्यादा पैसा मिला है।

त्रिपुरा में त्रिपुरेश्वरी मंदिर का उद्घाटन

अगरतला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को त्रिपुरा के गोमती जिले में पुनर्विकसित त्रिपुरेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया और मंदिर में पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में राज्यपाल एन. इंद्रसेन रेड्डी, मुख्यमंत्री माणिक साहा आदि मौजूद थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हजारों लोग मंदिर के बाहर जमा हुए थे। पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराना यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर का केंद्र की 'प्रसाद' योजना के तहत 52 करोड़ से पुनर्विकास किया गया है।

सुनवाई के बाद फैसला स्थगित रखने पर छलकी नाराजगी

कुछ हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपने काम को पूरा कर पाने में असमर्थ

उच्चतम न्यायालय ने कहा- न्यायाधीशों के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● हम प्रिंसिपल नहीं बनना चाहते किंतु स्व-प्रबंधन जरूरी : कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के अपने काम पूरे कर पाने में असमर्थ रहने पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को उनके कार्य-निष्पादन मूल्यांकन का आह्वान किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हालांकि, वह उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए स्कूल प्रिंसिपल की तरह काम नहीं करना चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए एक स्व-प्रबंधन प्रणाली होनी चाहिए कि उनकी मेज पर फाइल की ढेर न लगे।

पीठ ने कहा, ऐसे भी न्यायाधीश हैं जो दिन-रात काम करते हैं और मामलों का शानदार निस्तारण कर रहे हैं, लेकिन साथ ही कुछ न्यायाधीश ऐसे भी हैं जो दुर्भाग्यवश काम पूरे कर पाने में असमर्थ हैं - कारण चाहे जो भी हो, अच्छे या बुरे, हम नहीं जानते और शायद कुछ परिस्थितियां भी हो सकती हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा, मान लीजिए कि एक न्यायाधीश किसी आपराधिक अपील पर सुनवाई कर रहा है, तो हम उससे एक दिन में 50 मामलों पर फैसला करने की उम्मीद नहीं करते हैं। लेकिन जमानत के मामले में, अगर कोई न्यायाधीश कहता है कि मैं एक दिन में केवल एक जमानत याचिका पर फैसला करूंगा, तो यह ऐसी बात है जिसके लिए आत्मावलोकन करने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि परिणामस्वरूप, शीर्ष अदालत ने कामकाज के मूल्यांकन पर जोर दिया, लेकिन इस प्रक्रिया को निर्देशित करने वाले मानदंडों को रेखांकित किया है। न्यायालय ने कहा कि हमारा इरादा किसी स्कूल के प्रिंसिपल की तरह काम करने का नहीं है और व्यापक दिशा निर्देश होने चाहिए, ताकि न्यायाधीशों को पता हो कि उनके पास क्या काम है और उन्हें कितना काम करना है। न्यायपालिका से आम जनता की एक जायज उम्मीद है। पीठ ने यह टिप्पणी कुछ आपराधिक अपीलों पर की।

आजीवन कारावास और मृत्युदंड की सजा सुनाए गए कुछ दोषियों ने यह आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि झारखंड उच्च न्यायालय ने वर्षों तक फैसला सुरक्षित रखने के बावजूद, उनकी आपराधिक अपीलों पर फैसला नहीं सुनाया। हालांकि, बाद में फैसला सुनाया और कई दोषियों को बरी कर दिया। मामले में पेश हुईं वकील फौजिया शकील ने विभिन्न उच्च न्यायालयों द्वारा दिए गए फैसलों की स्थिति पर एक चार्ट पेश किया और कहा कि कुछ उच्च न्यायालयों ने निर्धारित प्रारूप में आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।

पीठ ने उनसे उन उच्च न्यायालयों के आंकड़े दो हफ्ते के भीतर दाखिल करने को कहा, जहां मामले सुरक्षित रखे गए थे। साथ ही, फैसलों की घोषणा की तारीख और इन्हें अपलोड करने की तारीख भी अपलोड करने का निर्देश दिया।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना की रिपोर्ट का चुनिंदा प्रकाशन गैर-जिम्मेदाराना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एयर इंडिया विमान के 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त होने पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन को सोमवार को दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया, जिसमें पायलटों की ओर से चूक होने को रेखांकित किया गया था और मीडिया विमर्श के लिए राह तैयार की गई थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के पहलू पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिवारों की निजता और गरिमा भी इससे जुड़ी हुई है। न्यायालय ने वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और कहा कि जांच के नतीजों को छोटे-छोटे हिस्सों में और चुनिंदा तरीके से जारी करना, जिससे मीडिया में एक विमर्श गढ़ा गया, दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है। पीठ ने कहा कि जांच पूरी होने तक रिपोर्ट की पूर्ण गोपनीयता होनी चाहिए।

एक महीना डिजिटल अरेस्ट, 23 करोड़ ठगे

नई दिल्ली, एजेंसी

● जालसाजों ने खुद को ईडी सीबीआई से बताकर दिल्ली में पूर्व बैंकर को बनाया शिकार

साइबर जालसाजों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताकर दक्षिण दिल्ली के गुलमोहर पार्क इलाके में एक सेवानिवृत्त बैंकर को करीब एक महीने तक कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट में रखा और उससे 23 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित से कहा कि पुलवामा आतंकी हमले, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद के वित्तपोषण में उसके आधार कार्ड के इस्तेमाल का पता चला है और जांच के बहाने उसे उसके फ्लैट में बंधक बना लिया।

अधिकारी ने कहा कि जालसाज ने उसे घर से बाहर न निकलने का निर्देश दिया और एक महीने के दौरान उसे अपनी बचत विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, 78 वर्षीय पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि यह घटना चार अगस्त को तब शुरू हुई जब उन्हें एक व्यक्ति का फ़ोन आया जिसने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया। फ़ोन करने वाले ने उस पर मादक पदार्थ तस्करी के एक गिरोह से जुड़े होने का आरोप लगाया। इसके बाद, जालसाज़ों ने ईडी और सीबीआई अधिकारी बनकर उनसे संपर्क भी किया।

अधिकारी ने कहा कि डर के मारे पीड़ित ने उनके निर्देशों का पालन किया और अपने बैंक खातों से बताए गए खातों में पैसे भेजता रहा। पीड़ित को चार सितंबर तक परेशान किया गया और उसके बाद जालसाज़ों ने बुजुर्ग से संपर्क करना बंद कर दिया। ठगे जाने का एहसास होने पर, उन्होंने 19 सितंबर को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

आठ बिजली अधिकारी निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● तीन एक्सईएन, तीन एसडीओ, जेई व टेक्नीशियन पर कार्रवाई

● छह संविदाकर्मियों को बर्खास्त करने की संस्तुति

अमृत विचार : गोरखपुर में बिजली निगम ने सोमवार को बिजली विभाग के आठ अधिकारियों, कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। मीटरों को जांचमुक्त करने के मामले में तीन एक्सईएन और दो एसडीओ, जबकि हाईटेंशन तार से झुलसकर छात्रा की मौत प्रकरण में एसडीओ, जेई और टेक्नीशियन पर कार्रवाई की गई है। छह संविदा कर्मचारियों की बर्खास्तगी की संस्तुति की गई है।

जिले के तीनों परीक्षण खंड में अधिशासी अभियंताओं की लॉगइन आईडी से क्यूसी 3 जांच के मामलों में लंबित 3037 मीटरों को जांचमुक्त कर दिया गया था। जांच में दोषी मिलने पर सोमवार को प्रबंध निदेशक शंभू कुमार ने एक्सईएन शिवेंद्र कुमार, परवेज आलम, अविनाश अग्रहरि और एई योगेंद्र कुमार यादव व अक्षय लाल को निलंबित कर दिया। वहीं, गुलरिहा थाना क्षेत्र के मोगलहा में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 12वीं की छात्रा की मौत के मामले में राप्ती नगर के एसडीओ, जेई और टेक्नीशियन को निलंबित कर दिया। छह संविदाकर्मियों को बर्खास्त करने की भी संस्तुति की गई है। मुख्य अभियंता ने बताया कि तीन अधिशासी अभियंताओं और दो सहायक अभियंताओं को निलंबित किया गया है।

पूछताछ को ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर उथप्पा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा आनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े धन शोधन (मनी लांड्रिंग) के मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। उथप्पा करीब 11 बजे एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। ईडी एक प्लेटफॉर्म 'वनएक्सबेट' धन शोधन रोधक अधिनियम के तहत उनसे पूछताछ करके उनके बयान रिकॉर्ड करेगा। इससे पहले एजेंसी ने क्रिकेटर सुरेश रैना, शिखर धवन, अभिनेत्री और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमि चक्रवर्ती और बंगाली अभिनेता अंकुश हाजरा से पूछताछ कर चुका है।

सट्टेबाजी एप मामला

सोना 1,16,200 के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● चांदी ने भी 4,380 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़कर छुआ शिखर

मजबूत वैश्विक संकेतों से उत्साहित होकर सोमवार को सोने की कीमतें 2,200 रुपये बढ़कर 1,16,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चस्तर पर पहुंच गई। निवेशक नीतिगत दिशा के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणी का इंतजार कर रहे हैं।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9% शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,14,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ थी। स्थानीय बाजार में, 99.5% शुद्धता वाला सोना 2,150 रुपये बढ़कर 1,15,650 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,13,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चालू कैलेंडर वर्ष में कीमती धातु की कीमतों में 37,250 रुपये प्रति 10 ग्राम या 47.18% की वृद्धि हुई है। यह 31 दिसंबर, 2024 को 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। इस बीच, सोमवार को चांदी की कीमतें 4,380 रुपये बढ़कर 1,36,380 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं। शुक्रवार को चांदी 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

उड़ान के दौरान कॉकपिट का गेट खोलने की कोशिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● बेंगलुरु से वाराणसी आ रहा था एआई का विमान, नौ हिरासत में

● पायलट ने हाईजैक की आशंका से नहीं खोला कॉकपिट

अमृत विचार : एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान में सोमवार को एक यात्री ने कॉकपिट में घुसने का प्रयास किया। हालांकि कैप्टन ने विमान के हाईजैक होने की आशंका से कॉकपिट का दरवाजा नहीं खोला। ऐसा प्रयास करने वाला शख्स आठ साथियों के साथ विमान में यात्रा कर रहा था, सभी को सीआईएसएफ ने हिरासत में लिया है।

बाद में एयर इंडिया की ओर से जानकारी दी गई कि यात्री टॉयलेट की तलाश में कॉकपीट में जाने का प्रयास कर रहा था। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि 22 सितंबर को बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली उड़ान में एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया और उसने कॉकपिट गेट का पासकोड भी सही डाला था। सभी को फूलपुर थाना पुलिस के हवाले किया गया है। सभी नौ लोग बेंगलुरु के रहने वाले थे और तीर्थयात्रा के लिए वाराणसी आए थे।

एनएससीएन-के पर प्रतिबंध 5 साल और बढ़ाया गया

नई दिल्ली। केंद्र ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग (एनएससीएन-के) और उसके सभी गुटों, शाखाओं और मुखौटा संगठनों पर भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों में संलिप्तता के कारण लगाए गए प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ाने का सोमवार को फैसला किया। गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि यह प्रतिबंध 28 सितंबर से पांच साल की अवधि के लिए प्रभावी होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार का मानना है कि एनएससीएन (के) ने एक संप्रभु नगालैंड बनाने का अपना लक्ष्य घोषित किया है।

वित्तीय आकलन

नियंत्रक महालेखा परीक्षक ने जारी की वित्त वर्ष 2022-23 की रिपोर्ट

राजस्व अधिशेष में रहे 16 राज्य, उत्तर प्रदेश सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

2,22,648 करोड़ 12 राज्यों का संयुक्त घाटा

राजस्व घाटे वाले 12 राज्यों का संयुक्त राजस्व घाटा 2,22,648 करोड़ रुपये था। वित्त आयोग ने इन राज्यों के घाटे की भरपाई के लिए वित्त वर्ष 2022-23 में 86,201 करोड़ रुपये का अनुदान दिया था जो कुल राजस्व घाटे का 39 प्रतिशत था। राजस्व घाटे की स्थिति में रहने वाले राज्य आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल थे।

वित्त वर्ष 2022-23 में 16 राज्यों ने राजस्व अधिशेष दर्ज किया जिसमें उत्तर प्रदेश 37,263 करोड़ रुपये के साथ सबसे आगे रहा जबकि गुजरात एवं ओडिशा उसके पीछे रहे। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 15वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित राजकोषीय दायित्व एवं वित्तीय समेकन मार्ग के तहत राज्यों को या तो शून्य राजस्व घाटे की स्थिति में होना था या फिर राजस्व अधिशेष में होना था।

राज्यों की वित्तीय स्थिति पर जारी कैग की पहली रिपोर्ट कहती है कि मार्च, 2023 तक कुल 28 में से 16 राज्य राजस्व अधिशेष में थे जबकि 12 राज्य राजस्व घाटे की स्थिति में थे। उत्तर प्रदेश 37,263 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष के साथ इस सूची में सबसे आगे रहा। इसके बाद गुजरात का राजस्व अधिशेष 19,865 करोड़ रुपये, ओडिशा का 19,456 करोड़ रुपये, झारखंड का 13,564 करोड़ रुपये, कर्नाटक का 13,496 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ का 8,592 करोड़ रुपये, तेलंगाना का 5,944 करोड़ रुपये, उत्तराखंड का 5,310 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश का 4,091 करोड़ रुपये और गोवा का 2,399 करोड़ रुपये रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार, केरल, मेघालय और महाराष्ट्र में राजस्व प्राप्तियां राजस्व व्यय का 90-100 प्रतिशत थीं। असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में यह अनुपात 80-90 प्रतिशत, जबकि आंध्र प्रदेश और पंजाब में 75-80 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2022-23 में वित्त आयोग की कुल अनुदान राशि 1,72,849 करोड़ रुपये रही, जिसमें राजस्व घाटा अनुदान का हिस्सा सबसे बड़ा (लगभग 50 प्रतिशत) रहा।

इसके बाद 26 प्रतिशत पंचायत राज संस्थान अनुदान, 11 प्रतिशत शहरी स्थानीय निकाय अनुदान, 10 प्रतिशत राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष और एक प्रतिशत राज्य आपदा निवारण कोष शामिल थे। रिपोर्ट में 28 राज्यों की वित्तीय स्थिति का विस्तृत अवलोकन पेश किया गया है। साथ ही 2013-14 से लेकर 10-वर्ष की अवधि के वित्तीय आंकड़ों और विश्लेषण को भी इसमें शामिल किया गया है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

श्मशान घाट में रहने वाले बाबा की मौत

तिलहर, अमृत विचार : मोहल्ला दोदराजपुर के श्मशान पर रहने वाले बाबा को राहगीरों ने बेहोशी की हालत में सीएचसी में भर्ती कराया। गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसआई नितिन कुमार ने बताया कि बंधा रोड स्थित सरयू श्मशान के समीप से एक अधेड़ व्यक्ति को राहगीरों ने सीएचसी में भर्ती कराया था। जिसने इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान ओंकार (50) के रुप में हुई जो श्मशान घाट पर रहता था।

तेल का तीन बार से अधिक प्रयोग न करें

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने स्ट्रीट फूड वेंडरों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य पदार्थों को तलने के लिए प्रयोग होने वाले खाद्य तेल को तीन बार से अधिक प्रयोग न किया जाए। टाउन हाल स्थित नगर निगम के डूडा आफिस में सोमवार को स्ट्रीट फूड वेंडरों के साथ हुई बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सौरभ सोनी और वरुण कुमार ने स्वस्थ, सुरक्षित, गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं उपभोक्ताओं को सुरक्षित तरीके से परोसने के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। खाद्य पदार्थों को तैयार करने में खाद्य रंगों का प्रयोग निश्चित मात्रा में करने, रंगीन व अखबारी कागजों पर तैयार खाद्य पदार्थ न रखने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने के निर्देश दिए गए।

बच्ची को सांप ने डसा इलाज के दौरान मौत

खुटार, अमृत विचार : गांव भरकलीगंज निवासी मुस्तफा की पुत्री शाइमा (5) सोमवार दोपहर घर के पास खेल रही थी। उसी समय सांप ने उसे डस लिया। जिससे वह रोने लगी। परिजन घर के बाहर आए। तो उन्हें सर्पदंश की जानकारी हुई। उसे लेकर निजी डॉक्टर के पास के पास लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शाइमा की मौत से घर में कोहराम मच गया।

आईसीडीएस विभाग में अफसरों की भारी कमी, कैसे काम में आए तेजी

जिलेधिकारी ने भी नाराजगी जताकर प्रगति में सुधार लाने की दे चुके चेतावनी

अमित गुप्ता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) विभाग खराब प्रगति के कारण डीएम समेत अन्य अफसरों के लिए नाराजगी का कारण बन गया है।

इस विभाग के कंधे पर जीरो से छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के समग्र विकास, स्वास्थ्य और पोषण करने की जिम्मेदारी है। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण और पूर्व विद्यालय शिक्षा जैसी जिम्मेदारियां भी हैं। इतनी आवश्यक सेवाओं की जिम्मेदारी संभाले आईसीडीएस की प्रगति खराब कैसे हो गई, जिसके जवाब तलाशने होंगे। दरअसल 15 ब्लाकों में से 13 ब्लॉकों में लंबे अरसे से सीडीपीओ की तैनाती ही नहीं है। वहीं सुपरवाइजरों की संख्या भी काफी कम है।

आईसीडीएस के पास कुल 15 पदों के सापेक्ष तीन सीडीपीओ ही कार्यरत हैं। इनमें से एक सीडीपीओ के पास शहर और तिलहर ब्लॉक का चार्ज है। दूसरे सीडीपीओ के पास ब्लॉक बंडा और पुवायां का चार्ज है, जबकि तीसरे सीडीपीओ के पास जलालाबाद और कलान का चार्ज है। इस तरह तीन ब्लॉकों के सीडीपीओ को एक-एक अतिरिक्त ब्लॉक का चार्ज देकर छह ब्लॉकों में कार्यक्रमों के संचालन की व्यवस्था कर दी गई। शेष बचे नौ ब्लॉकों को जिम्मेदारी के नाम पर बेसिक शिक्षा विभाग के बीईओ के बीच बांट दिया गया। जिन नौ ब्लॉकों में खंड शिक्षा अधिकारियों को ब्लॉक क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन एवं उनमें पोषाहार वितरण समेत अन्य कार्यक्रमों को लागू कराने की जिम्मेदारी दी गई है।

आंगनबाड़ी में 3.12 लाख लाभार्थी पंजीकृत

जिले में कुल 2913 आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जिनमें 3.12 लाख लाभार्थी पंजीकृत हैं। प्रत्येक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पद स्वीकृत है। हालात यह है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के स्वीकृत 2913 पद के सापेक्ष 2557 कार्यकर्ता ही कार्यरत हैं, 356 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की तैनाती नहीं है।

सुपरवाइजर के 61 पद रिक्त

आंगनबाड़ी केंद्रों का हाल खराब होने की वजहों में सुपवाइजर की कमी भी शामिल है। जिले के 15 सीडीपीओ कार्यालयों में कुल 102 सुपरवाइजर के पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनके सापेक्ष 41 सुपरवाइजर ही कार्यरत हैं। जबकि सीडीपीओ के बाद गांवों में योजनाओं का क्रियान्वयन कराने की जिम्मेदारी सुपरवाइजर के पास रहती है, जो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं पर नजर रखती हैं।

> सिर्फ तीन ब्लॉकों में सीडीपीओ तैनात हैं। शेष ब्लॉकों में खंड शिक्षा अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार के तौर पर जिम्मेदारी दी गई है, जिनकी मानीटरिंग उच्चाधिकारियों द्वारा की जाती है। 20 नई सुपरवाइजरों की तैनाती विभाग में होने से सुपरवाइजरों की कुछ कमी दूर हुई है। रिक्त पदों की जानकारी अधिकारियों को है। **-अरविंद कुमार,** जिला कार्यक्रम अधिकारी

परामर्श केंद्र पर चार दंपती में कराया समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुलिस महिला परामर्श केंद्र पर 24 पत्रावली की सुनवाई की गई, जिसमें दो दंपती का समझौता हुआ। खुटार थाना क्षेत्र के एक दंपती जिनकी शादी को तीन साल हो गए थे। उसके पति ने दूसरी महिला से शादी कर ली थी और उसको कैंसर होने पर ससुराल वाले इलाज नहीं करा रहे थे। वह मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को बुलाया गया और एक साथ रहने को तैयार हो गए। पुवायां थाना क्षेत्र के एक दंपती की शादी को आठ साल हो गए। महिला दो माह से मायके में रह रही थी। दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। निगोही क्षेत्र के एक दंपती की शादी को तीन साल हो गए थे और उसका पति आए दिन झगड़ा करता था। वह मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को बुलाया गया और दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। खुदागंज की एक दंपती के शादी को पांच साल हो गए। उसका पति शराब पीकर पीटता था। वह मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को बुलाया गया और एक साथ रहने को तैयार हो गए।

16 किलोमीटर लंबी छह सड़कों की होगी मरम्मत

पुवायां, अमृत विचार: विधायक ने आमजन की फसल लाने ले जाने में होने वाली समस्या को देखते हुए तहसील की छह सड़कें स्वीकृत कराई हैं। जल्द ही मंडी परिषद से जिनकी मरम्मत कराई जाएगी। विधायक चेतराम ने तहसील क्षेत्र की छह बदहाल सड़कों को स्वीकृत कराया, जिनकी मरम्मत कराया जाना अति आवश्यक था। इन सड़कों पर लगातार किसानों को अपनी फसलें लाने ले जाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था साथ ही कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो जाते थे।

विधायक चेतराम।

उक्त सड़कों का प्रस्ताव राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उत्तर प्रदेश से वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत किया गया है। जिनकी दूरी कुल 16 किलोमीटर है। इन सड़कों की मरम्मत 4 करोड़ 8 लाख 83 के बजट से कराई जाएगी। क्षेत्रीय विधायक ने बताया कि इसके अलावा चार अन्य सड़कों के प्रस्ताव भेजे गए हैं।

इन सड़कों की दूर होगी समस्या

- खुटार गोला मार्ग से रथिया संपर्क मार्ग।
- ग्राम रायपुर कुंभिया वाया रठिया राठ संपर्क मार्ग।
- बण्डा-खुटार मार्ग से भूपतिपुर रायपुर संपर्क मार्ग।
- पुवायां-खुटार रोड से सिकलापुर अंडहा होते हुए पिपरिया भगवंत संपर्क मार्ग।
- पुवायां-नाहिल रोड के सिंघापुर पुल से ररुआ तक संपर्क मार्ग।
- पुवायां-खुटार रोड से बिलसिया सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराया जाना है। जिसके लिए पैसा रिलीज हो चुका है।

आयुध वस्त्र निर्माणी को मिलेगा पर्याप्त वर्कलोड

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: आयुध वस्त्र निर्माणी को कंबल निर्माण का पर्याप्त वर्कलोड दिलाने की मांग को लेकर प्रतिरक्षा कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी पिछले माह केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मिले थे। यूनियन नेता राममोहन अग्निहोत्री के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन पर केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लिया और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर इस मुद्दे को उठाया।

जितिन प्रसाद।

मीडिया प्रभारी विनीत मिश्र ने बताया केंद्रीय मंत्री की ओर से 14 जुलाई को लिखे गए पत्र के प्रत्युत्तर में रक्षा मंत्री ने सूचित किया है कि टूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) ऑर्डर बुक बढ़ाने के लिए नए प्रोडक्ट ला रही है और प्रोडक्ट डाइवर्सिफिकेशन पर भी काम कर रही है। आयुध वस्त्र निर्माणी को अधिक से अधिक ऑर्डर दिलाने के लिए टीसीएल प्रयासरत है। साथ ही दीर्घकालिक अनुबंध को लेकर संबंधित डिवीजन ने एमजीएस को भी अवगत कराया है। यह पत्राचार संकेत देता है कि केंद्रीय मंत्री की पहल से जल्द ही कर्मियों की समस्या का समाधान हो जाएगा ।

तिलहर में रंजिशन मां-बेटी को पीटा

तिलहर, अमृत विचार: जन्यूरी गांव में कुछ लोगों ने रंजिशन घर में घुसकर महिला और पुत्री को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ममता ने बताया कि गांव के ही श्रीकृष्ण और उनके पुत्र ने उनकी जगह पर जबरन निर्माण सामग्री रखी थी। पुलिस और राजस्व की टीम ने करीब एक माह सामग्री हटवाई दी थी। इसी को लेकर 19 की दोपहर श्री कृष्ण, उनके पुत्र बड़े लाल, मनोज और प्रदुमन तथा रानी, सदावती, अरविंद, खुशबू और धनदेवी ने उनके घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर उनकी पुत्री पहुंची तो उसे भी पीट दिया।

महिलाओं को कल खिलाई जाएगी आयरन की गोली

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर अभियान के तहत जनपद में पांच लाख से अधिक बच्चियों और महिलाओं को नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खिलाई जाएगी, जिसके लिए बुधवार को जनपद और ब्लॉक के सभी सरकारी कार्यालयों, सभी स्कूलों, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत भवनों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे।

इन केंद्रों पर सुबह 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक बच्चियों व महिलाओं को नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खिलाई जाएगी। इसके साथ ही बच्चियों व महिलाओं को एक माह तक घर पर सेवन करने के लिए आयरन की गोलियां दी जाएंगी।

बच्चियों और महिलाओं को शिविर में बुलाकर लाने की जिम्मेदारी उस क्षेत्र की आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सौंपी गई है। जबकि कैंप में आने वाली बच्चियों व महिलाओं को आयरन गोली खिलाने की जिम्मेदारी संबंधित कैंप प्रभारियों को दी गई है, जो गोली खिलाते समय प्रत्येक प्रतिभागी सेल्फी फोटो लेकर विभागीय पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इसके बाद प्रतिभागी का प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या को दूर करना है। एनीमिया के कारण शरीर में खून की कमी हो जाती है, जिससे थकान, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर स्थिति में यह गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए जानलेवा भी हो सकता है और पढ़ाई, काम करने की क्षमता और रोग-प्रतिरोधक शक्ति को कम कर देता है। इनके नियमित सेवन से एनीमिया दूर होता है, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव एवं स्वस्थ शिशु प्राप्त होता है, थकान कम होती है और शरीर की ऊर्जा तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार आयरन गोली को हमेशा भोजन करने के बाद खाना चाहिए। साथ ही आहार में हरी सब्जियां, मोटे अनाज और विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे नींबू, आंवला, मौसमी आदि जरूर शामिल करें, क्योंकि विटामिन-सी शरीर में आयरन को अवशोषित कर खून की कमी को दूर करता है।

- **बुधवार को सरकारी कार्यालयों सभी स्कूलों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत भवनों में लगाए जाएंगे कैंप**

विशेष ध्यान रहे कि आयरन गोली को खाली पेट, चाय या काफी के साथ या कैल्शियम की गोली के साथ नहीं लेना चाहिए। कैंपों में आयरन गोली पहुंचाने के लिए सोमवार को विकास भवन में आयरन गोलियों की बड़ी खेप पहुंची, जिसे वितरित कर सभी ब्लॉकों में भेजा गया है।

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दूसरे दिन नवरात्र में मां के ब्रह्मचारिणी एवं तपश्चारिणी रूप को पूजा जाता है। जो साधक मां के इस रूप की पूजा करते हैं उन्हें तप, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है और जीवन में वे जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही रहते हैं। देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।

बीज मंत्र.....ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।

पीटकर पत्नी की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

- घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद साले ने दर्ज करायी रिपोर्ट

अमृत विचार: शांति देवी हत्याकांड में पुलिस ने फरार पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशान देही से घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद कर लिया है। हत्यारोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव धनकपुर निवासी कल्यान ने मकान गांव के बाहर खेत पर बना रखा था। उसके पुत्र गांव में बने में रहते है। शनिवार शाम कल्यान और उसकी पत्नी शांति (65) पुत्र के घर से खाना खाकर अपने मकान पर आ गए थे। रात में दोनों में विवाद हो गया और उसने पत्नी को मारा पीटा।

हत्यारोपी पति।

वह जान बचाकर बेटे का पास जा रही थी। उसने पत्नी को खेत में पकड़ लिया और सिर में उसके डंडा मार दिया, जिससे वह खेत में गिर गई। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकला। रविवार की सुबह 9बजे लोगों ने खेत में शांति देवी का शव पड़ा देखा।

घटना के समय आरोपी शराब के नशे में था। मृतका के भाई वेदराम ने बहनोई कल्यान के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को बिरियागंज जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया।

जिंदा दफनाई गई बच्ची जिंदगी की जंग हार गई, बहगुल नदी के किनारे किया अंतिम संस्कार

मासूम को पहचान मिली न गुनहगार पकड़े गए

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आठ दिन की कोशिशों के बाद भी डॉक्टर नहीं बचा पाए

अमृत विचार: आठ दिन पहले इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना में मिट्टी में जिंदा दफनाई गई मासूम आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई। सोमवार को गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार बहगुल नदी के किनारे कर दिया गया।पहचान मिल सकी, न ही गुनहगारों तक पुलिस पहुंच सकी। दरिंदगी की इस घटना ने समाज और सिस्टम दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

14 सितंबर को जैतीपुर थाना क्षेत्र के गौहावर गांव में आठ दिन की बच्ची मिट्टी में दबी मिली थी। उसका एक हाथ मिट्टी से बाहर था और हल्की मिट्टी होने के कारण वह सांस ले पा रही थी। ग्रामीणों ने रोने की आवाज सुनी तो वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक गौरव त्यागी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बच्ची को मिट्टी से निकालकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने अथक प्रयास किए लेकिन संक्रमण बढ़ जाने के कारण बच्ची की हालत बिगड़ती चली गई और सोमवार को उसने दम तोड़ दिया।

बच्ची की मौत के बाद केयर चाइल्ड यूनिट और पुलिस की मौजूदगी में बहगुल नदी के किनारे उसका अंतिम संस्कार किया गया। वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। किसी ने उसे बेटी मानकर विदाई दी, किसी ने उसे भगवान का रूप मानकर अंतिम प्रणाम किया। लेकिन हर किसी के मन में यह सवाल जरूर था कि आखिर मासूम का कसूर क्या था और क्यों उसे इतनी निर्ममता से मिट्टी में दफनाया गया। उधर, पुलिस बच्ची के परिजन और गुनहगारों की तलाश के लिए अब तक एक दर्जन गांव खंगाले, सीसीटीवी कैमरे देखे लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लगातार प्रयास जारी हैं।

मेडिकल कॉलेज में बच्ची की देखभाल करतीं चिकित्सक। फाइल फोटो।

जैतीपुर थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव त्यागी ने बताया कि बच्ची के परिजनों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

समाज की आत्मा को झकझोर गया मंजर

बच्ची की मौत और अंतिम संस्कार ने हर किसी को भीतर तक झकझोर दिया। इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस घटना पर लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रहे हैं। आठ दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस खाली हाथ है। सवाल यह है कि आखिर कब बच्ची की पहचान सामने आएगी और कब उसके गुनहगार कानून की गिरफ्त में होंगे।

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से बच्ची की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर थाना क्षेत्र के गांव खनपुरा निवासी रेहान अली की 6 वर्षीय पुत्री हीरा शनिवार को सड़क पार करते समय बाइक से टकराकर घायल हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने बच्ची को रेफर कर दिया था। परिवार वालों ने बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार को उसने दम तोड़ दिया

सीढ़ियों से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

खुटार, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी राजमिस्त्री रामकुमार (75) एक मोहल्ले में निर्माण कार्य कर रहे थे। घर के अंदर जीने की सीढ़ियों पर चढ़ते समय राकुमार का पैर फिसल गया और फिसलकर नीचे गिर गए। जिससे वह गंभीर घायल हो गए। सूचना पर परिजनों ने घायल रामकुमार को खुटार निजी अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर ने इलाज शुरू किया। इस बीच राजमिस्त्री राजकुमार ने दम तोड़ दिया। रामकुमार की पत्नी शांति देवी, बेटा अशोक कुमार, रमाकांत का रो-रोकर बुरा हाल है।

मधुमक्खी के हमले में दो घायल

पुवायां, अमृत विचार : गांव नगरिया प्रयागपुर निवासी सुरजीत (23) मामी कुंती देवी को लेकर बैंक से काम निपटाकर लौट रहा था। रास्ते में मोहम्मदी रोड के सतवां चौराहे पर अचानक मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खुटार में किशोरी ने खुद को आग लगाई

खुटार, अमृत विचार : खुटार क्षेत्र में सोमवार शाम एक 17 वर्षीय मानसिक रूप से मंदित किशोरी ने घर में खुद को आग लगा ली। घटना के समय किशोरी के पिता मजदूरी करने बाहर गए हुए थे और मां बीमार होने के कारण तत्काल मदद नहीं कर पाईं। जब मां ने शोर मचाया और स्थिति का अहसास किया, तब तक किशोरी 90 प्रतिशत तक जल चुकी थी। सीएचसी से किशोरी को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सड़क हादसे में बच्ची घायल, मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव खनपुर गौटिया निवासी अलीमा (7) सोमवार दोपहर बाद घर के बाहर खेल रही थी। वह सड़क पार करने लगी तभी किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे बच्ची घायल हो गई। बच्ची को सीएचसी पर भेजा गया। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक वाहन लेकर भाग गया।

वन अफसरों की लापरवाही से ग्रामीणों में बढ़ा बाघ का डर

हालत बिगड़ने पर घायल ग्रामीण को सीएचसी से किया जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : रायपुर पटियात गांव में रविवार को गन्ने के खेत में घास काटने गए श्यामपाल उर्फ रामू पर बाघ के हमले से घायल होने की घटना के बाद भी वन विभाग की लापरवाही थमी नहीं। सोमवार को भी वन विभाग की टीम गांव नहीं पहुंची। न ही बाघ की लोकेशन ट्रेस करने, कांबिंग कराने या निगरानी के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है बाघ अभी भी गन्ने के खेत में छिपा है और किसी भी समय हमला कर सकता है। इस वजह से किसानों और मजदूरों ने खेतों पर काम करना बंद कर दिया है। गांव में दहशत का माहौल है और लोग वन विभाग के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं।

घायल श्यामलाल को देखने पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

घायल श्यामपाल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया गया था। सोमवार को हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। श्यामपाल रायपुर पटियात निवासी हैं और रविवार सुबह करीब नौ बजे झाबर किनारे जिंद बाबा स्थान के पास गन्ने के खेत में घास काट रहे थे। तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बाघ को ललकारकर भगाया, जिससे श्यामपाल की जान बच पाई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घटना वाले दिन रेंजर मनोज श्रीवास्तव टीम के साथ तो आए, लेकिन केवल 15 मिनट में लौट गए। न कांबिंग की गई, न ही निगरानी की व्यवस्था की गई। सोमवार को पूरा दिन बीत जाने के बाद भी कोई वनकर्मी गांव नहीं पहुंचा। इस लापरवाही से किसान व मजदूरों में दहशत और नाराजगी दोनों बढ़ रही है।

> कांबिंग के लिए टीम लगाई गई है। वे गांव में जाकर लोगों को सचेत करेंगी। मैं स्वयं भी मौके का निरीक्षण करूंगा। - **डॉ. सुशील कुमार,** एसडीओ, वन विभाग पुवायां

ग्रामीणों में डर का माहौल

बाघ खेत में छिपा है और कभी भी हमला कर सकता है। वन विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की, इस कारण हम खेतों में काम करने नहीं जा रहे। –**खुशीराम,** किसान, रायपुर पटियात

घटना के दिन थोड़ी देर के लिए वनकर्मी आए थे और तुरंत लौट गए। सोमवार को कोई भी टीम नहीं आई। न कांबिंग हुई, न पगचिन्ह देखे गए। लोग दहशत में हैं। –**राम किशोर** किसान, रायपुर पटियात

वृद्ध ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

खुटार, अमृत विचार: कस्बे के मोहल्ला नौगवां कोट निवासी मुनेंद्र सिंह (59) को विगत 10 अगस्त को एक गौवंशीय पशु ने से सींग मार दिया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिस पर परिजनों ने उन्हें पहले स्थानीय डॉक्टरों के यहां इलाज के लिए भर्ती कराया था। लेकिन हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें लखनऊ निजी चिकित्सालय लेकर चले गए थे। जहां पर लगभग एक माह तक उनका इलाज चलता रहा। तीन दिन पहले डॉक्टर ने हालत में सुधार होने पर उन्हें छुट्टी दे दी थी। जिस पर परिजन उन्हें घर लेकर आ गए थे। रविवार सुबह हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लखनऊ लेकर चले गए जहां निजी चिकित्सक के यहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मुनेंद्र सिंह की मौत पर पत्नी राजेश कुमारी व बेटियों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बताया कि मुनेंद्र सिंह की चार बेटियां थी। जिनकी वह शादी कर चुके थे। बेटा नहीं होने पर दोनों पति-पत्नी अकेले रह रहे थे।

नगर निगम दे रहा गृहकर और जलकर में 10 फीसदी की छूट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- छूट का लाभ लेकर बकाया जमा करने की लोगों से अपील

अमृत विचार: महापौर अर्चना वर्मा व नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र ने वर्तमान वार्षिक गृहकर और जलकर में 10 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है और साथ ही लोगों से छूट का लाभ लेते हुए बकाया गृह व जल कर जमा करने की अपील की है। नगर निगम टीम की ओर से महानगर के समस्त वार्ड में रोस्टर के अनुसार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को 10 प्रतिशत की छूट की जानकारी हो सकें।

महानगर क्षेत्र के बरेली मोड़ पर सोमवार को कर निर्धारण अधिकारी विपिन कुलदीप सिंह के नेतृत्व में नगर निगम टीम के शिविर में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर अपना कर जमा कराया। नगर आयुक्त ने शिविर का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त ने बताया नगर निगम की ओर से 30 सितंबर 2025 तक छूट दी जा रही है। इस योजना से जुड़कर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं। इस अवसर पर बरेली मोड़ के निवासी अशोक अग्रवाल ने सभी आवासीय / व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर वर्तमान वार्षिक व बकाया कर की कुल धनराशि 5.45 लाख रुपये व अंकुर कपूर ने बकाया कुल धनराशि 1.85 लाख रुपये जमा कराई गई। कर निर्धारण अधिकारी बिपिन कूलदीप सिंह द्वारा बताया गया कि नगर निगम के कर विभाग की टीम द्वारा महानगर के स्थानों जैसे- किला. हाथीथान, मढ़ा, तारीन टिकली, सुभाषनगर, नई बस्ती, कच्चा कटरा. खिरनीबाग में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने नगर निगम द्वारा वर्तमान वार्षिक कर पर प्रदान की जा रही 10 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाते हुये अपना कर जमा किया गया। इससे सोमवार को नगर निगम के कर विभाग द्वारा लगभग 10 लाख रुपये से अधिक की धनराशि कोष में जमा कराई गई है।

बदमाशों ने कार शो रुम के मैनेजर से मारपीट कर मोबाइल लूटा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पुलिस ने मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगाया, अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विवार : अजीजगंज में बाइक सवार बदमाशों ने एक कंपनी के मैनेजर की कार रोक ली और मोबाइल छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने उनके साथ मारपीट के बाद भाग निकले। पुलिस अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही है।

लखनऊ के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी विवेक त्रिपाठी बरेली मोड़ पर स्थित आवास विकास कालोनी में किराए के मकान में रहते है। वह एक कार शोरुम के मैनेजर है। रविवार की शाम 8:30 बजे विवेक अपने कर्मचारी राजू के साथ कार से मोहल्ला अजीजगंज में स्थित एक दुकान पर सामान खरीदने के लिए आए। वह कार से उतरकर दुकान पर सामान खरीदा। इसके बाद कार में बैठने के लिए गए तो बाइक से आए बदमाशों ने उनका मोबाइल छीन लिया। उन्होंने कार से बदमाशों का पीछा किया तो गर्रा पुल के पास कार आगे लगाकर बाइक को रोक लिया। उन्होंने एक बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया तो मैनेजर को धारदार हथियार से घायल करके भाग गए। पुलिस ने घायल विवेक का डाक्टरी परीक्षण कराया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने मैनेजर के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगा दिया है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

लूटा गया मोबाइल समेत बदमाश गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि कार शो रुम के मैनेजर ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि बाइक पर सवार दो बदमाश अजीजगंज से उसका मोबाइल लूटकर ले गए थे। उन्होंने बदमाशों को पीछा किया तो एक बदमाश उनको घायल कर दिया था। पुलिस ने शाम को गौशाला रोड से एक बदमाश को बाइक समेत पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। पकड़ा गया आरोपी ओमगुप्ता निवासी चमकनी करबला थाना सदर बाजार है। पुलिस उसके साथी की तलाश कर रही है। टीम में उप निरीक्षक ललित शर्मा आदि थे।

कोर्ट मैरिज करने पहुंची युवती को परिजनों ने रोका तो किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- प्रेमी परिवार वालों को देखकर खिसक गया, युवती को वन स्टाप सेंटर भेजा गया

अमृत विचार: कचहरी में प्रेमी-प्रेमिका कोर्ट मैरिज के लिए सोमवार दोपहर आए। प्रेमिका के परिवार वालों को जानकारी हुई तो कचहरी रोड पर एसपी कार्यालय के सामने पहुंच गए। परिवार वालों ने बेटी को रोककर घर चलने के लिए कहा तो बेटी ने जाने से मना कर दिया। परिवार वाले बेटी को जबरन खींचकर ले जाने लगे। इस दौरान कचहरी रोड पर हंगामा हो गया और काफी संख्या में भीड़ लग गई। ट्रैफिक पुलिस ने शांत कराया।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाले पिता ने 18 सितंबर को थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 सितंबर को उसकी 22 वर्षीय बेटी मोहल्ले में एक सहेली के घर गई थी। आरोप था रास्ते में सिंधौली क्षेत्र के रहने वाला महेंद्र और सेहरामऊ दक्षिण क्षेत्र का सनी उसकी बेटी को अगवा करके ले गए है। परिवार वालों ने उसकी तलाश की और पता नहीं चला। आरोपी के परिवार वाले भी लड़की के परिवार वालों को जानकारी नहीं दे रहे थे। पुलिस लड़की और आरोपी की तलाश कर रही थी। सोमवार दोपहर युवती प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज करने के लिए कचहरी में कागजात तैयार कराने के लिए आई थी। युवती के परिवार वालों को इसकी सूचना मिल गई। परिवार वाले कचहरी रोड पर एसपी कार्यालय गेट के सामने खड़े हो गए। परिवार वालों ने देखा कि बेटी प्रेमी के साथ आ रही है। प्रेमी ने परिवार वालों को देखा तो भाग गया। इस दौरान परिवार वालों ने बेटी को रोका और घर चलने के लिए कहा गया। बेटी ने घर जाने से मना कर दिया। परिवार वाले उसे जबरन खींचकर ले जाने लगे तो शोर शराबा होने लगा। लोगों की सड़क पर भीड़ लग गई। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस और एसपी कार्यालय के कर्मचारियों ने युवती और उसके परिवार वालों को शांत कराया। पुलिस युवती और उसके परिवार वालों को एसपी कार्यालय में ले गई। युवती ने परिवार वालों के साथ जाने से मना कर दिया। रामचंद्र मिशन थाना को सूचना दी गई। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि युवती को वन स्टाप सेंटर भेज दिया गया और डाक्टरी परीक्षण कराया जाएगा। उन्होंने अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सर्प दंश से मजदूर की मौत

शाहजहांपुर अमृत विचार : सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव मुड़िया पवार निवासी खूंटी (40) रविवार सुबह 7 बजे चाय बनाने के लिए बक्से पर रखी माचिस उठाने लगा। इस दौरान माचिस बक्से के नीचे गिर गई। वह बक्से के नीचे गिरी माचिस उठाने के लगा तो सांप ने उसकी एक उंगली में काट लिया। थोड़ी देर बाद चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गए। और अंगुली में सूजन हो गई। परिवार वाले उसे सीएचसी सिंधौली पर ले गए। डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि उन्हें सांप ने डसा है। उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण- पोषण करता था। वह अपने पीछे पत्नी शबाना है और तीन बच्चों छोड़ गए ।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मीट-मछली की दुकान बंद कराने दिया ज्ञापन

खुदागंज, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर में संचालित मीट-मछली की दुकानों को बंद कराने की मांग को लेकर थाना अध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि नगर के मुख्य मार्ग पर मांसाहार की दुकानें संचालित हो रही हैं, जिससे आमजन व श्रद्धालुओं को असुविधा होती है। इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला विद्यार्थी प्रमुख राजीव कश्यप, प्रखंड सत्संग प्रमुख नक्षत्रपाल सिंह, प्रखंड सहसंयोजक गोधन कश्यप, रवि कुमार, आशीष, छोटू, रोहित कश्यप आदि मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित सभासद को दिलाई शपथ

खुटार, अमृत विचार : आदर्श नगर पंचायत खुटार के वार्ड संख्या नौ मोहल्ला सरोजनी नगर से नवनिर्वाचित सभासद विनय कुमार गुप्ता को नगर पंचायत कार्यालय में एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण चंद्र मिश्र, ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित भाजपा नेता सत्यपाल गुप्ता, नगर पंचायत चेयरमैन मैना देवी, बाबूराम पासवान, चेयरमैन प्रतिनिधि ठा0 रवि सिंह, सुस्वेंद्र सिंह, अतुल कश्यप इक्की सहित कई भाजपा नेता व सभासद गण मौजूद है।

26 अक्टूबर से होगा रामलीला मेले का आयोजन

अल्हागंज, अमृत विचार : नगर पंचायत कार्यालय में रविवार को हुई बैठक में श्रीरामलीला मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला महामंत्री एवं मेला कमेटी अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने की। उन्होंने बताया कि श्रीरामलीला मेला 26 अक्टूबर से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलेगा। इस बार मेले का आयोजन भव्यता और परंपरा के साथ किया जाएगा। गुप्ता ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों के आर्थिक सहयोग से करीब 1 लाख 40 हजार रुपए मेले की आमदनी में वृद्धि हुई है। मेले में श्रीरामलीला मंचन से लेकर भगवान के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां निकाली जाएंगी। ध्वनि व्यवस्था, इलेक्ट्रिक सजावट और मंच की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया नगर में श्रीराम बारात निकाली जाएगी। इसमें एक दर्जन से अधिक रथों पर भगवान के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां सजाई जाएंगी। इस दौरान काली अखाड़ा मुख्य आकर्षण रहेगा। मेला कमेटी के सभी पदाधिकारी और सदस्य विशेष वेशभूषा में रहेंगे। बैठक में राम लखन मिश्रा, श्याम सरोज, हल्लू गुप्ता, बालकिशन मिश्रा, गौरव गुप्ता (प्रबंधक), रमेश अग्निहोत्री, विष्णु तिवारी, सभासद अरुण कुमार शर्मा, राजेश कश्यप, राजकुमार गुप्ता, राहुल सिंह, राम लखन गुप्ता, प्रदीप वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एनसीईआरटी का नया कोर्स राजकीय जिला पुस्तकालय में उपलब्ध

सुविधा: कक्षा सात से 12 तक के छात्र पढ़ाई के लिए कोर्स का उठा सकते है लाभ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: देश में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद शिक्षा के पाठ्यक्रम में सुधार के साथ बदलाव किया जा रहा है। इससे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपने पाठ्यक्रम में बदलाव किया है, जिसके बाद छात्रों को किताबें उपलब्ध कराई जा रही है। बाजार के साथ ही राजकीय जिला पुस्तकालय में भी इस बार एनसीईआरटी की किताबें भेजी गई हैं, जिससे यहां पर कोई भी कक्षा सात से 12 तक का छात्र लाइब्रेरी के कामन हाल में बैठकर किताबों का निशुल्क अध्ययन कर सकता है। इसके अलावा लाइब्रेरी में 19 हजार से अधिक सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाएं, महत्वपूर्ण विषयों समेत किस्से-कहानियों की किताबें उपलब्ध हैं।

राजकीय जिला पुस्तकालय में अध्ययन करने आए छात्र। ● अमृत विचार

महानगर में राजकीय जिला पुस्तकालय विकास भवन रोड स्थित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के निकट स्थित है। इसमें करीब 200 पंजीकृत सदस्य हैं, जो लाइब्रेरी के कामन हाल में बैठकर पढ़ने के साथ ही किताबों को घर ले जाकर अध्ययन कर सकते हैं। इसलिए इच्छुक छात्र लाइब्रेरी के सदस्य बनकर किताबों को घर पर अध्ययन करने के लिए कार्यालय से जारी करा सकते हैं। लाइब्रेरी में लोगों को निशुल्क अध्ययन करने के लिए प्रतिदिन अखबार भी उपलब्ध रहता है। इसके अलावा समय-समय पर कैरियर काउंसलिंग के जरिए छात्रों को कैरियर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाती है।

लाइब्रेरी के जिला समन्वयक अवधेश सिंह ने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद पहली बार लाइब्रेरी को एनसीईआरटी की किताबें मिली हैं, जिसमें कक्षा सात से 12 तक के छात्र-छात्राओं का कोर्स उपलब्ध कराया गया है। कोई भी छात्र-छात्रा निशुल्क लाइब्रेरी में बैठकर इन किताबों का अध्ययन कर सकता है।

नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खातीं सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह।

एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर अभियान शुरू

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● सीडीओ ने नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खाकर की शुरुआत

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने महिलाओं संग नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खाकर एनीमिया मुक्त अभियान की शुरुआत की। इस दौरान डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में 24 सितंबर को होने वाले एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर अभियान को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। डीएम ने कहा कि 24 को पूरे जनपद में एक साथ पूर्वान्ह 11 बजे से अपराह्न एक बजे तक लड़कियों व महिलाओं को नींबू पानी के साथ आयरन की गोली खिलाई जाएगी।

दहेज उत्पीड़न में ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट

अल्हागंज, अमृत विचार: गांव इमलिया निवासी शिव देवी ने 2023 में फर्रुखाबाद के नवाबगंज निवासी विकास के साथ शादी की थी। शादी में दिए गए दहेज से ससुराली असंतुष्ट थे। उससे दो लाख रुपये और अन्य संपत्ति की मांग करनी शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर ससुराली आए दिन मारपीट और उत्पीड़न करने लगे। पंचायत भी हुई, लेकिन प्रताड़ना जारी रही। आरोप है कि 28 अप्रैल को गर्भवती हालत में उसे मारपीट कर मायके छोड़ दिया गया और ससुराल पक्ष वहां से फरार हो गया। पीड़िता ने शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी से कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अल्हागंज पुलिस ने मामले में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एडीसीपी के स्थानांतरण की मांग को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● वाराणसी प्रकरण पर सेंट्रल बार एसोसिएशन ने जताई नाराजगी

अमृत विचार: सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को सौंपा। इसमें वाराणसी प्रकरण में एडीसीपी नीतू कादयान का तत्काल स्थानांतरण कराने और भविष्य में किसी भी जनपद में उनकी तैनाती न किए जाने की मांग की गई।

कलक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपते हुए बार अध्यक्ष अजय वर्मा ने कहा कि वाराणसी प्रकरण में सामान्य विवाद को अनावश्यक रूप से गंभीर बनाने के लिए एडीसीपी नीतू कादयान जिम्मेदार हैं। अधिवक्ताओं ने मांग की कि प्रदेश के समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती से पूर्व और तैनाती के बाद से अब तक की समस्त संपत्तियों की जांच कराई जाए। सेंट्रल बार एसोसिएशन ने वाराणसी में पुलिस प्रशासन द्वारा अधिवक्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज की निंदा व भर्त्सना की और न्यायिक जांच की मांग रखी। इसके साथ ही कहा कि वाराणसी के अधिवक्ताओं पर पंजीकृत फर्जी मुकदमे वापस लिए जाएं और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। ज्ञापन देने वालों में महासचिव अवधेश सिंह तोमर, पशुपति नाथ दीक्षित, शिशुपाल सिंह, रमित त्रिवेदी, अंचल दीक्षित सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय किसान मेला पंतनगर में

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पंडित गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर में 'कृषि कुम्भ' के नाम से विख्यात अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन10 से 13 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। इस मेला का उद्देश्य किसानों को कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। जनपद शाहजहांपुर के अधिक से अधिक किसानों द्वारा इसमें भाग लेकर अपने ज्ञान और उत्पादन कौशल को बेहतर बनाने का अवसर प्राप्त किया जा सकता है। शाहजहांपुर के किसानों को सूचित किया जाता है कि वे 10 से 13 अक्टूबर तक पंतनगर में आयोजित इस कृषि कुम्भ किसान मेला में भाग लेकर कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी जानकारियों का लाभ उठाएं।

कामदेव पर विजय प्राप्त कर अहंकार में आ गए नारद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● खिरनीबाग में नारद मोह की रोचक प्रस्तुति से दर्शक मुग्ध

● भगवान ब्रह्मा, शिव और विष्णु के पास जाने का किया साहस

अमृत विचार: खिरनीबाग में नवचेतना कला परिषद की ओर से आयोजित रामलीला में कलाकारों ने ''नारद मोह'' की कथा को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इस लीला में दिखाया गया कि नारद मुनि ने कामदेव पर विजय प्राप्त कर अहंकार में भगवान ब्रह्मा, शिव और विष्णु के पास जाने का साहस किया। भगवान विष्णु ने उनके अहंकार को मिटाने के लिए एक लीला रची, जिसमें विश्वमोहिनी के रूप में नारद को मोहित कर उन्हें बंदर का रूप देकर हंसी का पात्र बना दिया।

नारद की क्रोधवश दी गई श्राप के कारण भगवान विष्णु को राम के रूप में अवतार लेना पड़ा, जिसके बाद राम ने बंदरों की सेना की मदद से लंका का विनाश किया। इसके अलावा, मंचन में मनु और सतरूपा की तपस्या, भगवान विष्णु से पुत्र प्राप्ति का वरदान तथा रावण, कुम्भकर्ण और विभीषण के जन्म की रोचक कथा को भी प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन में नारद की भूमिका मनोज पटेल, विष्णु की भूमिका सचिन, लक्ष्मी की भूमिका सोनाली, विश्वमोहिनी की भूमिका प्रियंका, रावण की भूमिका रामसिंह, कुम्भकर्ण की भूमिका अमित और विभीषण की भूमिका अरविंद ने निभाई। ब्रह्मा की भूमिका शिव विनीत और शिव की भूमिका वेदप्रकाश सुमित ने की। इस अद्भुत मंचन का निर्देशन अनिल शर्मा और राकेश श्रीवास्तव ने किया, जबकि मंचन की अध्यक्षता मनोज पटेल द्वारा की गई। प्रत्येक दिवस की तरह आज भी नवचेतना कला परिषद के कलाकारों द्वारा महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिकों के द्वारा आरती की गई।

रामलीला में 'नारद मोह' प्रसंग का जीवंत मंचन करता कलाकार।

प्रमुख रूप से जगदीश प्रसाद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, दिलीप गुप्ता, लालाराम गुप्ता ने परिवार सहित महाआरती में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद लिया। इसके अतिरिक्त मेला व्यवस्था में मेला अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, सचिव नरेंद्र मिश्रा गुरु, मेला प्रबंधक नीरज वाजपेयी, राम मोहन वर्मा, कोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, चंद्रशेखर खन्ना, मनीष खन्ना, नितेश गुप्ता, आदि लोग उपस्थित रहे।

शिव बरात के बाद शुरू हुई श्रीरामलीला

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

अमृत विचार: गांव चौहनापुर में होने वाली श्रीरामलीला चार दशक से हर वर्ष हो रही है। लीला मंडली में शामिल चौहनापुर और परसनिया (दोनों) गांवों के लोग किरदार निभाते चले आए हैं।

नवरात्रि शुरू होने के साथ ही सोमवार को श्री गणेश पूजन के बाद धूमधाम से शिव बरात निकाली गई। दोनों गांवों के अलावा गांव खिरिया हीर, ताहरपुर, फत्तेपुर से घूमने के बाद श्रीरामलीला स्थल पर बरात का समापन किया गया। श्रीराम लीला कमेटी के अध्यक्ष गौतम पांडे और राकेश त्रिपाठी ने बताया गांव के मध्य में रामलीला की शुरुआत 1981 में राम नारायण दीक्षित, बाबूराम त्रिपाठी ,विद्या प्रकाश पांडे , कैलाश नारायण दीक्षित, रामाधार त्रिपाठी की अगुवाई में गठित कमेटी ने कराई थी। इसमें गांव के युवाओं ने श्रीरामलीला मंचन में किरदार निभाने की अपील की, जिसे कमेटी ने स्वीकृत कर लिया था। 45 वर्ष पूर्व से होने वाली श्रीरामलीला में मंडली में शामिल होकर किरदार निभाने मैदान से निकली बारात गांव में घूमने के बाद पड़ोसी गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने कलाकारों स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल के अलावा पीएसी की टीम मौजूद रही।

गांव चौहनापुर में निकाली गई शिवबाराज में शामिल झांकी का दृश्य। ● अमृत विचार

मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

मिर्जापुर, अमृत विचार: शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतधारियों ने घरों में माता रानी की कलश के रूप में स्थापना की और मंदिरों में बड़ी श्रद्धा-भाव से माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की। कस्बा स्थित काली मंदिर और प्राचीन दुर्गा मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में नव दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री का विधि पूर्वक उपासना कार्यक्रम संपन्न हुआ। आचार्य चंद्रमोहन शंखधार ने बताया कि इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर अपने भक्तों के घरों में आशीर्वाद प्रदान करेंगी और पूरे दस दिनों तक नवरात्र पर निवास करेंगी। भक्त इस दौरान माता की विशेष कृपा का लाभ प्राप्त करेंगे, जो उनके लिए शुभ और फलदायी होगा।

पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए है: भंवरे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मिशन शक्ति 5.0 के तहत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में नवरात्रि के प्रहले दिन विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एएसपी भंवरे दीक्षा अरुण ने कहा कि किसी भी गलत बात को सहन न करें, तुरंत अपने अभिभावकों एवं पुलिस को सूचना दें। पुलिस सदैव आपकी सुरक्षा और सहयोग के लिए निर्भर है। उन्होंने छात्राओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर की सूचना दे। महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श, शिकायत निस्तारण एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी। छात्राओं को साइबर अपराधों के खतरों और उनसे बवाव के उपाए बताए गए। मिशन शक्ति एक अभियान नहीं है बल्कि महिलाओं और बालिकाओं के आत्मसम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक व्यापक सामाजिक आंदोलन है। पुलिस निरंतर प्रयासरत है कि प्रत्येक बेटी भयमुक्त होकर शिक्षा प्राप्त करें और अपने सपनों का साकार कर सके। महिला सुरक्षा ही शासन और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इधर पुलिस ने नवरात्रि के प्रथम दिन स्कूल व मंदिर के आस-पास गहन जांच पड़ताल की गयी। पुलिस मनचले युवकों पर पर नजर रखे हुए थी। इस अवसर पर सीओ सिटी, महिला उपनिरीक्षक, कालेज की प्रधानाचार्य, छात्राएं आदि स्टाफ मौजूद रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज छात्राओं को संबोधित करतीं एएसपी ग्रामीण। ● अमृत विचार

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टाँका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
TPA सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

आयोजन

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" में हो रहे कार्यक्रम

सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य से उत्पादकता में होती है वृद्धि : डॉ. अभिषेक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विवि के अंतर्गत वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" के छठे दिन महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम हुआ, जिसका केंद्र "मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श के प्रति जागरूकता" था। यह कार्यक्रम मनोरोग विभाग की ओर से किया गया, जिसमें महिलाओं के जीवन चक्र के विभिन्न चरणों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर किया गया। डॉ. अभिषेक चकलाधार ने समझाया किस प्रकार सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य से उत्पादकता में वृद्धि होती है और यह एक स्वस्थ परिवार की नींव रखता है।

जूनियर रेजिडेंट डॉ. सिम्पी भौमिक ने किशोरियों द्वारा सामना की जाने वाली कई मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया इस अवस्था में लड़कियां मासिक धर्म की शुरुआत, प्रेम संबंधों में टूटन और मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द (डिसमेनोरिया) जैसी समस्याओं से जूझती हैं, जिससे उनमें अवसाद (डिप्रेशन) और चिंता (एंग्जाइटी) के लक्षण पैदा हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अनुचित आहार, व्यायाम की कमी और आनुवंशिक कारक पालीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम का कारण बन सकते हैं, जिससे मनोवैज्ञानिक लक्षण और भी गंभीर हो जाते हैं। डॉ. निकिता आनंद, जूनियर रेजिडेंट ने कहा कि विवाह का समय महिलाओं के लिए एक तनावपूर्ण अवधि होती है। उन्होंने इस अवधि में शारीरिक स्वास्थ्य, पोषण और व्यायाम का ध्यान रखना चाहिए ताकि गर्भावस्था और प्रसव की अवधि बिना किसी समस्या के पूरी हो सके। विभिन्न जीवन चरणों में मानसिक स्वास्थ्य की जटिलताओं पर मनोरोग चिकित्सा विभाग की वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. विभा तोमर ने प्रसव के दौरान और पेरिमेनोपाजल अवधि के दौरान होने वाले हार्मोन के जटिल परस्पर क्रिया पर जोर दिया। उन्होंने विस्तार से समझाया इस चरण में मूड के लक्षणों, हड्डियों के स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण का ख्याल कैसे रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ-साथ एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से परामर्श लेना चाहिए। डॉ. मोनिका ने मरीजों और उनके परिजनों को उन सामाजिक बारीकियों से अवगत कराया जिनका सामना महिलाओं को अपने पूरे जीवन में करना पड़ता है।

वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में मौजूद डाक्टर व मेडिकल स्टाफ। ● अमृत विचार

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. पूनम ने महिला रोगियों के परामर्श सत्रों के दौरान आने वाली चुनौतियों का वर्णन किया। उन्होंने उपस्थित अन्य सभी चिकित्सा पेशेवरों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से मरीजों को मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग के लिए भेजें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से मानसिक बीमारी से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन मनोरोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अभिषेक चकलाधार द्वारा किया गया। अंत में वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. (कर्नल) आरएन शुक्ला ने कहा कि एक महिला परिवार के साथ-साथ समाज की भी नींव है और उसके अथक प्रयासों के लिए सिर्फ प्रशंसा के कुछ शब्द एक स्वस्थ और लचीले समाज के निर्माण में बहुत सहायक हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पवार, स्त्री रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. (ग्रुप कैप्टन) केजी पाल, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, गुणवत्ता अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अस्पताल के मुख्य आडिटोरियम में चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आज 11 बजे से

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज और रोहिलखंड अस्पताल, शाहजहांपुर द्वारा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025 के तहत महिला स्वास्थ्य पर एक निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मंगलवार सुबह 11 बजे से अपरान्ह एक बजे तक वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल के मुख्य आडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें रेड फ्लैग साइन (एएनसी) और गर्भावस्था में खून की कमी, भारतीय परिप्रेक्ष्य पर डॉ. शारदा जैन, निदेशक, लाइफकेयर सेंटर और आईवीएफ, विशेषज्ञ नैतिक समिति, सचिव जनरल और नार्थ इंडिया गायनैकोलॉजिस्ट फोरम की चेयरमैन द्वारा सत्र आयोजित किया जाएगा। अन्य सत्रों में एक्लेम्पसिया की रोकथाम (प्रसवपूर्व दौरे) पर डॉ. अर्चना वर्मा, अध्यक्ष, वेस्ट यूपी चैप्टर एवं पूर्व उपाध्यक्ष और पोस्ट पार्टम हेमरेज (प्रसवोत्तर रक्तस्राव) पर डॉ.पुनीता अग्रवाल, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और प्रसूति विशेषज्ञ द्वारा सत्र आयोजित किया जाएगा। आम जनता के लिए स्वास्थ्य संबंधी कई पहलों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें महिला स्क्रीनिंग, मुफ्त हीमोग्लोबिन परीक्षण, मुफ्त आईएफए सप्लीमेंट्स और पेट के कीड़े मारने की दवाइयों का वितरण, खून की कमी की रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता और परामर्श सत्र शामिल हैं। इस सीएमई का आयोजन प्रोफेसर डॉ. रेनू गर्ग (आयोजन सचिव) द्वारा किया गया है। यह कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रबंधन पर मूल्यवान जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा और पेशेवर विकास में योगदान करने का वादा करता है।

न्यूज ब्रीफ

27 को होगा विशेष और नेशनल लोक अदालतों का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिव कुमारी ने बताया कि 27 सितंबर को न्यायायल परिसर में ऋण वसूली न्यायाधीकरण के समक्ष लम्बित वादों के निस्तारण को 27 सितम्बर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया किया जाएगा। इसके बाद 10 अक्टूबर व 14 नवम्बर को विशेष लोक अदालत लगेगी। ऋण वसूली से सम्बन्धित विवादों के हितधारकों (बैंकिंग प्रतिष्ठान) से समन्वय स्थापित किया गया। जनपद के समस्त बैंकिंग प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया गया कि अपने स्तर से विशेष लोक अदालत तथा नेशनल लोक अदालतों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए।

फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के आरोप में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : विकास क्षेत्र उसावां की ग्राम पंचायत हजारा के ग्राम विकास अधिकारी नेम सिंह ने तहरीर देकर बताया कि वह एक जुलाई 2025 से हजारा पर कार्यरत हैं। क्षेत्र का कोई व्यक्ति फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बना रहा है। उन्होंने पुलिस को उस व्यक्ति की यूजर आईडी, ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर भी दिया है। उसकी ओर से बनाए जा रहे प्रमाण पत्र पूरी तरह से अवैध और फर्जी हैं। पुलिस ने अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

महिलाओं से छेड़छाड़ दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : बिनावर में तैनात उपनिरीक्षक दिनेश तिवारी ने महिलाओं और लड़कियों को देखकर अश्लीलता करने वाले दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उपनिरीक्षक, सिपाही विनीत सिंह, प्रदीप कुमार, त्रिवेश के साथ बिलहत मार्ग पर गश्त कर रहे थे। शराब के ठेके के पास दो लोग रास्ते में मिले। वह दोनों महिलाओं और लड़कियों से अश्लीलता करते हुए इशारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को मौके से पकड़ लिया। एक ने अपना नाम गांव आलमपुर निवासी सर्जन अली और दूसरे ने कस्बा बिनावर निवासी राजकुमार बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती से दूसरे समुदाय के युवक ने की छेड़छाड़

इस्लामनगर, अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती सोमवार सुबह घास काटने के लिए खेत पर गई। दूसरे समुदाय का युवक खेत पर पहुंचा और युवती के साथ छेड़छाड़ की। युवती सुबह लगभग 10 बजे खेत पर घास काट रही थी। तभी गांव का युवक बाइक से वहां पहुंचा और युवती के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब युवती ने इसका विरोध किया तो आरोपी युवक ने उसे जमीन पर गिराकर गंदी हरकत करना शुरू कर दिया। युवती चिल्लाई। चीख-पुकार सुनकर उसके पिता, जो पास के खेत में धान की फसल काट रहे थे, मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि आरोपी युवक उनकी बेटी को खींचकर ले जाने की कोशिश कर रहा था। पिता को देखकर युवक घबरा गया और मौके पर अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी।

संपर्क मार्गों से जुड़ेंगे 150 की आबादी वाले 36 मजरे

420.584 करोड़ आएगी लागत, भेजा प्रस्ताव, बजट का इंतजार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ग्रामीण क्षेत्रों में 39.135 किलोमीटर लंबाई के बनेंगे संपर्क मार्ग

अमृत विचार : जिले के 36 गांव का संपर्क मार्ग से जोड़ा नहीं गया है। यह सभी गांव मजरे 150 की आबादी वाले हैं। इन सभी को संपर्क मार्ग से जोड़ा जाएगा। सभी मजरों को चिन्हित करते हुए लोग निर्माण विभाग ने प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजा गया है। 39.135 किलोमीटर लंबी सड़कों पर 420.584 करोड़ की लागत आएगी। विभाग को बजट मिलने का इंतजार है।

जिले की गई ग्राम पंचायतों के ऐसे मजरे हैं जहां आज तक लोगों को आने जाने के लिए सड़क नहीं बन सकी है। लोग कच्चे रास्तों पर आवागमन करते हैं। जिसकी वजह से उन्हें दिक्कतों का सामना पड़ता है। लोगों की इस समस्या को देखते हुए शासन की ओर से 150 से अधिक आबादी वाले गांव में संपर्क मार्ग तक रोड बनाने के लिए प्रस्ताव मांगा। शासन से मिले आदेश के बाद लोक निर्माण विभाग की ओर से 36 मजरों को चिन्हित किया गया।

> 150 आबादी वाले 36 गांव चिन्हित किए गए हैं। इन गांव में सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजा गया है। बजट मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।
> - नरेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

इन गांव आज तक संपर्क मार्ग से नहीं जुड़ सके हैं। उन्हें आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब लोग निर्माण विभाग ने इन 150 आबादी वाले गांवों 36 गांव में 39.135 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का प्रस्ताव तैयार कर शासन में भेजा है। इन सड़कों के निर्माण में 420.584 करोड़ की लागत आएगी।

विभाग बजट आने का इंतजार कर रहा है। दातागंज के तीन, शेखूपुर चार, बिसौली 11, सहसवान 12, बदायूं और बिल्सी के 3-3 मजरों में संपर्क मार्ग का निर्माण कराया जाएगा।

सभी विधानसभाओं में 10-10 करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 करोड़ से 150 आबादी वाले टोले एवं मजरों में संपर्क मार्ग का निर्माण कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने सभी छह विधानसभा दातागंज, शेखूपुर, बदायूं बिसौली, बिल्सी और सहसवान विधानसभा क्षेत्र में 36 संपर्क मार्गों की सूची तैयार कर शासन को भेजी है।

दातागंज सीएचसी पर लगा स्वास्थ्य शिविर

बदायूं, अमृत विचार : प्रधान मंत्री के 75 वें जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जा रहा सेवा पखबाड़ा के अंन्तर्गत सोमवार को दातागंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

स्वासथ्य शिविर में जिला अस्पताल के डॉक्टर एसएम कल और डॉ. एसपी सिंह सहित करीब सात डॉक्टरों ने मरीजों को देखा। सेवा पखबाड़ा शिविर में सुबह से ही मरीज आने लगे। दोपहर तक 300 से अधिक मरीजों को देख कर दवा लिखी गई। करीब दो दर्जन बुखार पीड़ितों के ब्लड की जांच कराई गयी। दातागंज क्षेत्र के आसपास के तमाम गांव के लोगों ने शिविर में विभिन्न बीमारियों की दवा ली। फिजीशियन डॉ. एसएम कमल ने बताया कि सेवा पउवाड़ा के तहत प्रत्येक दिन स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय मरीजों को घर बैठे स्वास्थ्य सुविध मुहैया कराने को सरकार द्वारा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 400 से अधिक मरीजों को देख कर दवा लिखी गई। इस समय बुखार तेज गति से फैल रहा है। इधर मलेरिया के मरीजों की संख्या भी अधिक है। कई मलेरिया के पुराने मरीजों को दवा लिखी गयी है।

बुखार, उल्टी व दस्त के मरीजों की बढ़ रही संख्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिला अस्पताल में बुखार के आठ मरीज किए भर्ती, श्वास के रोगी भी बढ़ रहे
- सोमवार सुबह आठ बजे ही 500 मरीज ओपीडी के बाहर लाइन में लग गए

अमृत विचार : गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही बुखार, उल्टी व दस्त से पीड़ित मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। गंभीर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। बुखार पीड़ितों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। वायरल टेस्ट कराने वाले मरीजों को भी बुखार की पुष्टि हो रही है। सोमवार को उल्टी दस्त और श्वास के आठ गंभीर मरीजों को भर्ती किए गए।

सोमवार को सुबह आठ बजे अस्पताल खुलते ही मरीजों की लाइन लगनी शुरू हो गयी। सुबह दस बजे तक करीब पांच सौ से अधिक मरीज विभिन्न ओपीडी के बाहर लाइन में लग गए। जैसे ही साढ़े नौ बजे डाक्टर बैठे तो मरीजों ने अंदर घुसने को धक्का मुक्की शुरू कर दी लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने मरीजों को लाइन में लगा कर स्थिति को नियंत्रित किया। ओपीडी संख्या नौ के बाहर आज भारी भीड़ रही। यहां पर तीन डाक्टरों ने मरीजों को देखा। डाक्टरों का कहना था कि इस समय गर्मी के चलते उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या अधिक है। उल्टी दस्त के कई गंभीर मरीजों को भर्ती भी किया गया है।

डा. गणेश ने बताया कि गर्मी में श्वास रोगियों को परेशानी अधिक हो रही है इसलिए श्वास रोगियों को भर्ती करना पड़ रहा है जबकि सामान्य श्वास रोगियों को दवा देकर भेजा जा रहा है। उन्होने बताया कि इस ओपीडी से आठ मरीजों को भर्ती करने को भेजा गया है जबकि अन्य चिकित्सकों ने भी कुछ मरीज भर्ती किए हैं।

चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषिपाल ने बताया कि छोटे बच्चों की त्वचा मुलायम होती है उन्हे खुजली जल्द होती है। बच्चों को साफ स्वच्छ रखा जाए जिससे बच्चों को त्वचा रोग न हो।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बदायूं, अमृत विचार : पत्नी से अनबन होने पर एक युवक ने अपने खेत पर जाकर पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव नगला सालार निवासी आशीष (25) की सोमवार को पत्नी से किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हो गई थी। वह दोपहर को बिना कुछ कहे घर से चले गए थे। गांव के बाहर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने शव देखा तो परिजनों को सूचना दी। परिजन चीत्कार करते हुए खेत पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फारेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए।

आशीष।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कर्रवाई की जाएगी।

विभाग की छापेमारी से झोलाछापों में हड़कंप

संवाददाता, उस्मानपुर

- दुकाने बंद कर भागे झोलाछाप टीम ने चस्पा किए नोटिस

अमृत विचार : दहगवां ब्लाक क्षेत्र के उस्मानपुर समेत आसपास के गांवों में लगातार झोलाछापों व बिना रजिस्ट्रेशन संचालित नर्सिंग होम संचालकों में स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से हड़कंप मचा हुआ है। छापेमारी से झोलाछाप दुकानें बंद कर भाग गए। उनकी दुकानों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं।

उस्मानपुर समेत व आसपास के गांवों में सोमवार को एसीएमओ डॉ मोहन झा ने बिना रजिस्ट्रेशन संचालित नर्सिंग होम संचालकों व झोलाछापों समेत चार जगह नोटिस चस्पा किये। जिससे झोलाछापों में खलबली मच गई।

क्षेत्र के प्रत्येक गांव व उस्मानपुर कस्बे में तमाम नर्सिंग होम व झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक जगह जगह खुले हुए हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग नोटिस चस्पा कर पल्ला झाड़ लेता है कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है, जिससे बेखौफ झोलाछाप नर्सिंग होम व क्लीनिक चला रहे हैं। झोलाछाप डॉक्टरों के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ मोहन झा के मुताबिक सोमवार को वह मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईजीआरएस शिकायत की जांच करने गए। इसी दौरान तीन-चार डॉक्टरों से कागजात मांगे और दो दिन का समय देते हुए नोटिस दे आये हैं। दो दिन पहले किसने छापेमारी की और क्या कार्रवाई हुई इस सवाल के जबाब पर कहा कि दो दिन पहले कौन गया उन्हें जानकारी नहीं है।

सिलेंडर में ब्लास्ट, आग से झुलसे तीन लोग, दो की हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के बीच नेहरू चौक के पास स्थित कबाड़ की दुकान में सिलेंडर फट गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुकान के सामान में आग लग गई। हादसे में दुकानदार समेत तीन लोग झुलस गए। पास के दुकानदारों ने आग पर काबू पाया। झुलसे हुए लोगों को जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया। दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं कबाड़ी बाजार के लोग मामले को छिपाने में लगे रहे।

सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे मोहल्ला छोटी सराय स्थित कबाड़ बाजार में राशिद अपनी दुकान पर सिलेंडर खोल रहे थे। शहर के किसी घर से कबाड़ लाने वाले व्यक्ति ने सिलेंडर को खाली बताया था। जिसके चलते राशिद सिलेंडर काट रहे थे। इसी दौरान सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। राशिद दूर जा गिरे। आग से दुकान में रखा सामान जल गया। पास के दुकानदारों ने आग पर काबू पाया। हादसे में अब्दुल हाफिज, मेहरबान, शफीक झुलस गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर अब्दुल हाफिज और मेहरबान को हायर सेंटर रेफर किया गया है। हादसे के बाद कबाड़ का काम करने वाले लोग हादसे को सामान्य बताकर छिपाते रहे। दुकान का शटर बंद कर दिया। कबाड़ियों ने कहा कि हादसे में कुछ ही सामान जला है। किसी के झुलसने की बात को नकारते रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कबाड़ियों के बयान दर्ज किए।

आग लगने के बाद कबाड़ियों ने बंद किया दुकान का शटर। ● अमृत विचार

- शहर के कबाड़ बाजार में एक दुकान पर सिलेंडर फटा

टेंपो के लिए स्टैंड निर्धारित करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर में टेंपो स्टैंड निर्धारित करने की मांग को लेकर जिला बस ऑपरेटर यूनियन ने नगर पालिका परिषद की चेयरमैन फात्मा रजा को ज्ञापन सौंपा। पहले से निर्धारित टेंपो स्टैंड फिर शुरू करने या दूसरी जगह नीयत करने की मांग की।

यूनियन के अध्यक्ष ओमकार सिंह ने बताया कि उन्होंने 16 जून 2025 को डीएम को ज्ञापन दिया था। इसमें बताया कि शहर में दौड़ रहे टेंपो हर चौराहे से सवारियां भरते हैं। जिससे यातायात बाधित होता है। एआरटीओ कार्यालय की ओर से जारी पत्र में बताया कि शहर में टेंपो स्टैंड निर्धारित करने का अधिकार नगर पालिका को है। पहले भी नगर पालिका परिषद ने टेंपो स्टैंड निर्धारित किया था। चेयरमैन से मांग की कि उन स्टैंड को फिर से शुरू करने को आदेशित करें या स्टैंड कहीं और नीयत किए जाएं। चेयरमैन ने आश्वासन दिया कि जल्द ही अधिकारियों से बात करके शहर में टेंपो स्टैंड निर्धारित किए जाएंगे। यूनियन के महासचिव मुशाहिद खां, पप्पू फारुकी, भारत गुप्ता, राम गुप्ता, प्रेमपाल, श्याम कुमार, शराफत हुसैन, हसन खान, विनोद कुमार, मिंटू गुप्ता, नरेंद्र सिंह, नेत्रपाल सिंह, कामेश यादव आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद की चेयरमैन फात्मा रजा को ज्ञापन सौंपते ओमकार सिंह।

1 अक्टूबर को वेतन दिलाने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के पदाधिकारियों ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सभी कर्मचारियों का वेतन एक अक्टूबर को जारी कराने की मांग की।

7 अक्टूबर को भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर शोभायात्रा निकलेगी। शोभायात्रा कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार रोहिल ने कहा कि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में 5 अक्टूबर को सुबह मोहल्ला कबूलपुरा से प्रभात फेरी निकलेगी। 7 अक्टूबर की सुबह पांच बजे मोहल्ला लोटनपुर से प्रभात फेरी का आरंभ प्राचीन भगवान वाल्मीकि मंदिर से किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे विशाल शोभायात्रा मोहल्ला खेड़ा नवादा से निकलेगी। आठ अक्टूबर दोपहर चार बजे जनसभा, नृत्य व गायन पुरस्कार वितरण होगा। जिसके लिए वेतन समय से मिल जाए तो अच्छा रहेगा। ज्ञापन देने वालों में संगठन के कोषाध्यक्ष अनिल विराट, मंत्री अरुण वाल्मीकि, रमेश डी लाल, संजय कटारिया, कुक्कू आदि मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपते संगठन के पदाधिकारी।

हाईवे पर हादसे में युवक की मौत

बिल्सी, अमृत विचार : बिजनौर-बदायूं हाइवे स्थित वैन ईंट भट्टे के पास रविवार की रात साढ़े आठ बजे किसी वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस युवक की पहचान का प्रयास कर रही है।

कोतवाली बिल्सी में तैनात उपनिरीक्षक टेकचंद्र सिंह ने बताया कि रविवार रात लगभग 45 साल के व्यक्ति को किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। राहगीर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। एम्बुलेंस से बिल्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से राजकीय मेडिकल कॉलेज मेकं भर्ती कराया। जहां सोमवार दोपहर उसकी मौत हो गई। पुलिस युवक की शिनाख्त प्रयास कर रही है। अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है।

महिलाएं उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करें

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर के इस्लामिया इंटर कॉलेज में सोमवार को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत महिला एसआई रचना देशवाल, कांस्टेबल सोनिया कुमारी ने छात्राओं को जागरूक करते हुए समाज में महिलाओं पर होने वाले उत्पीड़न व छेड़खानी से बचने के लिए तमाम उपाय बताए।

कहा कि कभी भी महिलाओं को उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। उसको तुरंत शिकायत करनी चाहिए। ताकि समय रहते समस्या का निराकरण किया जा सके। साथ ही छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 उपलब्ध कराए। ताकि आपातकाल की स्थितियों में वह इन नंबरों का प्रयोग कर सहायता ले सके। इस मौके पर अरुण कुमार, शिवांगी सागर, असमिया खान, खुशबू खान, महविश खान, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मोहित यादव, मुनेंद्र माथुर आदि मौजूद रहे।

छात्राओं को जागरूक करतीं महिला पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

पुलिस ने कस्बे में चलाया अभियान

उसहैत, अमृत विचार : नवरात्र के पहले दिन मंदिरों पर खासी भीड़ देखी गई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने श्री कालसेन बाबा मंदिर, देवस्थान अस्तल मंदिर, पक्का पुल स्थित हनुमान मंदिर पर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया। महिलाओं को सुरक्षा का अहसास कराया। वही मंदिर के अंदर और बाहर घूम रहे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। इसके साथ ही थाना पुलिस ने अहमद हसन कॉलेज में महिला पुलिस कर्मियों के साथ छात्राओं को नारी सुरक्षा अभियान के संबंध में जानकारी दी।

तस्कर काट रहा था शीशम का पेड़ पुलिस ने पकड़ा

कुंवरगांव, अमृत विचार : कुंवर गांव थाना क्षेत्र के गांव बनेई में सोमवार को तालाब के पास तस्कर हरा शीशम का पेड़ काट रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत और लकड़ी कब्जे में ली। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंचे वन दरोगा अशोक कुमार ने लकड़ी को कब्जे में लेकर तस्कर और पेड़ मालिक के खिलाफ जांच शुरू की। तस्कर ने बनेई निवासी दिलशाद से उनके घर के पास हरा शीशम का पेड़ 11 हजार में खरीदा था। इसका कोई परमिट नहीं था। वन दरोगा अशोक कुमार का कहना है कि कटी हुई लकड़ी को कब्जे में लिया है। लकड़ी और मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत चुनाव | बीएलओ घर-घर पहुंचकर डुप्लीकेट वोटरों का कर रहे सत्यापन

डुप्लीकेट वोटरों की तस्वीर होगी साफ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिलें में चिन्हित किए गए थे सवा तीन लाख से अधिक डुप्लीकेट वोटर

अमृत विचार : निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों एआई के जरिए डुप्लीकेट वोटरों को चिन्हित किया था। एआई से चिन्हित किए गए जिले में तीन लाख से अधिक वोटर पाए गए थे। इसकी सूची जिला निर्वाचन विभाग को भेजी गई थी। साथ ही आयोग के द्वारा स्थलीय सत्यापन के करने निर्देश दिए गए थे। डुप्लीकेट वोटरों के सत्यापन का जिले में तेजी से चल रहा है। बीएलओ घर-घर पहुंचकर डुप्लीकेट वोटरों का आधार के माध्यम से सत्यापन कर रहे हैं। बीएलओ के द्वारा यह कार्य चार माह में पूजा किया जाएगा। इसके बाद अंतरिम सूची जारी होगी। सूची जारी होने के बाद डुप्लीकेट वोटरों की हकीकत सामने आएगी।

आगामी साल में पंचायत चुनाव होना है। पंचायती चुनाव के चलते जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश कुमार राय के निर्देशन में ग्राम पंचायतों में पंचायत निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण किया जा रहा है। वृहद पुनरीक्षण के बीच ही निर्वाचन आयोग की ओर से जिले में संभावित तीन लाख से अधिक डुप्लीकेट वोटरों की लिस्ट जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजी थी।

> मतदाता सूची का अंतिम प्रकाश जनवरी माह में होगा। नामावली सूची का अंतिम प्रकाशन के बाद ही डुप्लीकेट वोटरों की स्थिति मिल सकेगी। बीएलओ सत्यापन का काम तेजी से कर रहे हैं।
> - डॉ. प्रमेंद्र सिंह पटेल, सहायक निर्वाचन अधिकारी

निर्वाचन आयोग के द्वारा भेजी गई सूची और मिले निर्देश पर के बाद निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को सूची सौंपी। तथा आधार के माध्यम से चिन्हित किए गए वोटरों के घर-घर पहुंचकर स्थलीय सत्यापन के निर्देश दिए थे। बीएलओ द्वारा सत्यापन का काम पूरा करने के बाद उसकी फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। 13 दिसंबर तक दावे आपत्ति के निस्तारण का काम भी किया जाएगा।

दावे व आपत्तियों के निस्तारण के बाद पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी व उन्हें मूल सूची में समाहित किया जाएगा। निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन का कार्य 15 जनवरी को किया जाएगा। इसके बाद डुप्लीकेट वोटरों की हकीकत सामने आएगी।

नवरात्र में शेड्यूल से बिजली देने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद में अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। तमाम धरना प्रदर्शन करने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं आ रहा है। अब सोमवार से नवरात्रि शुरू हो चुकी है ऐसे में बिजली विभाग ने जिले भर को शेड्यूल के अनुसार बिजली देने का भरोसा दिया है। बिजली विभाग अनुरक्षण माह के तहत बिजली की लाइनें ठीक करा रहा है।

पिछले काफी समय से जिले भर में बिजली समस्या बनी हुई है। दिन में दो घंटे बिजली मिल रही है। लाइन खराब हैं। केबल टूट रहे हैं। झम्पर लटक रहे हैं। ट्रांसफार्मर जल चुके हैं जो चार चार दिन तक ठीक नहीं कराए जाते हैं जिससे बिजली संकट से लाखों उपभोक्ता जूझ रहे हैं। बिजली संकट के चलते फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। बिजली सप्लाई ठप होने से ट्यूबवैल नहीं चल पा रहे हैं। इसकी शिकायत बिजली विभाग और जिला प्रशासन के जिम्मेदारों से की जा चुकी है। फिर भी बिजली विभाग के कान पर जूं नहीं रेंग रही हे। सोमवार से शारदीय नवरात्रि शुरू हो चुके हैं। ऐसे में गर्मी का दंश झेलने वाले उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली विभाग ने आज शेड्यूल से बिजली सप्लाई देने की बात कही है। अधीक्षण अभियंता अखिलेश कुमार ने सोमवार को बताया कि आज से प्रयास किया जाएगा कि जिले के उपभोक्ताओं को शेड्यूल के अनुसार सप्लाई दी जाए। इसके लिए चारों खंडों के अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया गया है। बिजली घरों को आदेशित किया गया है कि शेड्यूल के अनुसार बिजली दी जाए।

बिजली कटौती को लेकर डीएम कार्यालय घेरा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : चार महीने से बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने सोमवार को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। डीएम को पत्र देकर बताया गया कि क्षेत्र के चार गांव पिछले चार महीने से बिजली सप्लाई ठप होने से परेशान हैं। विभागीय कर्मचारियों की मनमानी के चलते चौबीस घंटे में चार घंटे बिजली मिल रही है। डीएम ने समस्या का समाधान जल्द कराने का आश्वासन दिया है।

ब्लॉक जगत के ग्राम खिरिया रहलू, गुरु गांव, देवामई सहित चार गांवों को सखानू बिजली घर से बिजली सप्लाई दी जाती है। लेकिन पिछले चार महीने से उक्त चारों गांवों को चौबीस घंटे में मात्र चार घंटे बिजली दी जा रही है जिससे ग्रामीण परेशान हैं। गर्मी के कारण घरों मे महिलाएं बच्चे बीमार होने लगे हैं। बिजली विभाग के जेई ओर एसडीओ से कई बार बिजली समस्या बतायी गयी लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया जिससे उक्त चारों गांव बिजली न मिलने से बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों ने डीएम अवनीश रॉय को बताया कि इस समय धान बाजरा की सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है। बिजली नही आने से ट्यूबवैल नहीं चल पा रहे हैं। फसलें सूख रहीं हैं। बिजली समस्या के चलते गांव की आटा चक्की बंद हैं। स्पेलर नहीं चल रहे हैं। घरों में ग्रामीण मोबाइल चार्ज नहीं कर पा रहे हैं। पानी की समस्या बनी हुई है। ग्रामीण अजब सिंह ने बताया कि बिजली संकट से ग्रामीणों में भारी रोष है। उन्होंने मांग की कि चौबीस घंटे में कम से कम दस घंटे बिजली दी जाए। प्रदर्शन करने वालों में कल्लू, नेत्रपाल, ऋषिपाल, नरेश सिंह, पप्पू, अवरार, नरेश, विमल सिंह, राहुल, हरीश, घनश्याम, जयसिंह पाल, तिलक सिंह, खुशीराम, श्रवण कुमार, मोहम्मद नवी, रामबाबू, रामनिवास, अमित मिश्रा मौजूद रहे।

बिजली संकट को लेकर डीएम कार्यालय पर खड़े ग्रामीण। ● अमृत विचार

- ब्लॉक जगत के गांव खिरिया में बिजली संकट को लेकर भारी रोष

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मंदिरों में उमड़े भक्तों ने की पूजा-अर्चना

उघैती, अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के पहले दिन सोमवार को राधा कृष्ण मंदिर पर महिलाओं ने पूजा अर्चना कर मां शैलपुत्री की आरती की। मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। तड़के से ही भक्तों ने मंदिर परिसर में पहुंच कर लाइन लगा कर मां शैलपुत्री की पूजा की। मां के दर्शन करने के बाद भक्तों ने प्रसाद बांटा।सोमवार से शारदीय नवरात्रि का आगाज हो गया। नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ दिखी। महिलाएं और बच्चे कलश, नारियल और पुष्प लेकर मंदिर पहुंचे। भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना कर खुशहाली की दुआ मांगी।

प्रथम दिन मां शैलपुत्री के किए दर्शन

दातागंज, अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के पहले दिन सोमवार को कस्बे के दुर्गा देवी मंदिर पर पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालु सुबह से ही पूजा अर्चना को पहुंच गए। मंदिर परिसर में माता के जयकारों से वातावरण गूंज रहा था। भक्तों ने व्रत रखकर मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की। लोगों अपने घरों भी नवरात्रि पाठ का आयोजन किया। महिलाएं और बच्चे कलश, नारियल और पुष्प लेकर मंदिर पहुंचे। सुबह से शाम तक देवी मां के दर्शन को तांता लगा रहा।

गणेश शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ रामलीला महोत्सव

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के रामलीला मेला ग्राउंड पर रामलीला कमेटी की ओर से होने वाले रामलीला महोत्सव द्वारा सोमवार को भगवान गणेश शोभायात्रा एवं वानर जुलूस के साथ मंचन शुरू हो गया। रामलीला मैदान से भगवान गणेश जी झांकी को धूमधाम से निकाला गया। जो नगर के कटरा बाजार, बंबा चौराहा, सर्राफा बाजार, बालाजी चौक, क्षत्रिय कालौनी होती हुई पुन :रामलीला मेला मैदान पर जाकर समाप्त हुई। इस मौके पर उमेश चंद्र वार्ष्णेय, विनोद पालीवाल, अजीत सिंह गूर्जर, आदित्य माहेश्वरी, संजीव वार्ष्णेय, जितेंद्र कुमार, हरिओम राठौर, अजय प्रताप सिंह, लवकुमार, प्रखर माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

मां शैलपुत्री की श्रद्धालुओं ने की पूजा

शहर से लेकर देहात के मंदिरों में भोर से ही भक्तों की लगी कतार, गूंजे माता के जयकारे

मंदिर में मां काली के दर्शन करने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मंदिर में मां काली के दर्शन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● शारदीय नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमृत विचार : माता आदि शक्ति की आराधना सोमवार से शुरू हो गई। शारदीय नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की विधि विधान के साथ पूजा की गई। देवी मंदिरों में सुबह ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। शहर लेकर देहात क्षेत्र के मंदिरों में भोर से भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गईं थी। यह क्रम दोपहर तक चला। भक्तों ने माता की पूजा कर जयकारे लगाए। इससे वातावरण भक्तिमय हो गया। मां का आर्शीवाद प्राप्त करने को देर शाम तक श्रद्धालुओं का मंदिर में आना जाना लगा रहा।

नवरात्र के पहले दिन घरों में साफ सफाई का दौर चला। इसके बाद मां आदिशक्ति में आस्था रखने वाले लोगों ने घरों में विधि विधान से कलश की स्थापना की। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। नवरात्र को लेकर शहर के मंदिरों में तड़के से ही श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मां दुर्गा के दर्शन व पूजन के लिए शहर के नजदीक गांव नगला स्थित मां काली के मंदिर में सहित विभिन्न दुर्गा मंदिरों में भोर से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। यह क्रम दोपहर तक चला। शाम होते ही फिर से मंदिरों के बाद श्रद्धालुओं की कतार लगनी शुरू हो गई। आरती के बाद कतारें कम हुई। लोगों ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन कर उनकी पूजा की। इसके बाद जयकारे लगाए। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के भी इंतजाम रहे। भारी संख्या में पुलिस बल मंदिरों के बाहर तैनात रहा।

मंदिरों के बाहर सजी पूजा सामग्री की दुकानें

अमृत विचार : सोमवार से शारदीय नवरात्रि शुरू हो गए। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। इसके साथ ही मंदिरों के बाद दर्जनों पूजा सामग्री की दुकानें सज गईं। यहां से श्रद्धालुओं ने फूल, चुनरी, नारियल आदि पूजा सामग्री को खरीद कर माता के चरणों में अर्पित की।

त्योहारों को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

कुंवर गांव, नवरात्र और रामलीला, दशहरा के पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाने में पीस कमेटी की बैठक हुई। सीओ सिटी ने लोगों से क्षेत्र में अमन चैन कायम रखने के लिए अपील की।

थाना प्रभारी ने बताया कि 5 अक्टूबर से नगर में रामलीला शुरू हो रही है। 7 अक्टूबर को राम बारात निकाली जायेगी। 3 अक्टूबर को खाटूश्यामजी मंदिर पर काशी के ब्राह्मणों द्वारा भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा। इसमें नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने भी जनता से अमन चैन की अपील की। इस मौके पर कहा कि छोटे-छोटे मामलों को बड़ा रुप न लेने दे पीस कमेटी का उद्देश्य क्षेत्र में सभी धर्मों को शांतिपूर्ण और थाना प्रभारी वेदपाल सिंह, उपनिरीक्षक रामेश्वर सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक घनश्याम सिंह, उपनिरीक्षक सुकेंद्र सिंह, सोवीर सिंह, नगर चेयरमैन पति अरविंद रावत आदि मौजूद रहे।

मरीजों को मिल रही घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुफ्त घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण की अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का लाभ समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को दिया जा रहा है।

इस सुविधा के अंतर्गत डॉ. रितुज अग्रवाल, डॉ. अभिलाष यादव व डॉ. टिंकु सिंह ने संयुक्त रूप से सेवा दे रहे हैं। हाल ही में ग्राम नवादा निवासी 72 वर्षीय राजश्री पिछले चार वर्षों से बाएं घुटने की गंभीर समस्या से जूझ रही थीं। उनको इस योजना के तहत सफल घुटना प्रत्यारोपण ऑपरेशन के माध्यम से राहत प्रदान की गई। उन्होंने ओपीडी में डॉ. टिंकु सिंह से परामर्श लिया। यहां उन्हें घुटना प्रत्यारोपण की सलाह दी गई। 18 सितंबर को डॉ. टिंकु सिंह एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के अगले

घुटने का प्रत्यारोपण करते डॉक्टर।

● राजकीय मेडिकल कॉलेज में किया सफल ऑपरेशन

ही दिन से मरीज की स्थिति में सुधार देखा गया।

शेखूपुर में किया सामुदायिक सेवा विस्तार : राजकीय मेडिकल कॉलेज द्वारा मनाए जा रहे राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के छठे दिन ग्राम शेखूपुर स्थित कन्या जूनियर हाई स्कूल में सामुदायिक सेवा विस्तार कार्यक्रम किया। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह, प्रोफेसर डॉ. वेंकट नारायण, डॉ. अमित कुमार डॉ. लालेन्द्र यादव डॉ. रुबीना एवं डॉ. नुदरत उपस्थित रहे।

स्थापना से पूर्व दुर्गा प्रतिमा की निकाली पालकी

दुर्गा मां की पालकी निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, ककराला

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन नगर के देवालयों में शिव भोले विराजमान किए गए। शिव कुटीर, बालाजी दरवार, शिव मंदिरों मे भक्तों की भीड़ रही। भक्तों नें पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। मां दुर्गा की पालकी निकाली गई।

नवरात्रि के प्रथम दिवस घर घर घट स्थापित कर मां शैलपुत्री की उपासना की गई। कस्बे के वार्ड संख्या 7 में माता रानी का भव्य पंडाल बनाया गया । प्रतिमा विराजित करने से पूर्व माता रानी की पालकी निकाली गई। माता की पालकी का नगर मे दर्शन हेतु भ्रमण कराया गया। अखंड ज्योति प्रज्वलित कर दरबार मे स्थापना की गई। दरबार मे नौ दिवस तक पूजन के साथ हवन और विशाल भंडारा कराया जाता है। इस अवसर पर आयोजक रामरतन कश्यप, रानू कश्यप, अनीस कश्यप, सुमित कश्यप, लाखन कश्यप, जितेंद्र असवाल, विजय कश्यप, धर्मेन्द्र असबाल, टिंकू आदि मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में छत से किया पथराव वीडियो वायरल

बदायूं, अमृत विचार : जमीन के विवाद को लेकर सहसवान क्षेत्र में पथराव का मामला सामने आया है। एक पक्ष ने छत से ईंट-पत्थर बरसाए। शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामला सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव सादपुर का है। गांव निवासी जयवीर सिंह ने पुलिस से शिकायत करके बताया कि गांव निवासी चार लोग पुराने रास्ते पर जबरन नींव भरकर गेट लगा रहे थे। जिसका मामला कोर्ट में विचाराधीन है। जिसकी वजह से वह लोग रंजिश मानते हैं। सोमवार सुबह उन लोगों ने अपने घर की छत से उनपर पथराव किया। बताया जा रहा है कि आरोपी भाजपा का स्थानीय पदाधिकारी है। पथराव का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव धूमधाम से शुरू

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : नगर के मुख्य बाजार में लगने वाले ऐतिहासिक श्री रामलीला महोत्सव का सोमवार को प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। उद्घाटन उपरांत वृंदावन के कलाकारों द्वारा गणेश वंदना और आरती का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि द्वारा संपन्न कराया गया।

प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि श्राद्ध पक्ष में दान, माता-पिता की सेवा और गरीब, असहाय व लाचारों की मदद ही सच्चा धर्म है। भगवान श्री राम के चरित्र से प्रेरणा लेकर समाज को नई दिशा दी जा सकती है। मानव शरीर 84 लाख योनियों के उपरांत प्राप्त होता है, इसे व्यर्थ न गंवाकर सेवा, संस्कार और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। रामलीला समिति के अनुसार 21 से 28 सितंबर तक रामलीला का मंचन नगर के मुख्य बाजार में प्रतिदिन होगा। इसके बाद 29 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मेला ग्राउंड में स्थानांतरित होगा, जहां 12 दिन तक भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। मंच का संचालन महामंत्री अतुल गुप्ता ने किया जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र कुमार लीडर ने की। इस अवसर पर गिरीश उपाध्याय, मेला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष विनोद शंखधार, सभासद मुकेश गुप्ता, पप्पू दादा, राजवीर सिंह, विनोद शास्त्री, यशपाल सिंह, सूर्य वैश्य, दयाशंकर गुप्ता, कृष्ण कुमार मिश्रा, मुनीश, ललित, सुशील पाठक, कमल गुप्ता, नरेश पंडित समेत नगर और क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मेला बनेगा आकर्षण का केंद्र

इस ऐतिहासिक मेले में हर रोज हजारों लोग शामिल होते हैं। मेले में झूले, सर्कस, खेल-तमाशे और तरह-तरह के मनोरंजन के साधन देखने को मिलते हैं। खास आकर्षण दंगल प्रतियोगिता होती है, जिसमें दिल्ली, जयपुर, अलीगढ़, राजस्थान, हरियाणा सहित कई राज्यों के नामचीन पहलवान अपनी ताकत और दांव-पेंच का प्रदर्शन करते हैं।

मेले का आरंभ करतीं प्रभारी मंत्री गुलाब देवी। ● अमृत विचार

10वां आयुर्वेद दिवस आज, होंगे जागरुकता कार्यक्रम

बदायूं, अमृत विचार : मंगलवार को होने वाले 10वें आयुर्वेद दिवस के लिए शासन के निर्देश पर डीएम की अध्यक्षता में 13 सदस्यीय समिति गठित की गई है। मंगलवार को 10 वां आयुर्वेद दिवस आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का अनुमोदन डीएम के द्वारा किया गया है। आयुर्वेद के सभी 26 अस्पतालों में महिला स्वास्थ्य पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के तहत आधुनिक जीवनशैली, द्वारा उत्पन्न होने वाले विभिन्न रोगों की रोकथाम में आयुर्वेद की भूमिका, वृद्धावस्था देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका आदि पर जन सामान्य को जागरूक किया जाएगा। साथ ही समस्त राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों पर आयुर्वेद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिविर में 900 लोगों की जांच कर दी दवा

मरीजों को देखते डॉक्टर। ● अमृत विचार

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को विशेषज्ञ चिकित्सक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक राजीव कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। शिविर में 900 मरीजों की जांच कर दवाएं दी गई। 650 नए मरीज व 250 पुराने मरीज देखे गए।

विधायक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि मोदी एवं योगी की सरकार में देश व प्रदेश निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। 2047 तक प्रदेश को विकसित राज्य बनाया जाएगा। शिविर में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रितेश भसीन, डॉ. नेत्र सर्जन डॉ. पीयूष ,सर्जन डॉ. एसएम कमल, डॉ. कुमार विशु, ईएनटी डॉ चक्रेश, गायनी डॉ. पूजा, दंत चिकित्सक डॉ. होरेश दिनकर, डॉ. एसपी सिंह ने मरीजों की जांच कर दवा दी। नगर पालिका चेयरमैन नैना गुप्ता के पति अनूप गुप्ता, विजय कुमार सिंह, अंशुलसागर आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने कराया सुरक्षा का एहसास

कादरचौक, अमृत विचार : सोमवार को नवरात्र के प्रथम दिन कादरचौक क्राइम इंस्पेक्टर ओरेन्द्र पाल सिंह ने पुलिसकर्मियों के साथ नगर क्षेत्र में पैट्रोलिंग की। लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। माता रानी मंदिर के निकट साफ सफाई व्यवस्था को देखा। बाहरी वाहनों की चेकिंग की गई मंदिरों में पुजारियों से वार्ता कर साफ-सफाई के दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने कादरचौक उसहैत व अन्य कस्बों में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होने का संदेश दिया। पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट लगाने पर जोर दिया। कार चालकों से सीट बेल्ट बांधने की बात कही।

देवस्थान की ओर दरवाजा खोला, एसडीएम ने कराया बंद

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपने मकान का दरवाजा देवस्थान की ओर खोल लिया। दूसरे समुदाय के लोगों ने विरोध करके एसडीएम सदर और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने देवस्थान की ओर का दरवाजा बंद करा दिया। गांव में पीएसी तैनात की गई है।

बिनावर थाना क्षेत्र के गांव पलिया झंडा निवासी नवाब सिंह के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसका दरवाजा देवस्थान की ओर था। जिससे नाराज ग्रामीणों ने पुलिस से शिकायत की। आरोप लगाया कि देवस्थान की ओर गेट लगाकर जमीन को घेरा जा रहा है। देवस्थान की जगह पर कुंआ बना हुआ है। जहां हिंदू समाज के लोगों की शादी होती है। महिलाएं वह मांगलिक कार्य करती हैं। पुलिस गांव पहुंची और दोनों पक्ष को समझाकर शांत करा दिया। ग्रामीणों ने एसडीएम सदर से भी शिकायत की। एसडीएम सदर ने राजस्व विभाग की टीम को मौका मुआयना करने का निर्देश दिया। जिसके बाद नवाब की ओर से देवस्थान की ओर लगाया गया दरवाजा बंद करा दिया गया। पुलिस ने दोनों पक्ष के 54 लोगों का मुचलका पाबंद किया है। एसडीएम सदर मोहित कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर राजस्व विभाग की टीम को भेजा गया था। दरवाजा बंद कराया गया है। गांव में शांति है।

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
• बरेली का एकमात्र PET CT
• पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
• सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, • रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, • डे केयर कीमो थेरेपी, • इम्यूनोथेरेपी • कैंसर आईसीयू, • फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री • मैमोग्राफी, • कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, • टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल • इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
• प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
• मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइन: 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर
परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-
दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900
पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीणों ने दिया धरना

बदायूं, अमृत विचार : तहसील बिसौली क्षेत्र के गांव बगरैन के ग्रामीण अपने बच्चों के साथ तहसील परिसर में जाकर बैठ गए और धरना दिया। एसडीएम बिसौली ने ग्रामीणों से बात की। ग्रामीणों ने कहा कि उनके गांव के दबंग लोग जमीन की नपाई सही से नहीं होने दे रहे हैं। एसडीएम बिसौली राशि कृष्णा ने तहसीलदार को जांच करके कार्रवाई करने को निर्देशित किया।

बाइक चालक पर केस

बरखेड़ा, अमृत विचार : बरेली के थाना क्योलड़िया क्षेत्र के गांव नौगवां भगवंतपुर के मूल व हाल निवासी अवध नगर कॉलोनी के इंद्रजीत वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसके पिता नत्थूलाल 21 सितंबर को पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर भैंसहा ग्वालपुर मोड़ के पास अपने परिचित तेजराम से मिलकर घर के बाहर निकले थे। तभी एक अन्य परिचित ने बरखेड़ा छोड़ने के लिए बाइक पर बैठा रहे थे। इस दौरान लापरवाही से आ बाइक लेकर आ रहे चालक ने टक्कर मार दी। जिसमें पिता गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

महिला से किया दुष्कर्म

माधोटांडा अमृत विचार : पति की गैर मौजूदगी में घर पर आने वाले पड़ोस के युवक पर महिला ने गंभीर आरोप लगाया है। आरोप है युवक ने महिला को खाने में नशीला पदार्थ दे दिया, इसके बाद उससे दुष्कर्म किया। इस दौरान आपत्तिजनक फोटो खींचकर वायरल कर दिए, पीड़िता ने रिपोर्ट कराई।

सोशल मीडिया पर टिप्पणी को लेकर हंगामा

एक पक्ष ने पैगंबर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाकर किया तोड़फोड़ का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाते हुए भीड़ ने महिला चिकित्सक के घर को घेर लिया और सिर तन से जुदा करने के नारे लगाए। तोड़फोड़ का प्रयास किया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दोनों पक्ष को थाने पर बुलाया। दोनों समुदाय के लोगों में कहासुनी हुई। पुलिस ने दोनों पक्ष को समझाकर मामला शांत कराया। एक युवक की तहरीर पर टिप्पणी करने वाले बरेली के कस्बा आंवला निवासी युवक पर रिपोर्ट दर्ज की। महिला चिकित्सक ने ग्राम प्रधान पति समेत 70 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। कस्बा में पुलिस बल तैनात किया गया है।

मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव बगरैन का है। कस्बा में डॉ. शाजिया क्लीनिक चलाती हैं। यहां आंवला निवासी अनिल सिंह

शिकायत करने थाना वजीरगंज पहुंचे गांव बगरैन के लोग। ● अमृत विचार

नौकरी करते हैं। वह हिंदू संगठन से भी जुड़े हैं। वह सोमवार को डॉ. शाजिया के घर पर पहुंचे थे और क्लीनिक के काम को लेकर बात कर रहे थे। इस दौरान मुस्लिम समाज की भीड़ ने पैगंबर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए डॉ. शाजिया के घर को घेर लिया। सिर तन से जुदा करने के नाले लगाते हुए मारपीट और तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। काफी देर तक प्रदर्शन करते रहे। तकरीबन एक घंटे तक स्थिति नियंत्रण से बाहर दिखी। भीड़ ने कहा कि अनिल सिंह के टिप्पणी करने से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। चिकित्सक की सूचना पर चौकी इंचार्ज डॉ. प्रवीण कुमार कस्बा पहुंचे। उन्होंने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी बात मानने को तैयार नहीं था। स्थिति अनियंत्रित देखकर उन्होंने अधिकारियों को सूचना दी। सीओ बिसौली सुनील कुमार कस्बा पहुंचे। भीड़ में ज्यादातर लोग भाग गए। इसके बाद दोपहर में हिंदू संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पुलिस चौकी पहुंच गए। अनिल पर झूठा आरोप लगाकर जानलेवा हमले के प्रयास का आरोप लगाया। चिकित्सक ने आरोपियों पर माहौल बिगाड़ने, बलवा, मारपीट, तोड़फोड़ करने, मारपीट आदि का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

आंवला के अनिल पर दर्ज की एफआईआर

बदायूं, अमृत विचार : बरेली शरीफ के आला हजरत वेलफेयर ट्रस्ट के लोगों ने वजीरगंज पुलिस को तहरीर दी। बताया कि वह लोग वजीरगंज क्षेत्र के गांव बगरैन निवासी हैं। बरेली के आंवला निवासी अनिल सिंह राठौर बगरैन में क्लीनिक पर काम करते हैं। अनिल सिंह ने सोमवार सुबह लगभग 6 बजे सोशल मीडिया पर इस्लाम धर्म के पैगंबर को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की। गांव निवासी शमशाद अली ने दरगाह आला हजरत के मौलाना अब्दुल्लाह रजा कादरी से अवगत कराया। मौलाना ने बदायूं एसएसपी से बात की। अनिल सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और आईटी एक्ट के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की है। शिकायत करने वालों में मोबीन, अशर्फी अली, अरमान, फिरोज, सलमान, जुबैर, मोनिश, कैफ खान, ऐसन खान, मुबारिक, मोहिन रजा, अनीस अली, तालिब, केसर, शाहजबाज, आरिफ, मुबारिक रहे। शेख आलीशान ने बताया कि पैगंबर की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं होगी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आक्रोशित लोग लौट गए।

रैली निकालकर नशाखोरी के खिलाफ किया जागरूक

नशाखोरी के खिलाफ जागरुकता रैली निकालते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, ककराला

अमृत विचार : अलापुर क्षेत्र के कस्बा ककराला की अमन कमेटी ने क्षेत्र में नशाखोरी व शादी में फिजूलखर्ची रोकने के लिए पहल शुरू की है। सोमवार को जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। लोगों को विस्तार से अवगत कराया गया।

अलीगढ़ से आए अजरो सवाब फाउंडेशन ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष हकीम मौलाना अफरोज ने नशा मुक्ति व समाज की बुराइयों के खिलाफ तकरीर पेश की। कहा कि क्षेत्र के नौजवान नशाखोरी में बर्बाद हो रहे हैं। नशे से हमेशा दूर रहना चाहिए। इस मौके पर मौलाना मोहम्मद मिनहाज कासमी, फरहत, हाफिज मोहम्मद रिजवान, मौलाना रफाकत सकलैनी, मौलाना सिद्दीक, आतिफ, मौलाना आजम, अफरोज कासमी, नदीम सकलैनी, शम्सुल हसन, खालिद महमूद, साजिद, सुमित अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, जुबैर रहमानी, अब्दुल वाहिद आदि शामिल रहे।

पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार, भेजा जेल

तिलहर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर थाना क्षेत्र के गांव धनकपुर निवासी कल्यान ने मकान गांव के बाहर खेत पर बना रखा था। उसके पुत्र गांव में बने में रहते है। शनिवार शाम कल्यान और उसकी पत्नी शांति (65) पुत्र के घर से खाना खाकर अपने मकान पर आ गए थे। रात में दोनों में विवाद हो गया और उसने पत्नी को मारा पीटा। वह जान बचाकर बेटे का पास जा रही थी। उसने पत्नी को खेत में पकड़ लिया और सिर में उसके डंडा मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को बिरियागंज जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया।

बाइक और कार की भिंड़त, दो लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार : सोमवार शाम वजीरगंज-बिल्सी मार्ग स्थित गांव बांस बरौलिया के पास बाइक और कार की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव हथरा निवासी मनु और गांव नसीरपुर गेसू निवासी अक्तन सहसवान से गांव हथरा थाना वजीरगंज को अपनी बाइक से जा रहे थे। जैसे उनकी बाइक क्षेत्र के गांव बांस बरौलिया के पास पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। जिसमें मन्नू और अक्तन गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने घायलों को बिल्सी सरकारी अस्पताल पहुंचाया है। प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कम होने लगा पानी, जल्द राहत मिलने की उम्मीद

- नरौरा से एक लाख क्यूसेक से नीचे आया पानी
- कटान तेज, रामगंगा और महावा नदी का घटता जलस्तर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पहाड़ो पर बारिश धीमी होते ही हरिद्वार बैराज में भी पानी कम हो रहा है। जिससे बिजनौर और नरौरा बैराज में पानी कम छोड़ा जा रहा है। पानी कम होने से तटवर्ती इलाकों में जल्द स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जागी है। हालांकि बाढ़ खंड स्थिति पर नज़र बनाए हुए है।

सोमवार को करीब एक सप्ताह के बाद नरौरा बैराज से पानी कम छोड़ा गया। आज मात्र 86 हजार क्यूसेक पानी गंगा नदी में डिस्चार्ज किया गया है। पानी कम आने से कछला गंगा और रामगंगा का जलस्तर भी खतरे के निशान से नीचे आ गया है। जिससे लोगों ने कुछ राहत की सांस ली है। बाढ़ ग्रस्त गांव प्रेमी नगला में पानी कम होने लगा है। गांव में अभी भी पानी भरा हुआ है। लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए प्रशासन ने पहले ही गांव खाली करा

जटा गांव के निकट वह रही गंगा। ● अमृत विचार

दिए थे। जबकि कुछ लोग गांव में डटे रहे। गंगा का जलस्तर कम होने के बाद स्थिति में जल्द सुधार होने की उम्मीद की जा रही है। असमिया रफतपुर में कटान तेज हो रहा है। गांव की उपजाऊ जमीन कटने से किसान परेशान हैं। पानी में डूबी सड़कें भी दिखने लगी हैं। पिछले चौबीस घंटे से पानी कम होना शुरू हुआ है जो काफी नीचे उतर चुका है। नरौरा से पानी कम होते ही कछला गंगा का जलस्तर काफी तेजी से नीचे आ रहा है। सोमवार को गंगा का जलस्तर 161, 99 मीटर गेज मापा गया। इतना नीचे पानी काफी दिनो बाद देखने को मिला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक इतना कम पानी नहीं हुआ था।

> नरौरा से सोमवार को काफी कम पानी डिस्चार्ज किया गया है। जल्द ही कुछ और पानी कम होने की उम्मीद है। संभावना है कि अगले दो दिन में जलस्तर में और गिरावट आएगी। फिर भी सतर्कता बरती जा रही है।
> – नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

लेकिन पिछले चौबीस घंटे के दौरान गंगा का जलस्तर कम हुआ है।

महावा नदी में भी कम हुआ पानी सहसवान की महावा नदी का पानी भी कम हो रहा है। अब तक बांध के बराबर से वह रही नदी का पानी सोमवार को करीब एक फुट नीचे आ गया। जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। उम्मीद जतायी जा रही है कि अगले कुछ दिनो बाद स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। खागी नगला और वीरसहाय नगला के लोग अपने गांव को लौटने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब पानी और कम होगा।

भाकियू ने सदर तहसील में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन असली गैर राजनीतिक ने सोमवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सदर तहसील में धरना प्रदर्शन किया। मांगों को जल्द स्वीकार करने को प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

भाकियू असली के जिला अध्यक्ष केपीएस राठौर ने कहा कि जिले में पंजाब एंड सिंध बैंक किसानों के क्रेडिट कार्ड पर एक साल में दो बार ब्याज ले रहा है। जो गलत है। बैंक द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। इसे तुरंत रोका जाए। कहा कि रिजर्व बैंक आफ इंडिया की गाइडलाइन के हिसाब से पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आदि साल में किसान क्रेडिट कार्ड पर एक बार ही ब्याज लेती है। पंजाब एंड सिंध बैंक की शिकायत पिछले साल 23 फरवरी को की गयी थी फिर भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। किसानों को लूटा जा रहा है। इस पर शीघ्र

पदाधिकारियों के साथ अधिकारी को ज्ञापन देते किसान नेता केपीएस राठौर।

- ज्ञापन देकर जल्द समस्याओं का निस्तारण करने की मांग

कार्यवाही की जाए। अगर एक महीने के अंदर कोई करवाई नहीं होती है तो भारतीय किसान यूनियन पंजाब एंड सिंध बैंक का घेराव कर उग्र आंदोलन करेगी। जिला सचिव सूरज पाल सिंह ने कहा कि जनपद में किसानों को डीएपी और एनपीके खाद की किल्लत है। कहीं भी किसानों को न डीएपी मिल पा रही है न ही एनपीके किसान परेशान हैं। समस्याओं का जल्द निस्तारण किया जाए। भाकियू ने उक्त मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सूरज पाल सिंह, हरीश सिंह पटेल, जस्वीर सिंह, वकील साहब प्रताप सिंह, सरवेंद्र सिंह, विपिन माहेश्वरी, राजेश पटेल, कलेक्टर सिंह यादव, यामिनी हरवंस पटेल महेश पाल, अशोक कुमार सिंह, सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

संस्थागत परीक्षार्थियों के आवेदन की बढ़ी तिथि

- 27 सितंबर तक होगा शुल्क जमा, लापरवाही पर प्रधानाचार्य होंगे जिम्मेदार
- 1 से 4 अक्टूबर तक ऑनलाइन अपलोड के बाद आवेदनों की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद ने संस्थागत हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के छात्रों को राहत प्रदान करते हुए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। छात्र, छात्राएं 27 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। स्कूलों को 30 सितंबर तक विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरण परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे। 1 से 4 अक्टूबर तक उनकी जांच होगी। बोर्ड से बढ़ाई गई तिथि से डीआईओएस ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को दी है।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षा वर्ष 2026 में कक्षा 10 और 12वीं के विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा शुल्क की आवेदन तिथि को बढ़ाया है। विद्यार्थी 27 सितंबर तक परीक्षा शुल्क एकमुश्त

> हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के आवेदन की तिथि 27 सितंबर तक माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा बढ़ा दी गई है। संशोधित तिथि से सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य और संचालकों को अवगत करा दिया गया है।
> – लालजी यादव, डीआईओएस

चालान के माध्यम से कोषागार में प्रधानाचार्य द्वारा जमा करा सकेंगे। डीआईओएस ने बताया कि 30 सितंबर तक स्कूल प्रधानाचार्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरण और जमा शुल्क की रसीद के साथ परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। 5 से 8 अक्टूबर के बाद संशोधन हो सकेगा।

निरीक्षण में 131 चिकित्सक और कर्मचारी अनुपस्थित

- जिला अधिकारी ने एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : डीएम ने पिछले दिनों जिले के स्वास्थ्य विभाग का औचक निरीक्षण कराया, जो विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने किया। निरीक्षण की रिपोर्ट में 131 चिकित्सक व कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए थे। डीएम ने इन सभी का एक दिन का वेतन और मानदेय काटने के निर्देश ने दिए हैं।

सोमवार को डीएम अवनीश राय ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा 31 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में तीन सितम्बर को प्रातः 9 बजे जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय एवं समस्त सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण विभिन्न मजिस्ट्रेट व अधिकारियों द्वारा करवाया। निरीक्षण में कुल 131 चिकित्सक व कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सभी अनुपस्थित कर्मचारियों संविदा कर्मियों का एक दिन का वेतन व मानदेय काटते हुए सितम्बर का वेतन आहरित कराने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने बताया कि 3 सितम्बर को कराए गए निरीक्षण में 131 चिकित्सक व कर्मचारी अनुपस्थित मिले थे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
एन.एच. 30, बंथरा शाहजहांपुर 7521001988, 7521001989
SWASTH NARI SASHAKT PARIVAR ABHIYAAN
17th September to 2nd October 2025

Prime Minister Narendra Modi

निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर
बाहय रोगी विभाग
प्रधानमंत्री द्वारा आरंभित ''स्वस्थ्य नारी-सशक्त परिवार अभियान'' जिसका उद्घाटन 17 सितम्बर को वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर में किया गया। यह अभियान 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित जाँचे महिलाओं के लिए निःशुल्क की जायेंगी...
- CBC (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Blood Sugar (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Urine (Albumin, Sugar, Microscopy) (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- डिजिटल एक्स-रे रुपये 100/- मात्र
विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार किया जायेगा।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 20 सितम्बर 2025 से प्रारंभ
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये
डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों की सामान्य जाचें मुफ्त
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों का खाना मुफ्त
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त
भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-
भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर
70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।
(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)
परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307
मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

REQUIRED
EX SERVICE MAN
@ BAUTHA
(NEERAJ KUMAR)
INTERESTED CANDITATE CONTACT AT TOLL PLAZA
Mob.No. 6392115525

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम विद्यालय में भूलवश ललित गंगवार अंकित हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम ललित कुमार है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी उसका नाम ललित कुमार ही अंकित है। **सुरेश चन्द्र पुत्र जीवन लाल निवासी डंडिया नजमुल निशा तह. नवाबगंज जिला बरेली।**

NOTICE
This is to be notify that the name of my son is wrongly recorded in School Record as Lalit Gangwar whereas his real name is Lalit Kumar. His name Lalit Kumar is recorded in Aadhar Card and other documents. **Suresh Chandra S/o Jeevan Lal R/o Dandia Najmul Nisha Teh Nawabganj Distt. Bareilly.**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा सही नाम PRIYANSHI है, न कि PRIYANSI कृपया मेरे पिताजी की सेना संबंधी दस्तावेज में सुधार करें। प्रियांशी पुत्री NK Chander Singh, आर्मी नंबर 4188096F, यूनिट DSC, **निवासी:- बंगला नंबर 26, सर्पेन्टाइन रोड, सदर कैंट, बरेली।**

सूचना
हमने अपने पुत्र अभिषेक गुप्ता व उसकी पत्नी अंजली को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का हमसे व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **दिनेश चन्द्र पुत्र राधेश्याम व राजबाला पत्नी दिनेश चन्द्र निवासी रफियाबाद, कलान जलालाबाद, जिला शाहजहांपुर**

सूचना
मैंने अपने पुत्र आकाश वर्मा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **राजकुमार पुत्र श्री राम निवासी सहीदपुर ग्राम पंचायत काना खेडा परगना कस्ता तहसील मितौली खीरी**

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पंजाब को 1000 क्विंटल बीज भेजेगी यूपी सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार पंजाब सरकार को 1000 क्विंटल बीज भेजेगी। इसके लिए पंजाब सरकार से उनकी आवश्यकता भी पूछी गयी है। दरअसल, पंजाब में आई बाढ़ के कारण वहां किसानों का घर में रखा बीज बर्बाद हो गया है। उनके सामने बीज की किल्लत हो गई है। उप्र. के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने पत्रकारों को बताया कि पंजाब में बाढ़ के कारण किसानों को बहुत नुकसान हुआ है। इस संबंध में पंजाब सरकार से बात की गई थी। उन्होंने बीज की आवश्यकता बताई। पंजाब सरकार से पूछा गया है कि उन्हें किस जिले में गेहूं, सरसों, दलहन या किस बीज की आवश्यकता है। पंजाब सरकार जो बीज की डिमांड करेगी, वह बीज उप्र. सरकार उस जिले में पहुंचा देगी।

दूसरी काउंसिलिंग में शामिल होंगे 55 डॉक्टर

अमृत विचार, लखनऊ : नीट पीजी 2025 की दूसरी काउंसिलिंग में प्रांतीय चिकित्सा सेवा के 55 डॉक्टर शामिल होंगे, इनमें से 19 डॉक्टर एमडी-एमएस में दाखिले के लिए प्रतिभाग करेंगे, 36 डॉक्टर डीएनबी में भाग्य अजमाएंगे। नीट पीजी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्वास्थ्य विभाग के एमबीबीएस डॉक्टरों की स्वास्थ्य महानिदेशक द्वारा भेजी गयी दूसरी सूची को चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने वेबसाइट पर जारी कर दी है। मालूम हो कि पहली काउंसिलिंग में पीएमएस के 139 डॉक्टरों ने एमडी-एमएस में और 173 डॉक्टरों ने विभिन्न विषयों की डीएनबी सीटों पर दाखिले के लिए काउंसिलिंग में प्रतिभाग किया था।

सात स्टॉलों पर लगेंगे जीआई कृषि उत्पाद

अमृत विचार, लखनऊ : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने वाले 'उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो' में 20 जीआई पंजीकृत कृषि एवं प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। अब कृषि विदेश एवं व्यापार निदेशालय जीआई गैलरी में सात स्टॉल लगाएगा। आयोजन में पांच निर्यातक और दो एफपीओ अपने जीआई टैग से पंजीकृत उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। उत्पादों की आकर्षक पैकिंग समेत अन्य तैयारी की जा रही है। पहले छह स्टॉल आवंटित हुए थे, लेकिन उत्पादों की संख्या अधिक होने की वजह से एक स्टॉल बढ़ाया गया है। स्टॉल में इलाहाबादी सुर्खा अमरूद, मलिहाबादी दशहरी आम, बासमती चावल, कालानमक चावल, रतौल आम, महोबा देसावरी पान, प्रतापगढ़ आंवाला, हाथरस हींग, आदमचीनी चावल, बनारस लंगड़ा आम, रामनगर भाटा, मुज्जफनगर गुड़, बनारस पान (पत्ता), बुंदेलखंड कठिया गेहूं, बनारस लाल भरवा मिर्च, वाराणसी का चिरईगांव करोंदा, बनारस लाल पेड़ा, बनारस तिरंगी बर्फी, जौनपुर इमरती, बनारस ठंडई की निर्यात के लिए ब्रांडिंग की जाएगी।

किंजल सिंह ने पदभार किया ग्रहण

अमृत विचार, लखनऊ : परिवहन आयुक्त किंजल सिंह (आईएएस) ने सोमवार को परिवहन आयुक्त कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों संग बैठक कर निर्देश दिए कि अपने कार्य दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए सरकार की मंशानुरूप पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। परिवहन आयुक्त ने विभागीय कार्यों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति संबंधी जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि कार्य के प्रति शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। सभी अधिकारी एवं कार्मिक समय से कार्यालय में उपस्थित रहे।

खुर्जा सुपर थर्मल पावर शुरू मिलेगी 65 प्रतिशत बिजली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने की वर्चुअल शुरुआत

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना की द्वितीय इकाई (660 मेगावाट) का संचालन शुरू हो गया है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और उप्र. सरकार के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस परियोजना की सोमवार को वर्चुअल शुरुआत की। इस परियोजना के उत्पादन में से 65 प्रतिशत बिजली उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जिससे राज्य में न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध होगी, बल्कि उद्योगों को भी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसके चलते प्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना की यह इकाई उत्तर प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को लाभ होगा और औद्योगिक निवेश को और मजबूती मिलेगी।

200 नगर पालिका परिषदों में संपत्तियों का होगा जीआईएस सर्वेक्षण

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अमृत 2.0 की 15वीं राज्य स्तरीय उच्चाधिकार संचालन समिति की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैठक में 3850 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 37 परियोजनाओं को स्वीकृति

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में 200 नगर पालिका परिषदों में जीआईएस तकनीक का उपयोग करके, प्रत्येक संपत्ति की सटीक सीमाएं और क्षेत्रफल को डिजिटल मानचित्रों पर दर्ज किया जाएगा। इससे राज्य सरकार संपत्ति के आकार और उपयोग के आधार पर करों का सटीक आकलन कर सकेगी।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में अमृत 2.0 की 15वीं राज्य स्तरीय उच्चाधिकार संचालन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस सर्वेक्षण से संपत्ति कर के दायरे और संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे नगर निकायों की वित्तीय आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। सर्वेक्षण में मौजूदा संपत्तियों की पहचान, नई संपत्तियों का समावेश और अपूर्ण डेटा को अपडेट किया जाएगा।

बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद मुख्य सचिव द्वारा कुल 37 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया गया, जिनमें 26 पेयजल, सात सीवर, री-यूज, एक पार्क एवं ग्रीन स्पेस और तीन सरोवर परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत सेन्टेज सहित 385036.70 लाख रुपये (लगभग 3850 करोड़ रुपये) है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा पौधे लगाने एवं उनकी उत्तर-जीविता सुनिश्चित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। इन महिलाओं द्वारा पौधों की नियमित सिंचाई, निराई, कीटनाशक एवं उर्वरक का छिड़काव किया जाएगा। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद, प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनिल कुमार, सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला व अनुज झा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद रहे।

सोमवार को प्रभार संभालने के बाद बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

मुख्य सचिव ने फिर संभाली कुर्सी

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल ने सवा महीने के अवकाश के बाद नवरात्र के पहले दिन से पुनः कार्यभार संभाल लिया है। सोमवार को वह अपने कार्यालय में बैठे। स्वास्थ्य कारणों के चलते वह अवकाश पर चल रहे थे। फिलहाल उनके पास किसी विभाग का प्रभार नहीं होगा। एसपी गोयल की छुट्टी के दौरान उनके सारे विभाग कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार को सौंप दिए गए हैं।

जीएसटी सुधार पीएम मोदी का उपहार : योगी

मुख्यमंत्री गोरखपुर में व्यापारियों और ग्राहकों से मिले, दुकानों पर खुद चस्पा किया जीएसटी सुधार का स्टीकर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर की गलियों में पैदल चलकर व्यापारियों और ग्राहकों से मुलाकात की और उन्हें जीएसटी सुधारों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली का बड़ा उपहार दिया है। जीएसटी की दरें घटने से न केवल उपभोक्ता की जेब को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापार भी फलेगा-फूलेगा और नए रोजगार के अवसर बनेंगे। इस दौरान लोग घटी जीएसटी-बढ़ा व्यापार, धन्यवाद मोदी सरकार के नारे लगा रहे थे।

मुख्यमंत्री ने झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर मार्ग तक पदयात्रा की। इस दौरान वे कई प्रतिष्ठानों पर गए और कारोबारियों से संवाद किया। स्टाइल बाजार में उन्होंने खुद स्टीकर चस्पा कर अभियान की शुरुआत की। दुकानदारों से उन्होंने कहा कि जीएसटी में कमी का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ही असली धन्यवाद होगा। व्यापारियों से संवाद करने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शारदीय नवरात्र के पहले दिन पीएम मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी की घटी दरें पूरे देश में लागू कर दी गई हैं। जीएसटी में यह अब तक सबसे बड़ा रिफॉर्म है।

जीएसटी एक लाभ अनेक : मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी एक है, लेकिन इसके लाभ अनेक हैं। जीएसटी रिफॉर्म अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। क्रयशक्ति बढ़ने से आम ग्राहक उल्लास और उमंग से पर्व-त्योहार मनाएगा। बाजार में मजबूती आने से खपत और उत्पादन बढ़ने का सकारात्मक असर रोजगार पर पड़ेगा। उन्होंने व्यापक जनहित में जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोरखपुर में जीएसटी रिफार्म को लेकर व्यापारियों से मिलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

दीपक के परिजनों को योगी ने दिया पांच लाख का चेक

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में पशु तस्करों के हमले में मारे गए दीपक गुप्ता के परिजनों से मिलकर न केवल उनकी पीड़ा पर संवेदना का मरहम लगाया। उन्होंने 5 लाख रुपये का चेक देकर आश्वस्त किया कि घटना में शामिल बदमाशों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के साथ कठोर सजा दिलाई जाएगी।

यूरिया एमआरपी से अधिक पर बेची तो होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 जिलों के होलसेलरों व कंपनियों के प्रतिनिधियों से कृषि मंत्री ने की वार्ता

अमृत विचार : कृषि मंत्री ने चेतावनी दी है कि यूरिया व अन्य उर्वरकों की बिक्री केवल केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ही की जाए। इससे अधिक मूल्य वसूलने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि यह न केवल लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है बल्कि किसानों के हितों के विपरीत भी है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि निदेशालय, लखनऊ में महत्वपूर्ण बैठकें कर उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति की समीक्षा की। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को दिए गए आपूर्ति लक्ष्य समय से पूरे कराए जाएं और प्राथमिकता के आधार पर वितरण व्यवस्था को गति दी जाए।

इसके बाद कृषि मंत्री ने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, अयोध्या, कानपुर नगर व कानपुर देहात जनपदों के होलसेलरों और उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मंत्री शाही ने बैठक में एक-एक कर होलसेलरों से वार्ता की और उनकी समस्याओं को सुना। कई बिंदुओं का समाधान बैठक में ही अधिकारियों के माध्यम से कराया गया। उन्होंने संबंधित जिलों के कृषि अधिकारियों से भी फीडबैक लिया और वितरण व्यवस्था पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने निर्देश दिया कि कंपनियां समयबद्ध तरीके से किसानों तक उर्वरक पहुंचाएं।

जनता दर्शन में सुनीं 250 लोगों की समस्याएं, अफसरों को दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों की समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जनकल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता दें। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही।

शारदीय नवरात्र के पहले दिन गोरक्षपीठ में अनुष्ठान की शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शुरू किया गोरक्षपीठ में नवरात्र का विशेष अनुष्ठान

अमृत विचार, लखनऊ : शारदीय नवरात्र के पहले दिन गोरक्षपीठ में मां जगतजननी की उपासना के विशेष अनुष्ठान की शुरुआत गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पीठ की परंपरा के अनुसार हुआ। सोमवार सायंकाल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्तिपीठ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर प्रथम दिन मां शैलपुत्री की विधि विधान से पूजा अर्चना की। शारदीय नवरात्र प्रतिपदा का अनुष्ठान मां जगतजननी की आराधना, देवी पाठ, आरती और क्षमा प्रार्थना के साथ पूर्ण हुआ। कलश स्थापना के पूर्व गोरखनाथ मंदिर परिसर में भव्य कलश शोभायात्रा पारंपरिक तरीके और श्रद्धाभाव से निकाली गई।

विकसित यूपी के लिए मिले चार लाख सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए चलाए जा रहे समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान को जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है। अब तक करीब चार लाख सुझाव सरकार तक पहुंचे हैं, जिनमें से तीन लाख से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों से और लगभग एक लाख शहरी क्षेत्रों से आए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर सर्वाधिक राय मिली है।

अभियान में सबसे अधिक भागीदारी 31 से 60 वर्ष आयु वर्ग की रही है, लेकिन युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रियता भी खास दिखी। प्रदेश के हर जिले से सुझाव आ रहे हैं, खासकर प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, बस्ती और जौनपुर जैसे इलाकों से। कुछ महत्वपूर्ण सुझावों में देवरिया की शिशिरा प्रजापति का ग्रामीण क्षेत्रों में एआई व रोबोटिक्स की पढ़ाई शुरू करने का विचार शामिल है। आगरा के ललित वर्मा ने निजी स्कूलों की मनमानी रोकने और पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की मांग की।

10 लाख दीपों से रोशन होंगे काशी के अर्धचंद्राकार घाट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने में जुटी योगी सरकार

अमृत विचार : देव दीपावली पर दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचंद्राकार घाटों की अलौकिक व अद्भुत छटा दिखाई देगी। योगी सरकार इसे भव्य बनाने की तैयारियों में जुट गई है। प्रांतीय मेला के रूप में घोषित देव दीपावली 5 नवंबर को मनाई जाएगी। घाटों को 10 लाख से अधिक दीपों से रोशन किये जाने की योजना है। इनमें से करीब एक लाख दीप गाय के गोबर से बने होंगे।

देव दीपावली के अनुपम दृश्य को देखने बड़ी संख्या में देशी और विदेशी मेहमान काशी आते हैं। देव दीपावली पर लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी भी होगी। संयुक्त निदेशक (पर्यटन) दिनेश कुमार ने बताया कि 10.10 लाख दीपों से गंगा के घाट रोशन किये जाएंगे।

एक नवंबर तक होगा गंगा महोत्सव : पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि देव दीपावली से पहले 1 से 4 नवंबर तक राजघाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम गंगा महोत्सव का आयोजन होगा। इसके अलावा चेत सिंह घाट पर लेज़र शो के माध्यम से काशी से जुड़ी धार्मिक कथाएं दिखाई जाएंगी।

29,334 शिक्षकों की भर्ती लटकाए हैं सात बीएसए

अमृत विचार, लखनऊ : बेसिक शिक्षा विभाग के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 29 हजार 334 गणित विज्ञान शिक्षकों की होने वाली भर्ती मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी भर्तियां नहीं हो रही हैं। सात जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारी अड़ंगा बने हुए हैं, उन्होंने मांगे जाने के बाद भी रिक्त पदों का ब्यौरा नहीं भेजा है, जिसकी वजह से पूरी भर्ती प्रक्रिया अटकी है। वर्ष 2013 में शुरू हुई शिक्षकों की भर्ती मामले में अभ्यर्थियों को उच्च न्यायालय से बीते 29 जनवरी 2025 को राहत मिली, निर्णय अभ्यर्थियों के पक्ष में नियुक्ति देने का आया। जिसके लिए 19 जुलाई को शासन द्वारा महानिदेशक स्कूल शिक्षा को नियुक्ति के निर्देश दिए। जिसके बाद सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों से रिक्त पदों का विवरण मांगा गया। लेकिन 7 जिलों गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, जौनपुर, झांसी, ललितपुर और बलिया के बेसिक शिक्षा अधिकारियों ने अभी तक अपने जनपद की रिक्त पदों का विवरण नहीं दिया।

61 साल बाद यूपी को मिली जम्बूरी की मेजबानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ में होगी आयोजित
- प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन, देश विदेश के हजारों युवा लेंगे हिस्सा
- एडवेंचर, स्पोर्ट्स, विज्ञान और सांस्कृतिक आयोजनों का होगा संगम

अमृत विचार : 61 साल बाद यूपी को फिर से राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी का गौरव मिलने जा रहा है। भारत स्काउट एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी 23 से 29 नवंबर तक राजधानी लखनऊ के वृंदावन योजना क्षेत्र में आयोजित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 नवंबर को इसका उद्घाटन करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेजबानी करेंगे। इसके लिए 35 हजार प्रतिभागियों की सुविधा वाली एक विशाल गेटेड टेंट सिटी बसाई जाएगी।

29 सितंबर को भूमि पूजन कार्यक्रम होगा, जिसमें योगी सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। भारत में पहली बार जम्बूरी का आयोजन 1953 में हैदराबाद में हुआ था। उसके बाद से अब तक 18 राष्ट्रीय जम्बूरी हो चुकी हैं। इससे पहले 1964 में प्रयागराज ने चौथे राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी की थी। इस बार 32 हजार से अधिक देश-विदेश के युवा इसमें भाग लेंगे। जम्बूरी केवल एक शिविर नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मनिर्भरता और टीमवर्क की पाठशाला है। यहां एडवेंचर, खेल, विज्ञान और सांस्कृतिक आयोजनों का संगम होगा।

प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं जम्बूरी का हिस्सा : जम्बूरी का प्रधानमंत्री मोदी से भी गहरा रिश्ता है। 2009 में जब स्काउटिंग के 100 वर्ष पूरे हुए थे, उस वक्त अहमदाबाद में आयोजित जम्बूरी में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भाग लिया था। अब बतौर प्रधानमंत्री, वे देशभर के 32 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय जम्बूरी नई पीढ़ी को नेतृत्व, जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्व सिखाने का एक मंच है।

क्या होगा खास

- 32,000 से अधिक देश-विदेश के प्रतिभागी
- 35,000 क्षमता वाली भव्य गेटेड टेंट सिटी
- एडवेंचर कैंपिंग, स्पोर्ट्स और साइंस प्रदर्शनी
- सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम
- नेतृत्व, अनुशासन व आत्मनिर्भरता की सीख
- पीएम मोदी और सीएम योगी की मौजूदगी
- डिजिटल टेक्नोलॉजी और ग्लोबल इंटरैक्शन के सत्र

अभियान | लाखों बालिकाएं नुक्कड़ नाटक, रैलियां और संवाद कार्यक्रमों से फैला रहीं जागरूकता

आत्मनिर्भरता को नई उड़ान दे रहा मिशन शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई उड़ान देने के लिए मिशन शक्ति 5.0 अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेशभर के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों (केजीबीवी) में लाखों बालिकाओं ने नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ और संवाद कार्यक्रमों के जरिए समाज को जागरूक किया।

21 से 30 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान में बालिकाओं को प्रशासन, बैंकिंग, स्वास्थ्य और आत्मरक्षा की जानकारी दी जा रही है। केवल सोमवार को ही 45 हजार से अधिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, 48 हजार से अधिक स्थानों पर रैलियाँ और 1,61,000 से अधिक बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर 3.45 लाख से अधिक बालिकाएं, 2.56 लाख बालक, 45 हजार शिक्षक और 1.25 लाख अभिभावक शामिल हुए।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्रत्येक बालिका को सशक्त और समाज का नेतृत्व करने योग्य बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। वहीं महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 हर बालिका की प्रतिभा और आत्मविश्वास को निखारने का माध्यम है। यह अभियान बेटियों को नेतृत्व, सुरक्षा और अधिकारों के साथ भविष्य गढ़ने की दिशा में प्रेरित कर रहा है।

मिशन शक्ति-5.0 की खास गतिविधियां

- 23 सितंबर : छात्राएं बनेंगी 'एक दिन की अधिकारी'
- 24 सितंबर : मीना दिवस और 'निडर' फिल्म प्रदर्शन
- 25 सितंबर : केजीबीवी बालिकाओं का बैंक भ्रमण
- 26 सितंबर : आत्मरक्षा प्रशिक्षण व सेल्फ डिफेंस क्लब गठन
- 27 सितंबर : थाना-कोतवाली भ्रमण, एफआईआर और साइबर क्राइम जानकारी
- 28 सितंबर : बाल विवाह और महिला योजनाओं पर नाटक
- 29 सितंबर : बालिकाओं को उनके अधिकार और योजनाओं की जानकारी
- 30 सितंबर : अस्पताल भ्रमण, स्वास्थ्य जांच और परामर्श

127 राजनीतिक दलों को नोटिस

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव में खर्च का ब्योरा न देने के कारण राज्य निर्वाचन आयोग ने आजाद समाज पार्टी सहित राज्य के 127 राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदेश के 127 राजनीतिक दलों ने 2021-22, 2022-23 और 2023-24 का वार्षिक ब्योरा पेश नहीं किया है। वहीं, इन दलों ने 2019 के बाद लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव में प्रतिभाग किया पर अपने खर्च का ब्योरा नहीं दिया। ऐसे में इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

निजी अस्पतालों के दलालों के खिलाफ जांच फाइलों में अटकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंडल स्तर पर अपर निदेशक की जांच टीम हर माह भेज रही रिपोर्ट

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल हो या केजीएमयू का ट्रामा सेंटर व लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की इमरजेंसी, सभी के सामने 24 घंटे कई निजी एंबुलेंस खड़ी रहती हैं। मरीजों को निजी अस्पतालों तक पहुंचाने का कार्य भी किया जा रहा है। जबकि इन्हें हटाने के लिए अपर निदेशक द्वारा आरोपित डॉक्टर, निजी अस्पताल और दलालों पर कार्रवाई करने की संस्तुति हर माह की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराने वाले दलालों पर रोक लगाने संबन्धी आदेश बीते पांच माह से केवल फाइलों में चल रहा है। जबकि हर मंडल से अपर निदेशक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा प्रत्येक माह 25 तारीख को रिपोर्ट स्वास्थ्य महानिदेशक को भेजी जाती है। अपर निदेशकों का कहना है कि जांच रिपोर्ट में संदिग्ध आरोपित अस्पताल और पता आदि का विवरण देते हुए कार्रवाई की संस्तुति भी की जाती है।

क्या है निर्देश : तत्कालीन प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने निर्देश दिए थे कि मंडल स्तर से आने वाली रिपोर्ट्स पर अपेक्षित टिप्पणी करते हुए शासन को भेज दिया जाता है। अभी तक ऐसा कोई मामला नहीं आया है जिस पर दंडात्मक कार्रवाई होनी हो।

-डॉ. रतन पाल सिंह सुमन
स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

ऐसे अस्पतालों को चिन्हित करने के लिए सभी मंडलों में जांच कमेटी गठित की जाए। यह टीम सरकारी अस्पतालों से रेफर होने वाले मरीजों और निजी अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों का निरीक्षण करेंगी। संबन्धित रिपोर्ट पर शासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

पांच हजार की रिश्वत ले रहा था बेसिक का लेखाकार, गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ट्रैप टीम ने दबोचा, टीम ने राशि बरामद कर दर्ज कराई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ट्रैप टीम ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय में तैनात लेखाकार को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। लेखाकार को चयन वेतनमान निर्धारण के एवज में रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

सोमवार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद इकाई के निरीक्षक एवं ट्रैप टीम प्रभारी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। टीम ने सुबह 11:58 बजे कार्यालय वित्त एवं लेखाधिकारी, बेसिक शिक्षा विभाग दांग स्कूल परिसर, कचहरी में छापा मारकर लेखाकार देवीदीन कनौजिया को 5 हजारर रुपये रिश्वत लेते पकड़ लिया। शिकायतकर्ता सर्वराज सिंह निवासी ग्राम सहसपुरी थाना ठाकुरद्वारा ने आरोप लगाया था कि सेवा के 10 वर्ष पूरे होने पर चयन वेतनमान निर्धारण और उसे वेतन में लगाने के बदले आरोपी लेखाकार ने रिश्वत मांगी थी। टीम ने मौके से रिश्वत की राशि बरामद कर ली। साथ ही शिकायतकर्ता का प्रार्थना पत्र, प्री-ट्रैप जांच आख्या, बयान, दस्तावेज और आरोपी व शिकायतकर्ता के बीच हुई वार्ता की ऑडियो रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के रूप में संकलित किया गया है। बताया गया कि आरोपी देवीदीन कनौजिया की नियुक्ति 5 नवंबर 1973 को हुई थी और वह वर्तमान में बेसिक शिक्षा विभाग दांग स्कूल परिसर में लेखाकार पद पर तैनात था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा नागफनी थाने में दर्ज की गई।

सहायक अध्यापक से चयनित वेतनमान लगाने के नाम पर मांगे थे रुपये

वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यालय में तैनात लिपिक देवीदीन जिसे एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया उसने चयनित वेतनमान लगाने के नाम पर ठाकुरद्वारा ब्लॉक के आदर्श जूनियर विद्यालय भायपुर में तैनात शिक्षक से पांच हजार रुपये मांगे थे। 22 सितंबर को पैसे देने की बात तय हुई थी। रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद विभाग में सन्नाटा छा गया। सोमवार को वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय में कर्मचारी के रिश्वत लेते पकड़े जाने पर हड़कंप मच गया। देवीदीन ने ठाकुरद्वारा ब्लॉक के आदर्श जूनियर विद्यालय में सहायक पद पर तैनात सरवराज सिंह से चयन वेतनमान लगाने के नाम पर 5 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। उच्चाधिकारियों से बताने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने के बाद मजबूर होकर शिक्षक ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया था। जिसके बाद टीम ने योजना बनाते हुए सोमवार को जाल बिछाकर आरोपी को सहायक अध्यापक से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर अर्पित की गई पुष्पांजलि

शाहजहांपुर, अमृत विचार: श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह समिति की ओर से अग्रसेन भवन में सोमवार को महाराजा अग्रसेन को श्रद्धा के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत समिति अध्यक्ष अशोक अग्रवाल विद्या और संरक्षक श्री रामचंद्र सिंघल ने महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद महिला समिति की अध्यक्ष डॉ. संजीत अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल सहित अन्य महिला मंडल सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन किया।

समिति के सदस्य अमित गर्ग, गोपाल राम अग्रवाल, रवि अग्रवाल, दिव्यम गर्ग सहित कई अन्य पदाधिकारियों ने महाराज जी को भोग अर्पित किया।

न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बहेड़ी बरेली वाद सं. टी20231213050353 2 धारा 38(1) उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 आराजी ग्राम नदेली परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली।

गाटा सं. 214/1 रकबा 1.090 हे. व गाटा सं. 214/2 रकबा 0.2140 हे. व 214/3 रकबा 0.506 हे. पर स्थित ग्राम नदेली परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली।

सुखलाल पुत्र छेदालाल निवासी ग्राम सिंसई परगना कावर तहसील बहेड़ी जिला बरेली (वादी) बनाम

1. मिढई लाल पुत्र सुन्दर लाल 2. सोमवती पत्नी मिढई लाल 3. नसरीन पत्नी मिढई लाल 4. नत्थो देवी पत्नी काली चरन समस्त निवासीगण ग्राम नदेली परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली। 5. राखी शर्मा पत्नी सोमपाल निवासी ग्राम नदेली परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली। 6. मुनीश कुमार पुत्र सहदेव निवासी राईबादा परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली। 7. मंगल सेन पुत्र बुद्धसेन 8. चन्द्र पाल पुत्र बुद्धसेन 9. जमुना प्रसाद पुत्र बुद्धसेन 10. दयाशंकर पुत्र बुद्धसेन 11. राकेश कुमार पुत्र बुद्धसेन 12. जगदीश सरन पुत्र बुद्धसेन समस्त निवासीगण पचपेड़ा परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली। 13. गांव सभा ग्राम नदेली परगना रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली द्वारा प्रधान। उत्तर प्रदेश की राजस्व संहिता की धारा 116 के अंतर्गत आपको सूचित किया जाता है कि उक्त वाद सुखलाल पुत्र छेदालाल निवासी ग्राम सिंसई परगना कावर तहसील बहेड़ी जिला बरेली (वादी) द्वारा योजित किया गया है। यदि आपको इस वाद पत्र के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में में दिनांक 23.09.2025 को प्रात: 10 बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना लिखित कथन प्रस्तुत करपें। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको इस सम्बंध में कुछ नहीं कहना है और तदानुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सम्मन वास्त प्रकाशन मेरे न्यायालय से आज दिनांक 21.8.25 को हस्ताक्षरित एवं मुद्रित करके जारी किया गया।

उपजिलाधिकारी (न्यायिक)
बहेड़ी जिला बरेली।

वाद के निर्णय हेतु सम्मन (आदेश 5 नियम 1 व 5 दीवानी प्रक्रिया संहिता सन ई.) अपरउपजिलाधिकारी सदर बरेली धारा 134 उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006

श्रीमती शान्ती देवी आयु लगभग 47 वर्ष पत्नी हरीश कुमार निवासिनी ग्राम धौराटांडा वार्ड न० 3 परगना तहसील व जिला बरेली। ....वादिनी बनाम 1.श्रीमती नूरजहाँ आयु लगभग 65 वर्ष पत्नी अकील अहमद 2.अकील आयु लगभग 66 वर्ष पुत्र छिद्दा समस्त निवासीगण ग्राम धौराटांडा वार्ड न० 6 परगना तहसील व जिला बरेली। 3.नगर पंचायत ग्राम धौराटांडा परगना तहसील व जिला बरेली। 4.उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बरेली जिला बरेली।.....प्रतिवादीगण तारीख पेशी 24/09/25 स्पष्ट हो कि आपके नाम याचिका दायर की गई है अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनाँक 24/09/2025 को निर्देशित स्थान पर स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा उस अधिवक्ता के माध्यम से जो वाद की स्थिति से पूर्ण रूप से भिज्ञ हो एवं वाद से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रकरण की बाबत आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर सके या जिसके साथ कोई और व्यक्ति हो जो इस निमित्त प्रश्नो का उत्तर दे सके, उपस्थित हो और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करो और प्रत्येक स्थिति में वही दिनाँक को आपके उपस्थित होने के लिए निर्धारित की गई है एवं वाद के अन्तिम निर्णय हेतु भी प्रस्तावित है, आपके लिए अनिवार्य है कि उस दिन अपने समस्त गवाहों को जिनकी गवाही एवं उन समस्त दस्तावेजों के साथ जिन पर आप अपने प्रत्युत्तर के समर्थन में अभिवाक करना चाहते है उसी दिन प्रस्तुत करे। और आपको सूचित किया जाता है कि यदि दिनाँक को आप उपस्थित न होंगे तो आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवाई और उस पर निर्णय कर दिया जाएगा। मेरे व्यक्तिगत हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के साथ आज **दिनाँक 20/09/2025** को जारी किया गया।

असिस्टेंट कलेक्टर प्रथम द्वितीय अपर उप जिलाधिकारी (सदर) बरेली

भड़काऊ पोस्ट करने पर रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली पोस्ट डालने पर सुर्खा चौधरी तालाब निवासी सलीम रजा ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि उनके बेटे रिहान घोसी को इंस्टाग्राम पर श्यामपाल नामक व्यक्ति ने इस्लाम धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट भेजी। इससे मुस्लिम समाज की आस्था को ठेस पहुंची है। उसने 21 सितंबर को फोन कर न सिर्फ गालियां दीं बल्कि अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया।

शारदीय नवरात्र पर अखंड जप समूह साधना शुरू

शाहजहांपुर, अमृत विचार: गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा में शारदीय नवरात्र अखंड जप समूह साधना सोमवार से प्रारंभ कर दी गई, जो एक अक्टूबर तक चलेगी। प्रथम दिवस अखंड जप प्रातः 7 बजे प्रारंभ हो गया, जो 1 अक्टूबर प्रातः 7 बजे तक अनवरत जारी रहेगा।

इसके बाद पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार, प्रसाद वितरण और कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा । पहले दिन कलश, अखण्ड दीप स्थापना के साथ अखंड जप पूजन ट्रस्टी जय सिंह यादव ने सपत्नीक किया। पूजन बादशाह शर्मा ने कराया। कार्यक्रम में यज्ञ हवन मंजू और सविता ने संपन्न कराया । इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा के मुख्य प्रबंध ट्रष्टी राजा राम मौर्य ने कहा कि नवरात्रि साधना का पर्व है सभी परिजन समूह साधना में भाग लें। जिला समन्वयक सूरज वर्मा ने कहा कि युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने नवरात्रि की साधना पर विशेष बल दिया है । इस काल में साधना से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है । उन्होंने कहा साधना का समय और भी गायत्री परिजनों के लिए महत्वपूर्ण है कि परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीपक की जन्म शताब्दी 2026 में है। माता भगवती देवी शर्मा की 99वीं जयंती पर 12 घंटे की समूह साधना के बाद रक्तदान महायज्ञ होगा।

संभल दंगों पर बनने वाली फिल्म का नाम होगा 'रलिव गलिव चलिव'

ठिलूपुरा में दंगा पीड़ित परिवार से मिलते अमित जानी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: उदयपुर फाइल्स के निर्माता अमित जानी ने संभल के साम्प्रदायिक दंगों को लेकर बनने वाली फिल्म का नाम 'रलिव गलिव चलिव' तय किया है। यह नारा कत्लेआम के समय कश्मीर में दिया गया था। इस नारे का मतलब था-इस्लाम कबूलो या कश्मीर छोड़ो या मर जाओ।

अमित जानी दूसरे दिन अपनी टीम के कुछ लोगों के साथ ठिलूपुरा गांव में 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों से मिले और उनसे उन हालातों के बारे में जानकारी ली। इस परिवार के एक व्यक्ति व उसकी पत्नी को मुरारी लाल की फड़ में जिंदा जला दिया गया था। अमित जानी ने बताया कि फिल्म में 1973, 1976 और 1978 के दौरान संभल में घटित दंगों तथा उनके सामाजिक-राजनीतिक प्रभावों को उठारया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाए मामूली नहीं थीं। इसमें स्थानीय सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों और जनसंख्या के बदलते स्वरूप को भी फिल्म का विषय बनाया जाएगा। निर्माता ने कहा कि फिल्म में उन घटनाओं, आरोपों और अनुभवों को दिखाने का प्रयत्न होगा जिनका आज तक सार्वजनिक रिकॉर्ड सीमित रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में कल्कि धाम पीठ के संघर्ष और स्थानीय घटनाओं के बाद आये प्रशासनिक और राजनीतिक परिवर्तनों को भी दिखाया जाएगा।

उदयपुर फाइल्स जैसी पिछली परियोजनाओं का हवाला देते हुए अमित जानी ने कहा कि वह संवेदनशील विषयों को सिनेमा के माध्यम से दिखाने की कोशिश करते रहे हैं। पत्रकारों के सवालों के जवाब में जानी ने कहा कि फिल्म का दृष्टिकोण घटनाक्रमों का प्रस्तुतीकरण होगा।

समाज को बांटने वाली फिल्मों का करते रहेंगे विरोध: बर्क

संभल, अमृत विचार : संभल के साम्प्रदायिक दंगों को लेकर निर्माता अमित जानी द्वारा फिल्म बनाने का एलान किये जाने पर सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि वह पहले भी समाज को भड़काने वाली फिल्मों का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करेंगे। सांसद ने कहा कि किसी भी फिल्म से अगर देश या समाज में बवाल खड़ा होता है तो उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसी फिल्मों का निर्माण ही न हो, जो समाज को बांटने का काम करती हों। उन्होंने सुझाव दिया कि फिल्म निर्माताओं को देश के विकास और संभल की सच्चाई जैसे मुद्दों पर फिल्में बनानी चाहिए। कहा कि अगर दम है तो सच्चाई पर फिल्म बनाओ। ऐसी फिल्में बनाओ जो देश और समाज को जोड़ें न कि बांटें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, पीलीभीत

पत्रांक: 1312न.पा.परि.पी./2025-26 **निविदा सूचना** दिनांक: 22.09.2025

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है पालिका द्वारा राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फंड के अन्तर्गत निम्न कार्य की सीलबंद निविदा दिनांक 30.09.2025 को समय 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दिनांक 30.09.2025 समय 11:00 खोली जायेगी। इच्छुक फर्म / ठेकेदार दिनांक 29.09.2025 को समय 03:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद पीलीभीत से निविदा प्रपत्र क्रय कर सकते हैं।

क्र.	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि जी.एस.टी. सहित	ठेकेदार की श्रेणी	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर में विभिन्न मार्गो रेलवे स्टेशन रोड, शेरों वाली मठिया रोड, बस स्टैंड के पास, इस्लाम नगर मठिया, जयसंतरी मन्दिर रोड आदि स्थानों पर प्रीमिक्स (विटुमन) द्वारा सड़क मरम्मत कार्य।	431000.00	A,B,C,D	2%	435/-	10 दिन

1. निविदा के साथ 2 प्रतिशत जमानत धनराशि एन.एस.सी./एफ.डी.आर. के रूप में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद पीलीभीत के नाम बन्धक कराकर निविदा के साथ लगाना अनिवार्य होगा शेष 8 प्रतिशत निविदा स्वीकृति उपरान्त अनुबंध गठन के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा खुलने की तिथि में यदि अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। नियम एवं शर्तें पालिका के निर्माण विभाग में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी **अध्यक्ष**
नगर पालिका परिषद, पीलीभीत **नगर पालिका परिषद, पीलीभीत**

नई डिजाइन को मंजूरी अब बजट का इंतजार

बरेली, अमृत विचार : फरीदपुर के खल्लपुर में रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल के निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। इस पुल के रिवाइज 162 करोड़ रुपये के एस्टीमेट की मंजूरी मिल गई है। अब लोक निर्माण विभाग बजट की प्रतीक्षा कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर माह में बजट मिलने की संभावना है। इसके बाद पुल की एप्रोच रोड का निर्माण कार्य पूरा किया जा सकेगा।

कार्यालय नगर पंचायत बिशारतगंज (बरेली)

पत्रांक : 175/न.पं.बि./2025-26 दिनांक : 22.09.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत अनुभवी गैर सरकारी संगठनों (NGO)/ट्रेनिंग पार्टनर/कूड़ा प्रबन्धन में अनुभवी फर्मो को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या पी.एम.यू./386/560/2025 लखनऊ दिनांक 12.09.2025 के अनुपालन में नगर पंचायत बिशारतगंज को गार्बेज फ्री सिटी बनाये जाने हेतु डोर-टू-डोर कूड़े के पृथक्करण (सोर्स सेग्रीगेशन) कार्य किये जाने के लिये क्षमता संवर्धन एवं जनसहयोग के माध्यम से वृहद स्तर पर जन जागरूकता अभियान आगामी 03 माह के लिये चलाया जाना है, जिसके अन्तर्गत संवाद, प्रेरणात्मक कार्यक्रम (नुक्कड़ नाटक) क्षमता संवर्धन, जन सहयोग इत्यादि के माध्यम से जन साधारण में अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु व्यवहारात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन करते हुये स्वच्छता सम्बन्धी आदतों का विकास किया जा सके।

उक्त सन्दर्भ में पंजीकृत/अनुभवी गैरसरकारी संगठन (NGO)/ट्रेनिंग पार्टनर/कूड़ा प्रबन्धन में अनुभवी फर्मे अपने वित्तीय प्रस्ताव दिनांक 29.09.2025 को समय 10:00 बजे से 04:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में नगर पंचायत बिशारतगंज बरेली में जमा कर सकते हैं। इससे सम्बन्धित समस्त नियम व शर्तें कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी **अध्यक्ष**
नगर पंचायत बिशारतगंज, बरेली। **नगर पंचायत बिशारतगंज, बरेली।**

त्यौहारों पर बाजारों की रौनक बरकरार रखने को व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सीओ ट्रैफिक को ज्ञापन सौंपते उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी।

अमृत विचार : उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से सोमवार को महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सीओ ट्रैफिक संजय कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने त्यौहारों को देखते हुए यह मांग रखी कि बाजारों के बाहर खड़े ग्राहकों के वाहनों के चालान न काटे जाएं। इस अवसर पर आरआई मुकेश कुमार रावत और ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर विनय कुमार पांडेय भी मौजूद रहे।

महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने कहा नवरात्र से लेकर दीवाली तक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्राहक बाजारों में खरीदारी करने आते हैं। ऐसे में दुकानों के बाहर अधिक संख्या में वाहन खड़े रहते हैं। यदि चालान काटने की कार्रवाई होती है तो ग्राहकों में भय का माहौल रहेगा और बाजार की रौनक प्रभावित होगी। अधिकारियों ने ज्ञापन पर विचार करते हुए आश्वासन दिया कि यदि वाहन नियमानुसार मार्ग पर बनी सफेद पट्टी के भीतर खड़े किए गए हैं तो उनके चालान नहीं काटे जाएंगे। जिला महामंत्री आकाश दीप गुप्ता ने कहा कि व्यापारी संगठन की ओर से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बाजारों में वाहन नियम के अनुसार ही खड़े किए जाएं और ट्रैफिक विभाग को पूर्ण सहयोग मिलेगा। युवा महानगर अध्यक्ष उवैस हसन खां ने प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि संगठन को हमेशा ही प्रशासन का सहयोग मिलता रहा है। मौके पर महानगर उपाध्यक्ष सुशील दीक्षित, पचराहा इकाई अध्यक्ष इकबाल खां, महानगर मंत्री रेहान मिर्ज़ा, विवेक सहगल, अशोक गुप्ता, शादान खान, खालिद खां, नमन दीप सिंह, मोइन खान, महेंद्र दुबे, यासिर हुसैन, विनीत अवस्थी, मुश्ताक अहमद, दिनेश कुमार राजा सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 1470/स्वी.अनु./धा.ख./सी.एम.आर. परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक : 22.09.2025

ई-टेण्डर नोटिस (सी.एम.आर. परिवहन)

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत इस कार्यालय के पत्रांक 1164/स्वी.अनु./धा.ख./सी.एम.आर.परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक 12.08.2025 के द्वारा बरेली सम्भाग में गत वर्ष में कार्यरत राइस मिलों के आधार पर सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की गयी थी। उक्त आमंत्रित ई-निविदा में कतिपय राईस मिलों पर विचारणीय निविदायें प्राप्त न होने के कारण एवं खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत नई राईस मिल सत्यापित होने के कारण कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख.-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29-4-2025/1831/ 2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022 शासनादेश सं -571/29-4-2023/4013 (099)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29-4-2023-355/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.09.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त के आलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूँ, पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध होने वाली राइस मिलों से भारतीय खाद्य निगम के निर्धारित डिपो तक सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निविदायें जनपदवार मिलवार प्राप्त की जायेगी। राइस मिलों की ई-निविदा हेतु गतवर्ष में कार्यरत राइस मिलें सम्मिलित की गयी है, वर्तमान सत्र में राइस मिलों का सत्यापन प्रक्रियाधीन है। सत्यापन उपरांत राइस मिलों की सूची में मिलों की संख्या घट व बढ़ सकती है। वर्तमान प्रकाशित ई-टेण्डर वर्तमान वर्ष में राइस मिलों के सत्यापन एवं पंजीयन के अधीन होंगे। निविदा समिति द्वारा उन्हीं राइस मिलों की ई-निविदा पर विचार किया जायेगा जिन राइस मिलों की सूची सत्यापन एवं पंजीयन उपरांत जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय द्वारा इस कार्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी।

गत वर्ष में कार्यरत राइस मिलों के आधार पर एवं वर्तमान में सत्यापित एवं सत्यापन के अधीन नवीन राईस मिलों पर संलग्न सूची के अनुसार जनपद बरेली में 10 जनपद बदायूँ में 04 जनपद पीलीभीत में 04 एवं जनपद शाहजहाँपुर में 27 कुल 45 राइस मिलों पर सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु जनपदवार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदादाता/फर्म द्वारा प्रत्येक राईस मिल के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक राइस मिल हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90 (जी.एस.टी.)=590/- तथा प्रत्येक निविदा के साथ सी.एम.आर. परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/- सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 29.09.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई-निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें अर्ह निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार किया जायेगा तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक,
बरेली सम्भाग, बरेली।

कार्यालय ग्रा.पं. भवानीपुर नगला विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 22-09-2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत भवानीपुर नगला विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 25.09.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	मेट के घर से शब्बन के घर तक सी सी निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	विभिन्न स्थानों पर गाटर जाल निर्माण निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
3.	अंकित के घर से रामवीर के घर तक सीसी निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
4.	गौशाला में टीन सैट निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
5.	असगर के घर से मेहंदी के घर तक सीसी निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
6.	नसरुद्दीन के घर से यासीन के घर तक सीसी निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
7.	हेडपंप रिवोर हेड पंप मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव **प्रधान**

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015,
ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com,
शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम - शान्तनु प्रताप सिंह-9918837339, सीआरएम-दीपक कुमार शर्मा - 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से ''कर्जदार'' कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार / गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001448 श्री अदनान उद्दीन और श्री नाहिद जी, दोनों: 746 रोहिली टोला, बरेली, शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत - 243005	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 1649142 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	मकान नं. 776 (पुराना नं. 563 / 489) मौजा मोहल्ला रोहली टोला, तहसील-सदर, जिला-बरेली, यूपी
2	UP/SHA/SHPR/A000000142, श्री अजय कुमार मैथिल, श्री राजेश, दोनों: ग्राम नवदिया ओरीलाल, पोस्ट खांडेपुर, ग्रामीण, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश, भारत - 242405	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 1169882 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	ग्राम- ओरी लाल, परगना- खुटार, तहसील - पुवायां, जिला- शाहजहाँपुर
3	UP/LKN/BRLY/A000001755 श्री अंकित शर्मा और श्री अवनीश कुमार, दोनों, वार्ड नं. 4 कुन्दनपुर,, गौटिया बरखेरा कलां बरखेरा काटा पीलीभीत, शहरी, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, भारत - 262203	10-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 1022258 दिनांक 09.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खेत 102 ग्राम-भोपतपुर, तहसील - बीसलपुर, जिला-पीलीभीत, उ.प्र

दिनांक : 22-09-2025, स्थान : बरेली प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

शादी का झांसा देकर साढ़े तीन लाख ठगे

बरेली, अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की मैट्रिमोनियल एप के जरिए एक युवक से मुलाकात हुई। युवक ने पहले प्यार और शादी का सपना दिखा कर जाल में फंसाया और साढ़े तीन लाख रुपये ठग लिए। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। युवती के मुताबिक आनंद प्रकाश से उनकी मुलाकात जीवनसाथी डॉट कॉम एप पर हुई। आरोपी ने खुद को कृष्णा नगर, लखनऊ का रहने वाला बताया।

महाविद्यालय में भ्रष्टाचार की जांच को पहुंची कमेटी

संवाददाता, पुवायां

- डीएम ने दिए थे प्राचार्य समेत ठेकेदार को जेल भेजने के निर्देश

अमृत विचार: महाविद्यालय में अवैध तरीके से काटे गए पेड़ों और अन्य भ्रष्टाचार के मामले में चार सदस्यीय जांच टीम ने कॉलेज पहुंचकर साक्ष्य जुटाए, हालांकि इस बीच पुलिस, कॉलेज प्रबंधन व जांच टीम को पेड़ काटने में शामिल कालेज स्टॉफ का नाम पता न लग पाना स्वयं में बड़ा सवाल है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाले गन्ना किसान डिग्री कॉलेज में दो माह पूर्व अवैध तरीके से कई पेड़ों का कटान किया गया था। जिसमें शिकायत होने पर एसडीएम की ओर से कराई गई प्राथमिक जांच रिपोर्ट में लकड़ी ठेकेदार समेत महाविद्यालय के दो स्टॉफ की संलिप्तता पाई गई थी। जिसके बाद भी कॉलेज प्रबंधन की ओर से इस मामले में बिना तहरीर दिए महज एसडीएम की जांच रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिलाधिकारी ने स्वयं सीओ को दोषियों को जेल भेजने का निर्देश दिया था। जिसके लगभग 25 दिन बाद पुलिस ने अपना पक्ष बचाते हुए ठेकेदार को जेल भेज दिया, लेकिन कॉलेज के दो स्टॉफ जिनका एसडीएम रिपोर्ट में जिक्र था उनका नाम भी पता नहीं चल सका। सोमवार को डीएम के निर्देश पर उच्च शिक्षा के नोडल अधिकारी राजकुमार सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति महाविद्यालय पहुंची, महाविद्यालय में फैले भ्रष्टाचार के साक्ष्य एकत्र किए।

आरोप है टीम भी महज ठेकेदार को ही दोषी मानते हुए अपनी जांच एक पक्षीय कर रही है। जिस मामले में राजस्व तीन ने पहले ही दिन ठेकेदार के नाम सहित कॉलेज के दो स्टाफ की संलिप्तता सिद्ध कर दी। इस मामले में पुलिस, कॉलेज प्रबंधन व जांच टीम को स्टॉफ का नाम पता करने में इतना समय क्यों लग रहा है यह चर्चा का विषय है। जांच समिति रिपोर्ट जिलाधिकारी के सामने रखेगी जिसके बाद ही दोष सिद्ध होना संभव है।

अमृत विचार

मंगलवार, 23 सितंबर 2025

न अग्नि, न वायु, न जन्म, न ही मृत्यु हमारे अच्छे कर्मों को मिटा सकते हैं।
–महात्मा बुद्ध

फिलिस्तीन को मान्यता

फिलिस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा द्वारा मान्यता दिए जाने का निर्णय वैश्विक राजनीति में एक बड़ा और ऐतिहासिक मोड़ है। दशकों से जारी इस संघर्ष में यह कदम न केवल प्रतीकात्मक महत्व रखता है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की बदलती मानसिकता को भी दर्शाता है। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच चल रही हिंसा, खून-खराबे और मानवाधिकार संकट को देखते हुए यह मान्यता उस दिशा की ओर इशारा करती है, जहां समाधान केवल सैन्य शक्ति या दमन से नहीं बल्कि राजनीतिक इच्छा शक्ति और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण से खोजा जा सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे हमास को इनाम देने जैसा करार दिया है। उनका कहना है कि फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होने दी जाएगी।

यह सवाल उठता है कि क्या फिलिस्तीन को मान्यता देना वास्तव में शांति की गारंटी है? इसका उत्तर सरल नहीं है। फिलिस्तीनी राजनीति स्वयं विभाजित है, हमास और फतह के बीच सत्ता संघर्ष ने भी समाधान को जटिल बनाया है। इसके बावजूद यह मान्यता एक नैतिक और कूटनीतिक दबाव अवश्य बनाती है। जब विश्व की बड़ी शक्तियां फिलिस्तीनी राष्ट्र के पक्ष में खड़ी होंगी, तो इजराइल पर यह दबाव बनेगा कि वह केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं बल्कि कूटनीतिक रास्तों से भी सोचने को मजबूर हो। अमेरिका लंबे समय से इजराइल का प्रमुख सहयोगी रहा है और अभी भी इस मुद्दे पर उसका रुख निर्णायक माना जाता है, लेकिन ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे परंपरागत अमेरिकी सहयोगियों का फिलिस्तीन के समर्थन में खुलकर आना यह दिखाता है कि वैश्विक राजनीति में ध्रुवीकरण बदल रहा है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य की बहसों और प्रस्तावों पर गहरा असर डालेगा। गाजा पट्टी में हालिया हमलों में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत और तबाही ने अंतर्राष्ट्रीय जनमत को झकझोर दिया है। मानवीय संकट की तस्वीरें और बच्चों की मौतों ने विश्व समुदाय को यह सोचने पर मजबूर किया है कि यह संघर्ष कब तक चलेगा और इसके समाधान की दिशा क्या होगी? यही कारण है कि यूरोप और एशिया के कई देश अब फिलिस्तीनी राष्ट्र की मान्यता को शांति की बुनियादी शर्त मानने लगे हैं।

भारत जैसे देशों के लिए भी यह एक गंभीर विचार का विषय है। भारत ने पारंपरिक रूप से फिलिस्तीन का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही इजराइल के साथ रणनीतिक और सुरक्षा संबंध भी बनाए रखे हैं। मौजूदा परिस्थिति में भारत को संतुलित और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना होगा। मानवीय मूल्यों की रक्षा करना और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना ही सही रास्ता है। सच्चाई यह है कि फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष का हल किसी एक पक्ष की जीत या हार से नहीं निकल सकता। यह संघर्ष केवल तब थमेगा जब दोनों राष्ट्र अपने-अपने अस्तित्व को मान्यता देंगे और शांति, सहअस्तित्व तथा न्याय की नींव पर भविष्य का निर्माण करेंगे। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा का निर्णय इसी दिशा में पहला ठोस कदम है। विश्व समुदाय को अब यह समझना होगा कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता। न्यायपूर्ण और दीर्घकालिक शांति केवल संवाद, विश्वास और समान अधिकारों के आधार पर ही संभव है।

H-1B वीजा वैश्विक आईटी क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी

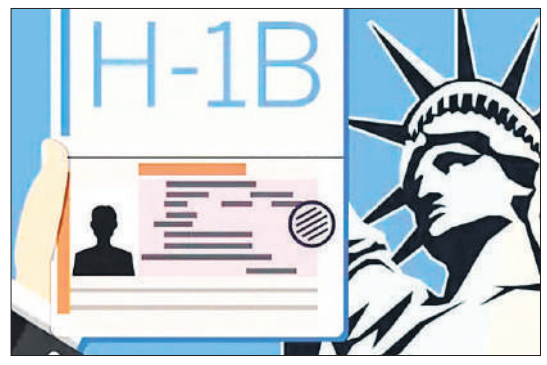

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

अमेरिका की हाल की घोषणा, प्रत्येक H-1B वीज़ा पर सालाना $100,000 का अतिरिक्त शुल्क, विश्वभर की टेक और आईटी सेवा कंपनियों के लिए तेज और चुनौतीपूर्ण वास्तविकता बनकर सामने आ गई है। यह कदम विशेषकर उन भारतीय आईटी-सॉफ्टवेयर फर्मों के लिए भी चिंता का विषय है, जिनकी ऑनशोर (यूएस-आधारिक) परियोजनाओं में H-1B प्रतिभाओं की अहम भूमिका रही है। सबसे पहले, लागत के तात्कालिक प्रभाव पर नजर डालते हैं। यदि प्रति H-1B वीज़ा पर $100,000 का नया शुल्क लागू हुआ और यह पहले से मौजूद अन्य अर्जित फीस के साथ जुड़ता है, तो एक ही वर्ष में एक कामगार की कुल कंपनी लागत दशकों पहले के स्तर से कहीं अधिक हो जाएगी। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी बाजार में भारतीय आईटी/कंसल्टिंग कंपनियों का बड़ा हिस्सा ऑनशोर डिलीवरी और क्लाइंट-साइट समर्थन पर निर्भर करता है। ऐसे मामलों में H-1B श्रमिकों की संख्या सैकड़ों से लेकर हजारों तक हो सकती है।

उदाहरण के लिए, एक शीर्ष भारतीय फर्म-TCS के पास 2025 के आंकड़ों के मुताबिक 5,505 स्वीकृत H-1B वीजा थे। सोचिए अगर एक फर्म के 5,000 कर्मचारियों पर यह शुल्क लागू हुआ तो वार्षिक अतिरिक्त बोझ $500 मिलियन यानी 4,000 करोड़ (लगभग) हो सकता है। यह गणना केवल फीस पर आधारित है। वर्क परमिट, यात्रा और अन्य अनुपूरक लागतें अलग से रहेंगी।

दूसरा मसला- लाभप्रति और मार्जिन पर असर। भारतीय आईटी कंपनियों की लाभप्रति का बड़ा हिस्सा मजदूरी-वितरण मॉडल पर टिका है। महंगे अमेरिकी कर्मचारी-घंटों को ऑफशोर टीमों से रिप्लेस करके कंपनियां मार्जिन बढ़ाती हैं। H-1B पर अचानक भारी शुल्क का मतलब है कि ऑनशोर संसाधन महंगे पड़ेंगे, जिससे परियोजना-बिडों में वृद्धि या मार्जिन में कटौती का दबाव बनेगा। कुछ बड़े खिलाड़ियों ने पहले ही अपनी ऑनशोर-डिपेंडेंसी घटा रखी है। पिछले वर्षों में शीर्ष सात भारतीय आईटी फर्मों के लिए H-1B पिटिशन अनुमोदन घटे हैं, परंतु छोटी और मिड-साइज कंपनियां, जिनकी ऑनशोर निर्भरता अभी भी अधिक है, वे सबसे अधिक प्रभावित होंगी। इससे EBIT मार्जिन पर प्रत्यक्ष दबाव आएगा और नेट-प्रॉफिट पर असर दिखेगा।

तीसरा- परियोजना प्रबंधन और आपूर्ति-श्रृंखला रणनीति में बदलाव। कंपनियों के पास कुछ वैकल्पिक रास्ते हैं- (1) ऑफशोर-सेंट्रिक डिलीवरी और क्लाइंट- इंटरफेस रिमोटली संभालना रिमोटली संभालना। इससे ऑनशोर H-1B की जरूरत कम होगी। (2) स्थानीय (US) हायरिंग बढ़ाना- पर अमेरिकी बाजार में स्थानीय वेतन स्तर भारतीय औसत से बहुत ऊपर है। (3) कॉन्ट्रैक्ट/सबकॉनट्रैक्ट मॉडल अपनाना- स्थानीय उपठेकेदारों से काम लेना। (4) ऑटोमेशन और रिप्लेसमेंट टेक्नोलॉजी— आरपीए, एआई सेवाओं से मनुष्यों पर निर्भरता घटाना। (5) वैकल्पिक वीजा मार्ग तथा कानूनी रणनीतियां। इन विकल्पों का प्रयोग पहले से कुछ बड़ी फर्म कर चुकी हैं, लेकिन हर विकल्प का अपना लागत-विन्यास और समय-घटक है। अर्थात शॉर्ट-टर्म में लागत बढ़ने की संभावना बनी रहेगी।

चौथा-शेयरधारक और निवेशक के नजरिये से क्या होगा? शॉर्ट-टर्मः बैलेंस शीट पर अतिरिक्त प्रावधान और अगले चार-आठ तिमाहियों में मार्जिन-संकुचन संभावित है। इससे तिमाही आय नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकती है और शेयर मूल्य दबाव में आ सकता है। मिड-टर्मः यदि कंपनियां सफलतापूर्वक अपने बिजनेस-मॉडल को ऑफशोर-हेवी बनाकर या उच्च-स्तरीय लोकल टैलेंट हायर करके लागत को नियंत्रित कर लें तो रिकवरी संभव है। लॉन्ग-टर्मः जो कंपनियां अब जोखिम-प्रबंधन, क्लाइंट-नेटवर्क-डाइवर्सिफिकेशन और ऑटोमेशन में निवेश करती हैं, वे अधिक टिकाऊ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बना सकती हैं। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि किस प्रकार की फर्म (बड़े एंटरप्राइज़ सर्विसेज बनाम निचले-मध्य का आउटसोर्सर) सबसे अधिक संवेदनशील है।

पांचवा-नीति-और कानूनी आयाम। व्हाइट हाउस के संबंधित निर्देशों में कहा गया है कि यह कदम H-1B के 'दुरुपयोग' को रोकने और अमेरिकी श्रम बाजार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है, साथ ही रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मौजूदा वीजा-धारकों पर यह नियम लागू नहीं होगा- पर नए प्रवेश या रिइंट्री के मामलों में प्रभावकारी होगा। कंपनियों को तुरंत अपनी इमीग्रेशन-रणनीति, कॅम्प्लायंस और क्लाइंट-कॉन्ट्रैक्ट्स के री-वॉर्डरिंग पर काम करना होगा और संभव है कि यह मामला पक्षकारों के बीच कानूनी लड़ाई में भी पहुंचे। निवेशक-समुदाय को इन कानूनी और नीतिगत जोखिमों को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेने चाहिए।

यह शुल्क केवल एक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं, यह वैश्विक आईटी-सर्कल में संरचनात्मक प्रभाव डालने वाला संकेत है। छोटे और मध्यम आउटसोर्सर्स को अल्पवधि में सबसे अधिक दर्द उठाना पड़ सकता है, जबकि बड़े खिलाड़ी अपनी डिलीवरी-मॉडल और रिसोर्स-मिक्स बदलकर नुकसान कम कर सकते हैं। शेयरधारक और निवेशक जो अल्पकालिक प्रदर्शन पर निर्भर हैं, उन्हें सतर्क रहना चाहिए। वहीं दीर्घकालिक निवेशक उन कंपनियों पर ध्यान दें जो ऑफशोर-कंपोजिशन, टेक-इनोवेशन और स्थानीय-टैलेंट-हायरिंग में तेजी से ढल रही हैं। नीति-निर्णायकों और उद्योग-निगमों के लिए भी यह समय रणनीतिक बातचीत, वैकल्पिक वीजा-योजनाओं और रोजगार-विकल्पों पर केंद्रित नीतियां पेश करने का है।

यह शुल्क केवल एक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं, यह वैश्विक आईटी-सर्कल में संरचनात्मक प्रभाव डालने वाला संकेत है।

सोशल फोरम

पायलट शर्ली की कहानी

ट्रवेल प्वाइंट
फेसबुक

शर्ली स्लेड ने मात्र छह साल की उम्र में अपने माता-पिता से कह दिया था कि वह पायलट बनना चाहती हैं। उस समय महिला पायलटों के बारे में सोचना भी असामान्य था, लेकिन शर्ली अपने सपने से पीछे हटने वाली नहीं थीं। उन्होंने लगातार मेहनत की और हाईस्कूल में रहते हुए ही पायलट लाइसेंस हासिल कर लिया, जो उन दिनों किसी भी युवती के लिए असाधारण उपलब्धि थी। पर्ल हार्बर पर हमले के बाद, शर्ली 1943 में विमेन एयरफोर्स सर्विस पायलट्स (WASP) कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने टेक्सास के स्वीट वॉटर स्थित अवेंजर फील्ड में सात महीने का कठोर प्रशिक्षण लिया। उन्होंने बाद में याद करते हुए कहा था, "मैं युद्ध में लड़ना चाहती थी, लेकिन वह संभव ही नहीं था।" वह मुख्य रूप से बेल P-39 एयराकोबरा और मार्टिन B-26 मरॉडर उड़ाती थीं। ये दोनों विमान कुख्यात रूप से कठिन और खतरनाक माने जाते थे (B-26 को तो 'विडोमेकर' यानी 'विधवा बनाने वाला' तक कहा जाता था)।

शर्ली उन 25 महिलाओं में से एक थीं, जिन्हें WASP निदेशक जैकलीन कोक्रेन ने, जनरल हेनरी 'हैप अर्नोल्ड' के आदेश पर चुना था, ताकि यह साबित किया जा सके कि महिलाएं भी B-26 जैसे कठिन विमान को सुरक्षित रूप से उड़ा सकती हैं। जुलाई 1943 में, मात्र 22 वर्ष की उम्र में, शर्ली LIFE पत्रिका के कवर पर भी दिखाई दीं। उन्होंने आत्मविश्वास से भरे अंदाज में उड़ान सूट और चोटी के साथ विमान के पंख पर पोज दिया था। उस कवर की हेडलाइन थी, 'गर्ल पायलट्स', जो एविएशन में महिलाओं के बढ़ते कदमों का प्रतीक बनी।

WASP कार्यक्रम को दिसंबर 1944 में बिना किसी सैन्य मान्यता के बंद कर दिया गया, लेकिन शर्ली और उनकी साथी महिला पायलटों के योगदान को आखिरकार 1977 में वयोवृद्ध का दर्जा और 2009 में कांग्रेसनल गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। दुर्भाग्य से शर्ली का 26 अप्रैल 2000 को टेक्सास में निधन हो गया और वह यह पदक देखने के लिए जीवित नहीं रहीं, लेकिन उनका पथ प्रदर्शक साहस और जज्बा आज भी जिंदा है।

प्रसंगवश

माहवारीः जब सुविधाएं पहुंच से बाहर हों

गांव की गलियों में खेलती हुईं बच्चियां जब किशोरावस्था की ओर कदम रखती हैं, तो उनके जीवन में कई नई चुनौतियां आती हैं। इनमें सबसे बड़ी चुनौती है माहवारी, हालांकि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, मगर ग्रामीण इलाकों में रहने वाली कई लड़कियों के लिए यह दर्द और परेशानी से भरा अनुभव बन जाता है। इसका कारण है स्वच्छता का अभाव, सेनेटरी पैड्स की अनुपलब्धता, उसका महंगा होना और इस विषय पर खुले संवाद की कमी। अक्सर जब कोई लड़की माहवारी से गुजर रही होती है और उसके पास पैड उपलब्ध नहीं होते, तो उसे स्कूल छोड़ना पड़ता है। घर में छिपकर रहना पड़ता है और कई बार तकलीफें सहते हुए खेतों या घरेलू कामों में हाथ बंटाना पड़ता है।

सरिता
एक्टिविस्ट

राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि गांवों में अब भी बड़ी संख्या में महिलाएं और किशोरियां माहवारी के दौरान कपड़े या अस्वच्छ विकल्पों का प्रयोग करती हैं, हालांकि पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं और किशोरियों द्वारा पैड्स उपयोग करने का आंकड़ा लगभग 11 से 12 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत तक पहुंचा है। अब भी आधी से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं और किशोरियों तक पैड की पहुंच नहीं है और वह अब भी संक्रमण, दर्द तथा सामाजिक पाबंदियों से जूझ रही हैं।

माहवारी से जुड़ी चुनौतियां केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि यह सीधे शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समानता से जुड़ा मुद्दा है। जब लड़कियां पैड की कमी के कारण पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर होती हैं, तो यह केवल उनका नुकसान नहीं बल्कि पूरे समाज का नुकसान है। सरकार और समाज यदि मिलकर सुनिश्चित करें कि हर गांव में पैड और स्वच्छता सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों, तो लाखों लड़कियों का जीवन आसान हो सकता है। यह केवल माहवारी के दौरान उनका साथ देने की बात नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देने की बात भी है। अब समय आ गया है कि इस सुविधा (पैड्स) को हर किशोरी और महिला तक पहुंचाया जाए।

इस समस्या का आर्थिक पहलू भी गंभीर है। पैड महंगे हैं और ग्रामीण परिवारों की आय इतनी नहीं होती कि वे हर महीने घर की महिलाओं और किशोरियों के लिए पैड खरीद सकें। जहां योजनाओं के तहत मुफ्त या सस्ते पैड उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है, वहां भी वितरण की अनियमितता और गुणवत्ता की कमी लड़कियों की परेशानियां बढ़ा देती हैं। परिणामस्वरूप वे पुराने कपड़े और अन्य अस्वच्छ साधनों पर निर्भर हो जाती हैं। इससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा और बढ़ जाता है। माहवारी को लेकर समाज में मौजूद चुप्पी और शर्मिंदगी लड़कियों को और अकेला कर देती है। वे इस विषय पर मां से या सहेलियों से भी बात करने में संकोच करती हैं। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी को छिपाने की चीज माना जाता है, जिससे लड़कियों के भीतर अपराधबोध और डर बैठ जाता है। यही कारण है कि वे न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्तर पर भी दबाव महसूस करती हैं।

समस्या का समाधान केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। जरूरी है कि गांवों में महिलाओं और किशोरियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि किशोरियां और उनके परिवार समझ सकें कि माहवारी स्वाभाविक है और इसकी स्वच्छता पर ध्यान देना स्वास्थ्य के लिए प्राथमिक है। स्कूलों में माहवारी शिक्षा का हिस्सा बने और शौचालय की सुविधाएं बढ़ाई जाएं। आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित पैड उपलब्ध कराए जाएं।

आमने

ठगी की दुनिया में बिहार की पहचान नटवर लाल से थी। प्रशांत किशोर ठगने में उनसे भी बहुत आगे हैं। नटवर लाल ने तो सामान्य मनुष्यों को ठगा था, किंतु पीके (प्रशांत किशोर) तो बिहार के बुद्धिजीवियों को ठग रहे हैं।
–संजय जायसवाल
भाजपा के सांसद

सामने

सड़क पर भौंकने वालों का जवाब देना जरूरी नहीं होता। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी की मां को राजद के लोग अपशब्द कहते हैं, तो दूसरी तरफ भाजपा वाले तेजस्वी यादव की मां को अपनी बहन कह रहे हैं। भाजपा और राजद दोनों मिलकर जनता को गुमराह कर रही हैं। –प्रशांत किशोर
प्रमुख, जनसुराज अभियान

समझौता 'इस्लामिक नाटो' की परिकल्पना तो नहीं

अमित नारायण
लेखक

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की तर्ज पर ही अब मुस्लिम मिलिट्री एलायंस ऑर्गनाइजेशन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस्लामिक और अरब देशों की बैठक में इसकी स्थापना पर चर्चा हुई। इस्लामिक और अरब देशों का खलीफा बनने के चक्कर में पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ आनन-फानन में समझौता भी कर लिया और दुनिया को यह बताने की कोशिश की कि उसने मुस्लिम मिलिट्री एलायंस ऑर्गनाइजेशन बनाने की दिशा में कदम आगे बढ़ा दिए हैं।

इस समझौते के साथ ही उसने भारत, अमेरिका और इजराइल को भी यह संदेश दिया कि अगर इजराइल, सऊदी अरब पर या भारत पाकिस्तान पर हमला करता है तो इसका जवाब दोनों देश मिलकर देंगे। पाकिस्तान और मुस्लिम राष्ट्र यह भूल रहे हैं कि उन्होंने दिसंबर 2015 में इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेरेरिज्म कोलिशन नामक संस्था का गठन किया था और यह संस्था अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाई।

इसमें आतंकवाद के खिलाफ एशिया और अफ्रीका के 42 मुस्लिम देश इस संगठन में शामिल हैं, लेकिन आतंकवाद का पोषण करने वाला पाकिस्तान आज भी अपने ही पाले हुए आतंकियों के खून-खराबे से जूझ रहा है तो सीरिया में भी ढेरों आतंकी संगठन सक्रिय हैं। यही वजह है कि नाटो की तर्ज पर इस्लामिक राष्ट्र, जिस संगठन की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं, वह मात्र कपोल कल्पना ही लगती है।

4 अप्रैल, 1949 से उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन अस्तित्व में आया। इसमें 32 देश शामिल हैं। इनमें से किसी भी देश पर हमला होता है तो उसका मुकाबला नाटो का प्रत्येक सदस्य देश मिलकर करेगा, लेकिन नाटो में शामिल देश आपस में ही संघर्ष करने को आतुर दिखते हैं। इसी की तर्ज पर जिस इस्लामिक नाटो की तैयारी हो रही है, क्या उसमें ईरान और सऊदी अरब एक साथ आएंगे। इन दोनों देशों की दुश्मनी जगजाहिर है। यह सही है कि पिछले कुछ महीनों से दोनों देश करीब आने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आपसी हितों के टकराव अब भी उनकी एकता में सबसे बड़ी बाधा है। अगर इस्लामिक राष्ट्र ऐसा सैन्य संगठन बनाते हैं, तो फिर यह दुनिया का दूसरा बड़ा संगठन होगा।

फिलहाल इसमें 25 मुस्लिम देश शामिल होने को आतुर दिख रहे हैं। तुर्किए भी इस संगठन का हिस्सा हो सकता है लेकिन वह नाटो का भी हिस्सा है। इस्लामिक राष्ट्र इजराइल के संभावित हमले से डरे हुए हैं, इसलिए वे एक मंच पर आकर बड़ी सेना बनाना चाहते हैं, लेकिन सवाल ये है कि अगर नया सैन्य संगठन बनने के बाद अगर इसमें शामिल किसी देश पर इजराइल हमला करता है तो क्या तुर्किए इजराइल पर हमला करेगा? यह बड़ा सवाल है, क्योंकि इजराइल जो कुछ भी करता है, वह अमेरिका की शह पर करता है।

इजराइल पर हमला मतलब अमेरिका की नाराजगी मोल लेना है। अमेरिका ने इराक, सीरिया, बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात में अपने सैन्य बेस भी बना रखे हैं। वह कभी नहीं चाहेगा कि कोई इस्लामिक नाटो बने। अगर इस्लामिक नाटो बनता है तो फिर अमेरिका को अपने बेस को खत्म करना पड़ सकता है, क्योंकि ये देश इस्लामिक नाटो का हिस्सा होंगे और उन्हें अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी की आवश्यकता ही नहीं रह जाएगी।

अब सवाल यह है कि अगर इस्लामिक नाटो की कल्पना साकार हो जाती है, तो इसका असर भारत पर कितना पड़ेगा। इस नाटो में तो पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश भी होगा। बांग्लादेश आज भारत को हर तरफ नीचा दिखाने का प्रयास कर रहा है। उसे पाकिस्तान की शह तो मिल ही रही है, तुर्किए भी उसे भड़का रहा है। ऐसे में भारत को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है और अभी से ही इससे होने वाले संभावित नुकसान का आकलन करना चाहिए। पाकिस्तान ने सऊदी अरब से रक्षा समझौता करके यह बता दिया है कि वह इस्लामिक और अरब कंट्री को साथ लाकर भारत के विरुद्ध एक बड़ा मोर्चा तैयार करेगा और हर मंच पर उसे घेरेगा। ऐसे में अब भारत की कूटनीति की भी परीक्षा है।

नाटो की तर्ज पर ही अब मुस्लिम मिलिट्री एलायंस ऑर्गनाइजेशन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस्लामिक और अरब देशों की बैठक में इसकी स्थापना पर चर्चा भी हुई।

सामयिकी

उष्णकटिबंधीय इलाकों में वनों की कटाई से बढ़ी मौतें

वन हमारे जीवन का मुख्य आधार व प्रकृति का खजाना हैं। जंगल वे प्राकृतिक संसाधन हैं, जिनसे हमें ढेरों उत्पाद के साथ ही ऑक्सीजन उत्पादन, कार्बन अवशोषण, जल व मृदा संरक्षण भी मिलता है। जंगल केवल कार्बन स्टोर नहीं बल्कि जीवन रक्षक ढाल भी हैं। छाया, वाष्पन-शीतलन और ताप नियंत्रण के माध्यम से यह आसपास के समुदायों को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। मानव जीवन, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था– तीनों को ही जंगलों से सीधा लाभ मिलता है। जैव-विविधता बनाए रखने में भी जंगलों का स्थान महत्वपूर्ण, लेकिन आज जिस तरह से वनों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, यह मनुष्य के लिए घातक सिद्ध हो रही है।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

आज जंगल सिकुड़ते चले जा रहे हैं और उनकी जगह शहरीकरण बढ़ता जा रहा है। हिमखंड और ग्लेशियर पिघल रहे हैं, तो इससे समुद्र का स्तर लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, कुछ जगहों पर हरित आवरण (ग्रीन कवर) बढ़ा भी है, खासकर उन देशों में जहां वृक्षारोपण और संरक्षण अभियानों को बल मिला है। नदियों के स्वरूप और तटीय इलाकों में भी बड़े बदलाव दिख रहे हैं। कई स्थानों पर नदी का रुख बदल चुका है या किनारे कटकर बह गए हैं। शहरों का फैलाव बहुत स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो पर्यावरण पर सीधा असर डालता है।

हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वनों की कटाई से हर साल लगभग 28,000 से 28,330 अतिरिक्त मौतें हो रही हैं, जो मुख्यतः उष्माघात (हीट-रिलेटेड इल्नेस) के कारण होती हैं। यह अध्ययन भारत, ब्राजील और इंडोनेशिया समेत 15 देशों में किया गया है। अध्ययन में उष्णकटिबंधीय वनों की कटाई (साल 2001–2020 तक) और स्थानीय तापमान में वृद्धि, साथ ही उससे जुड़ी मौतों का अनुमान शामिल है। यह शोध 'नेचर क्लाइमेट चेंज' पत्रिका में हाल ही में प्रकाशित हुआ है।

कुल लगभग 345 मिलियन लोग वनों की कटाई से उत्पन्न स्थानीय गर्मी के संपर्क में आए। इनमें से लगभग 2.6 मिलियन लोग ऐसे थे, जिन्हें +3 C या उससे अधिक की तापमान वृद्धि का सामना करना पड़ा। परिणामस्वरूप, सालाना अनुमानित 28,330 मौतें हुईं। दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक मौतें (15,680 सालाना) हुईं, इसके बाद दक्षिणी ऊष्णकटिबंधीय अफ्रीका और मध्य/दक्षिण अमेरिका में मौतें हुईं। इस शोध में व्यापक क्षेत्रीय गर्मी और अन्य स्वास्थ्य प्रभावों को शामिल नहीं किया गया है।

दो दशकों में अंधाधुंध जंगल काटे गए हैं। रिपोर्ट बताती है कि दक्षिणी अमेजन क्षेत्र, इंडोनेशिया के सुमात्रा और कालीमंतन में सबसे अधिक तापमान वृद्धि का कारण वनों का सबसे अधिक नुकसान होना है। दो दशक में उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में 1.6 मिलियन वर्ग किमी वनक्षेत्र (10% से अधिक) नष्ट हो गए। इन क्षेत्रों में 3.5 अरब से ज्यादा लोग रहते हैं, जिनमें से लगभग 45.2 करोड़ (या 13 प्रतिशत) ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां दो दशकों के दौरान अंधाधुंध वनों की कटाई हुई। इस वजह से लगभग 34.5 करोड़ लोग वनों की कटाई से प्रेरित गर्मी के संपर्क में आए।

वैज्ञानिकों ने उष्णकटिबंधीय मध्य और दक्षिण अमेरिका में वार्षिक औसत तापमान वृद्धि 0.34 डिग्री, अफ्रीका में 0.10 डिग्री और दक्षिण एशिया में सबसे अधिक 0.72 डिग्री दर्ज किया है। वनों की कटाई धरती के पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ती है, और अगर इसे रोका न गया तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवन कठिन हो जाएगा। हमें यह चाहिए कि हम वनों को बचाएं, इनका संरक्षण करें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हिंदू धर्म में अग्नि को साक्षी मानकर धार्मिक कार्य करने की परंपरा है। नवरात्रि के दौरान भी जो अखंड ज्योति हम जलाते हैं वह आपके संकल्प, व्रत, पूजा और सभी धार्मिक अनुष्ठानों की साक्षी होती है। साथ ही यह माता के प्रति भक्तों की साधना का भी प्रतीक होती है। अत्यंत पवित्र होने के कारण अखंड ज्योति को जलाने के कई लाभ होते हैं। कहते हैं कि इसे जलाने से हर प्रकार की नकारात्मकता दूर होती है और घर में सुख-शांति का प्रवेश होता है। अखंड ज्योति जलाने से घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और समृद्धि में वृद्धि होती है।

नवरात्रि अखंड ज्योति नियम और विधान

डॉ. विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

अखंड ज्योति की स्थापना विधि

जो चौकी आपने माता की प्रतिमा के लिए स्थापित की थी, उसी पर अखंड ज्योत की भी स्थापना की जाएगी। अखंड ज्योति की स्थापना के लिए सबसे पहले अष्टदल यानी आठ पंखुड़ियों वाले फूल का आसन बनाएं। आप चाहें तो अक्षत को हल्दी या लाल रंग से रंग भी सकते हैं। इस अष्टदल को आप सीधे चौकी पर भी बना सकते हैं और किसी पात्र में भी बनाकर, उसके ऊपर भी अखंड ज्योत स्थापित कर सकते हैं। अब इस अष्टदल पर दीपक को रखें। आप अखंड ज्योत जलाने के लिए मिट्टी या फिर तांबे के दीपक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद आप दीपक में बाती डालें और गाय का शुद्ध घी डालें। घी के अलावा आप शुद्ध तिल के तेल का भी उपयोग कर सकते हैं।

ऐसी मान्यता भी है कि अगर दीपक घी का है तो उसे माता के दाएं तरफ जलाया जाता है और अगर दीपक तेल का हो तो उसे बाएं ओर जलाया जाता है। अगर आप मिट्टी के दीपक का प्रयोग कर रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि उसमें बाती का मुख माता की तरफ यानी पूर्व दिशा में होना चाहिए। अगर दीपक तांबे का है तो उसमें बाती का मुख हमेशा सीधा ही होता है।

अखंड ज्योति मंत्र

भो दीप देवस्वरुपस्त्वं कर्म साक्षी सविघ्नकृत। यावत्कर्म समाप्तिः स्यात् तावत्वं सुस्थिरो भव ॥ अर्थात् जब तक व्रत समाप्त न हो, तब तक आप स्थिर रहे। इस प्रकार पूजन स्थल पर अखंड ज्योत प्रज्वलित हो जाएगी। अब आप दीपक को तिलक लगाएं और उन्हें अक्षत, पुष्प, रोली, मौली और भोग अर्पित करें। साथ ही आप अपनी भूल चूक के लिए माफी मांगे और उनसे यह प्रार्थना करें कि वह इसी प्रकार नौ दिनों तक जलते रहें। माता जी से भी दीपक की रक्षा की प्रार्थना करें। बाती की लंबाई का भी विशेष ध्यान रखें, यह इतनी बड़ी होनी चाहिए कि नौ दिनों तक निरंतर जलती रहे। कहते हैं कि अखंड ज्योत में सवा हाथ की बाती का प्रयोग करना चाहिए यानी उसकी लंबाई आपके हाथ से लेकर कोहनी के थोड़ा ऊपर तक होनी चाहिए।

भूलवश दीपक बुझ जाए तो क्या करें

हमें यथाशक्ति दीपक को जलाए रखने का प्रयास करना चाहिए। यदि फिर भी वह बुझ जाए तो माता रानी से क्षमा मांगकर अखंड ज्योत को दोबारा प्रज्वलित कर लेना चाहिए। इसके बाद देवी अपराध क्षमापन स्तोत्र का पाठ कर लेना चाहिए। माता रानी तो जग जननी हैं, वह अपने भक्तों द्वारा अनजाने में हुई गलतियों को क्षमा कर देती हैं।

क्या हैं नियम

आप अगर मिट्टी का दीपक जला रहे हैं तो यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि वह दीपक खंडित न हो। ऐसा माना जाता है कि टूटे हुए दीपक को जलाने से घर में दरिद्रता आती है। अखंड ज्योति की स्थापना के बाद रोज माता के साथ दीपक का भी पूजन करें। पूजा के समय अखंड ज्योत को भी पूजन सामग्री और भोग अवश्य अर्पित करें। इसके साथ ही, इस बात का भी विशेष ध्यान रखें कि एक बार अखंड ज्योत जलाने के बाद घर को पूरी तरह से बंद नहीं करना होता है। साथ ही अखंड ज्योति जलाने के बाद घर में किसी न किसी सदस्य का होना जरूरी होता है। अगर आप अकेले रहते हैं या फिर काम से बाहर जाते हैं तो किसी मंदिर में इसका स्थापना करवा सकते हैं, लेकिन इसे अकेला कदापि न छोड़ें।

पौराणिक कथा

मां दुर्गा ने तोड़ा देवताओं का घमंड

एक बार देवताओं और दैत्यों में भयंकर युद्ध छिड़ गया। इस युद्ध में देवता विजयी हुए। युद्ध जीतने से उनके मन में अहंकर उत्पन्न हो गया। सभी देवता स्वयं को तीनों लोकों में सबसे श्रेष्ठ मानने लगे। जब माता दुर्गा ने देवताओं को इस प्रकार अहंकार से ग्रस्त होते हुए देखा तो वे तेजपुंज के रूप में देवताओं के समक्ष प्रकट हुईं। माता का इतना विराट तेजपुंज रूप देखकर देवता भी घबरा गए। तेजपुंज का रहस्य जानने के लिए इंद्रदेव ने वायुदेव को भेजा। अहंकार में चूर होकर वायुदेव तेजपुंज के समीप पहुंचे। तेज ने उनसे उनका परिचय पूछा। वायुदेव ने कहा स्वयं को प्राणस्वरूप तथा अतिबलवान देव बताया। तेजस्वरूप माता ने वायुदेव के सामने एक तिनका रखा और कहा कि यदि तुम सचमुच इतने श्रेष्ठ और बलवान हो तो इस तिनके को उड़ाकर दिखाओ। समस्त शक्ति लगाने के बाद भी वायुदेव उस तिनके को हिला तक नहीं पाए। वायुदेव ने वापस आकर यह बात इंद्र को बताई। तब इंद्र ने अग्निदेव को उस तिनके को जलाने के लिए भेजा, लेकिन अग्निदेव की असफल रहे। यह देख इंद्रदेव का अभिमान चूर-चूर हो गया। इसके उपरांत उन्होंने उस तेजपुंज की उपासना की तब तेजपुंज से माता शक्ति का स्वरूप प्रकट हुआ। माता ने इंद्र को बताया कि मेरी ही कृपा से ही देवताओं ने असुरों पर विजय प्राप्त की है। इस प्रकार झूठे अभिमान में आकर तुम सब देवता अपना पुण्य नष्ट मत करो। देवी के वचन सुनकर सभी देवताओं को अपनी गलती का अहसास हुआ और सभी ने मिलकर मां दुर्गा की उपासना की।

धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का पर्याय रायपुर मेला

अयोध्या का रायपुर मेला धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का पर्याय है। महीने भर के लिए यहां उपनगर बसता है। यह शताब्दी भर से गांव और शहर की सांझी विरासत को सहेज अगली पीढ़ी तक पहुंचा रहा है। मेले में धुर गांव की जरूरत के सामान से लेकर शहरों के शो-रूम में बिकने वाले सामान मौजूद हैं। मेला, प्रदेश में इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध है। सहारनपुर, बाराबंकी, कानपुर आदि जिलों से लकड़ी की दुकाने यहां सजती हैं। लाखों का कारोबार होता है। शहरी युवाओं के शरीर पर दिखने वाले टैटू यहां गांव के लोगों के लिए गोदना है। जलेबी और कचालू से महंगी मिठाइयां, तरह-तरह के गुब्बारे बच्चों और युवाओं के लिए तरह-तरह के झूले और मनोरंजन के लिए सर्कस और मौत के कुंए का आनंद लेने के लिए इसी जिले के नहीं आसपास के जिलों के लोग भी यहां पर पहुंचते हैं।

-राजेंद्र पांडेय, अयोध्या

रायपुर मेला लोगों की आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है। यह श्रीहरि विष्णु के अनंत स्वरूप का पूजनस्थल भी है। अनंत चौदस (अनंत चतुर्दशी) से शुरू होने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। पौराणिकता है। धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही मेला शुरू होता है। इस बार के मेले का प्रबंधन देख रहे जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू इसके पौराणिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताते हैं कि बहुत वर्षों पहले रायपुर गांव और उसके आसपास के ग्रामों में बारिश न होने के कारण भयंकर सूखा पड़ गया। गांव के लोग यहां स्थित भगवान अनंत के मंदिर में रहने वाले पुजारी के पास आए। समस्या बताई। पुजारी ने सीताराम जप व यज्ञ करने के लिए कहा। गांव वालों के सामूहिक प्रयास से विधि-विधान से पूजन प्रारंभ हुआ। कुछ समय बाद अनंत चौदस के दिन मूसलाधार बारिश हुई। चारों और खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इसी के साथ हर वर्ष यहां अनंत चतुर्दशी के दिन रायपुर मेले की शुरूआत हो गई।

रायपुर मेले का इतिहास

- रायपुर मेले का इतिहास शताब्दी भर से ज्यादा का है। टिल्लू बताते हैं कि मेले को लगते 119 वर्ष हो गए। उनसे पहले मेले का प्रबंधन उनके बड़े पिताजी वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ बुढ़ऊ सिंह वर्ष 1979 से देख रहे थे। इस साल मेले के एक दिन पूर्व ही उनका निधन हो गया। इसके बाद वह व्यवस्था देख रहे है। उनके पहले बाबा शमशेर बहादुर सिंह और इसके पहले परबाबा देवकली सिंह मेले की व्यवस्था देखते थे।
- रायपुर मेला सभी उम्र के लोगों को आकर्षित करता है। यहां हर वर्ग के लोगों के लिए कुछ न कुछ होता है। इस बार के मेले में भी ऐसा ही है। बच्चों और युवाओं के लिए तरह-तरह के झूले हैं। जादूगर भारत सम्राट का जादू इंद्रजाल और मायावी मीना बाजार लुभा रहा है। बहुरूपिए आकर्षण का केंद्र हैं। मौत का कुएं की धुन दूर से सुनाई पड़ती है। हाथ पर गोदना गोदवाने के लिए पूरी लेन बनी है। एक्शन फोटो के लिए पूरा स्टूडियों है। मेले की जलेबी और बंडा की कचालू दूर से ही मुंह मे पानी ला देता है। गांव के लोगों की जरूरत के हंसिया, खुरपी से सूप तांत से कसे जाते देखे जा सकते हैं। नाई से धोबी तक की दुकाने हैं। कपड़ों के शो-रूम है तो लोहे की आलमारी, बक्से के साथ चारपाई तक यहां मिलता है।
- मेले की पहचान इमारती लकड़ी के लिए पूरा जोन है। कानपुर, सहारनपुर, बाराबंकी, गोंडा, बहराइच से लेकर पूर्वांचल तक से दुकानें आई है। इमराती लकड़ी का पूरा कारखाना स्थापित है। हर समय कारीगर काम करते हैं। खड़ाऊ से तख्त, सोफा सेट से नक्काशीदार दरवाजे और दूसरे सामानों की खरीद-फरोख्त खूब होती है। लोग साल भर मेले आने का इंतजार करते हैं। सौंदर्य प्रसाधन, चाट, फल के साथ नामचीन मिठाई की दुकाने लगी हैं।
- बाराबंकी से आए लकड़ी के दुकानदार अनस बताते हैं कि

उनके पिताजी के जमाने से रायपुर मेले में पूरा कारखाना लगाया जाता है। मेले में आल्हा, बिरहा जैसे देशज सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अक्सर होता रहता है।

- भगवान अनंत के मंदिर के इर्द-गिर्द यह मेला लगभग एक किलोमीटर की परिधि में फैला है। लोग मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ मेले की शुरूआत करते है। मंदिर से सटे सरोवर में तैराकी का आनंद लेते हैं।
- अनंत चतुर्दसी से शुरू होने वाला मेला एक महीने चलता है। इन दिनों यह शवाब पर है। शुरूआत के दिनों से नवरात्रि तक मेले की सभी दुकानें दिन-रात चलती हैं। नवरात्रि के बाद इमारती लकड़ी पर लोगों का फोकस बढ़ जाता है। भगवान अनंत की पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण के साथ इसके समापन की घोषणा की जाती है। इस बार मेले का समापन सात अक्टूबर को होगा।
- रायपुर मेला अयोध्या शहर से लगभग आठ किलोमीटर पहले अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर लखनऊ से जाते दायीं ओर कोटसराय गांव से दक्षिण लगभग एक किलोमीटर दूरी पर है। ट्रेन से यहां पहुंचने के लिए मेले से करीब पांच सौ मीटर दूर अयोध्या-लखनऊ रेल मार्ग पर सालारपुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। सड़क मार्ग से लखनऊ-अयोध्या पर कोट सराय गांव से दाहिने घूमकर एक किलोमीटर चलना होगा।

बातचीत

मेला देखने पहुंचे बब्लू शर्मा कहते हैं रायपुर मेला केवल मेला भर नहीं है। साल भर बाद आने वाला मेला यहां के लिए पर्व भी है।

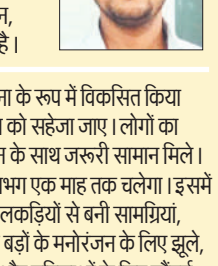

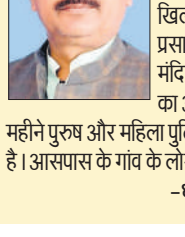

मेले विश्राम कक्ष में प्रतिभा कहती हैं कि मेले में उनकी जरूरत का हर सामान मिलता है। बच्चों हर साल मजबूर करते हैं मेले में आने के लिए।

गुड़िया बोली, यहां मेला देखने में सुविधा है कि कभी किसी के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं कर सकता है। आसपास के लोग सुरक्षा में लगे रहते हैं ।सूला, सर्कस खान-पान तो है ही।

मेला देखने पहुंचे विकास कहते हैं कि इस मेले में गांव का आनंद आता है। लोग खाने पीने के साथ सरोवर में तैराकी करते है। खाने पीने के लिए शुद्ध सामानों के साथ लकड़ी का सामान खरीदने लोग ज्यादा आते हैं।

आशुतोष कहते हैं कि मेला कब से लगता है वह नहीं जानते लेकिन पूर्वांचल के जिलों की भीड़ यहां आती है। व्यवस्था अच्छी रहती है। किसी के साथ बदतमीजी नहीं हो सकती है। गांव से शहर तक के सामान, मनोरंजन सब कुछ तो मिलता है।

रायपुर मेले को सांस्कृतिक चेतना के रूप में विकसित किया गया। प्रयास है, ग्रामीण संस्कृति को सहेजा जाए। लोगों का मनोरंजन के साथ जरूरी सामान मिले। मेला लगभग एक माह तक चलेगा। इसमें इमारती लकड़ियों से बनी सामग्रियां, बच्चों एवं बड़ों के मनोरंजन के लिए झूले, खिलौने और महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन के सामानों की दुकाने लगती है। मंदिर परिसर में सरोवर है। लोग तैराकी का आनंद लेते है। सुरक्षा के लिए पूरे महीने पुरुष और महिला पुलिस की पूरी एक पिकेट मौजूद रहती है। आसपास के गांव के लोग सुरक्षा में रहते हैं।

-धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, मेला प्रबंधक

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,159.97	25,202.35
गिरावट	466.26	124.70
प्रतिशत में	0.56	0.49

सोना- 1,14,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,34,200 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1830, फॉर्चून कि . 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2035, सूरज 1960, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2465, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 3000, बासमती- 9300, परमल- 3200

दाल दलहन : काला चना- 7400, साबुत चना दाल- 7100, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12400-14200, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7300, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9000

जीएसटी 2.0 से किराने का खर्च 13% होगा कम

छोटी कार खरीदने पर 70,000 रुपये और स्टेशनरी, कपड़े, जूते और दवाइयों पर 7-12 प्रतिशत की होगी बचत

- कृषि उपकरण, कपड़े, दवाइयां और वाहन सहित 375 वस्तुएं हो गईं सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

सोमवार से लागू हुए जीएसटी के अगली पीढ़ी के सुधारों से किराने और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के खर्च में 13 प्रतिशत की बचत होगी। दूसरी ओर छोटी कार खरीदने वाले को लगभग 70,000 रुपये का फायदा होगा। सरकारी अनुमानों के अनुसार स्टेशनरी, कपड़े, जूते और दवाइयों की खरीदारी पर 7-12 प्रतिशत की बचत होगी, जबकि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों के मामले में यह बचत 18 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

जीएसटी के अगली पीढ़ी के सुधार लागू होने से किराने का सामान, कृषि उपकरण, कपड़े, दवाइयां और वाहन सहित 375 वस्तुएं सस्ती हो गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सुधार को 'जीएसटी बचत उत्सव' करार दिया है। सरकार का अनुमान है कि 1800 सीसी तक के ट्रैक्टर की खरीद पर 40,000 रुपये की बचत होगी। ट्रैक्टर पर जीएसटी की दर पहले 12-18% थी, जिसे 5% किया गया है। बाइक-स्कूटर (350 सीसी तक) की खरीद पर 8,000, जबकि टीवी (32 इंच से ऊपर) पर 3,500 तक की बचत होगी। एयर कंडीशनर पर 2,800 तक की बचत होगी, क्योंकि इन पर जीएसटी की दर 28 से घटाकर 18% कर दी गई है। मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि 'जीएसटी बचत उत्सव' और बजट में आयकर छूट को बढ़ाकर 12 लाख करने से लोगों को दोहरा लाभ होगा।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मॉल में खरीदारी करती महिला।

स्कूल के बस्ते पर 18% जीएसटी का बोझ

ऑल इंडिया स्कूल बैग एसोसिएशन ने कहा कि सरकार का शैक्षणिक उत्पादों का कर मुक्त करने का कदम स्वागतयोग्य है लेकिन स्कूली बैग पर 18% जीएसटी को घटाने से छोटे कारोबारियों को राहत मिल सकती थी। जीएसटी में बदलाव के तहत कॉपी, पेन, पेंसिल, मैप, चार्ट और ग्लोब जैसे शैक्षणिक उत्पादों को करमुक्त किया गया है। इन पर पहले 12% जीएसटी था, जिसे अब शून्य कर दिया गया है। दूसरी ओर स्कूल बैग पर जीएसटी 18% बरकरार रखा गया है, जिसको लेकर कारोबारियों में नाराजगी है। एसोसिएशन के संस्थापक देव कुमार त्यागी ने कहा कि सरकार ने शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं को कर मुक्त किया जिससे छोटे कारोबारियों और बच्चों को राहत देने का संदेश मिलता है। हालांकि, सरकार ने स्कूल बैग पर कर घटाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा : उद्योग

उद्योग निकायों ने कहा है कि अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0 सुधार उपभोक्ताओं के हाथों में ज्यादा पैसा देगा। इन सुधारों से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) के लिए अनुपालन बोझ कम होगा, उद्योग के लिए उत्पादन लागत घटेगी और भारत की वृद्धि मजबूत होगी। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वदेशी पर जोर देने के साथ, सुव्यवस्थित कर ढांचा घरेलू उत्पादन और विनिर्माण को बढ़ावा देगा। संशोधित ढांचा एमएसएमई के लिए अनुपालन बोझ को कम करेगा, भारत में बने उत्पादों की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करेगा और जीवन को आसान बनाएगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जन-केंद्रित बताया। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी बचत उत्सव के रूप में तैयार किया गया पैकेज उपभोक्ताओं के हाथों में अधिक पैसा देगा, एमएसएमई के लिए अनुपालन को आसान बनाएगा, उद्योग के लिए लागत कम करेगा और भारत की वृद्धि गति को मजबूत करेगा।

जीवन, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी से हटा जीएसटी

जीएसटी सुधार लागू होने के साथ सोमवार से जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर लगने वाला 18% जीएसटी पूरी तरह से हट गया है। जीएसटी व्यवस्था जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद से ही स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर 18% की दर से कर लगाया जा रहा था। लेकिन जीएसटी परिषद की हुई बैठक में इसे हटाने का फैसला किया गया था जो 22 सितंबर से लागू हो गया है। व्यक्तिगत जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा के पॉलिसीधारक इस छूट से प्रीमियम में सीधे 18% की बचत कर सकते हैं। व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसमें फेमिली फ्लोटर एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए पॉलिसी के साथ पुनर्बीमा भी हैं। सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी—चाहे वह टर्म लाइफ, यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसी हों और उनके पुनर्बीमा को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है।

आईटी शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 466 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 466 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 125 अंक की गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर प्रति कर्मचारी करने के निर्णय से उत्पन्न चिंता के बीच आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया।

सेंसेक्स 466.26 अंक टूटकर 82,159.97 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 628.94 अंक टूटा था। वहीं, निफ्टी 124.70 अंक की गिरावट के साथ 25,202.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं। मझोली कंपनियों से जुड़े बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.78 प्रतिशत और स्मॉलकैप में 0.71 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,511 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,775 लाभ में रहे। वहीं 169 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

विदेशी बाजारों में रहा मिला-जुला असर

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत टूटकर 66.61 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

अमेरिका को भारतीय स्मार्टफोन निर्यात घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात मई के 2.29 अरब डॉलर से 58% घटकर अगस्त में 96.48 करोड़ डॉलर रहा। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि यह घटनाक्रम चिंताजनक और विरोधाभासी है क्योंकि स्मार्टफोन पर कोई शुल्क नहीं है। स्मार्टफोन के मामले अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा बाजार है।

जीटीआरआई ने कहा कि इस गिरावट के असली कारणों का तत्काल पता लगाने की जरूरत है। यह गिरावट मासिक आधार पर स्थिर रही। जून में यह दो अरब डॉलर और जुलाई में 1.52 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका 10.6 अरब डॉलर के आयात (भारत के 24.1 अरब डॉलर के वैश्विक निर्यात का 44%) के साथ भारत का शीर्ष स्मार्टफोन बाजार बना रहा। इसके बाद यूरोपीय संघ 7.1 अरब डॉलर (29.5%) के साथ दूसरे स्थान पर रहा। शुल्क मुक्त उत्पाद की देश के अगस्त निर्यात में 28.5% हिस्सेदारी रही। इसमें 41.9% की तीव्र गिरावट दर्ज की गई जो मई के 3.37 अरब डॉलर से घटकर अगस्त में 1.96 अरब डॉलर रह गई।

औषधि क्षेत्र में भी निर्यात में 13.3% की गिरावट आई जो मई के 74.5 करोड़ डॉलर से घटकर अगस्त में 64.66 करोड़ डॉलर रह गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में उच्च शुल्क का सामना कर रहे भारतीय सामान के निर्यात में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

- जीटीआरआई के अनुसार निर्यात 58% घटकर अगस्त में 96.48 करोड़ डॉलर रहा

खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 17.13 करोड़ के लक्ष्य से होगा अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि आयुक्त पीके सिंह ने सोमवार को कहा कि अधिक बुवाई और अनुकूल मानसूनी बारिश से देश का खरीफ खाद्यान्न उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के लिए निर्धारित 17 करोड़ 13.9 लाख टन के सरकारी लक्ष्य को पार कर जाने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि कम बुवाई के बावजूद, तिलहन और दलहन फसलों के लिए संभावनाएं सकारात्मक बनी हुई हैं क्योंकि अच्छी फसल स्थितियों के कारण उत्पादकता अधिक रहने की उम्मीद है। खरीफ मौसम में कुल बुवाई क्षेत्र की तुलना में बाढ़ और भारी बारिश से फसलों को हुआ नुकसान कम है। बायोलॉजिकल एग्री सॉल्यूशंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएसएआई) के सम्मेलन में सिंह ने कहा कि फसल की स्थिति अच्छी है और कुल (खरीफ खाद्यान्न) उत्पादन इस वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों से अधिक होगा। खरीफ फसलों का रकबा पिछले वर्षों की तुलना में अधिक हो गया है, जो हाल के वर्षों में सामान्य 10.95 करोड़ हेक्टेयर से बढ़कर 11 करोड़ हेक्टेयर से अधिक है, जो धान और मक्का के बढ़ते रकबे का परिणाम है। सिंह ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और भारी बारिश से नुकसान की सूचना है, लेकिन प्रभावित क्षेत्र कुल बोए गए क्षेत्र की तुलना में छोटा है। वास्तविक नुकसान का पता बाढ़ का पानी उतरने के बाद चलेगा। तिलहन, विशेष रूप से सोयाबीन के लिए, खेती का रकबा कम था, लेकिन फसल की स्थिति बहुत अच्छी है, जिससे उत्पादकता बढ़ने की संभावना है। यही बात दालों पर लागू होती है। रबी की बुवाई पर कृषि आयुक्त ने कहा कि राजस्थान में जल्दी कटाई के बाद इसकी शुरुआत हो गई है, जबकि अन्य जगहों पर तैयारियां जारी हैं। सरकार तीन से 18 अक्टूबर तक 'विकसित कृषि अभियान शुरू करेगी, जिसके तहत किसानों को सहयोग देने के लिए गांवों में 2,100 टीमें तैनात की जाएंगी।

- कृषि आयुक्त ने कहा- कम बुवाई के बावजूद तिलहन-दलहन फसलों के लिए संभावनाएं सकारात्मक

राष्ट्रीय

जीएसटी दरों में कमी से लोगों में खुशी की लहर : वैष्णव

गब्बर सिंह टैक्स वाले बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की सरकार के दौरान भारी करों का उल्लेख किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- विपक्ष ने सत्ता में रहते हुए सिर्फ बातें कीं, कोई कार्य नहीं किया

भाजपा ने सोमवार को कहा कि विभिन्न वस्तुओं पर जीएसटी की कम दरों से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। भाजपा ने जीएसटी सुधारों की आलोचना करने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उसके नेतृत्व वाली सरकार में उन्हीं उत्पादों पर उच्च कर दरों का हवाला दिया।

जीएसटी पर कांग्रेस के गब्बर सिंह टैक्स वाले बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस की सरकार के दौरान बहुत अधिक दरों का हवाला देते हुए आश्चर्य जताया कि क्या इतना भारी कराधान गब्बर सिंह के बड़े दादा जैसा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संप्रग सरकार के दौरान सीमेंट, सेनिटरी पैड, पेंट, जूते, टीवी और फ्रिज पर कर की दरें क्रमशः 30, 13, 30, 18, 30 और 30% थीं। अब संबंधित दरें 18, 0, 19, 8, 18 और 18% हैं। उन्होंने कहा कि लागत में कमी से 'बचत का त्योहार' जैसा माहौल बना है और लोगों में खुशी है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी और मौजूदा सुधारों से उनकी नाखुशी स्वाभाविक है, क्योंकि सत्ता में रहते हुए उन्होंने सिर्फ बातें कीं और कोई काम नहीं किया। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 में जीएसटी की एकीकृत कर प्रणाली लागू करते समय राज्यों को विश्वास में लिया था। दुकानदारों और खरीदारों से मिलने आरके पुरम बाजार आए वैष्णव ने कहा कि इसके प्रभाव के बारे में हर तरफ से अच्छी खबरें आ रही हैं। व्यापार क्षेत्र ने कर कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। सरकार निगरानी रख रही है और अगर उपभोक्ताओं को लाभ नहीं दिया गया, तो कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अरुणाचल की अपनी यात्रा के दौरान व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत की और सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य सदस्यों ने भी ऐसा ही किया। सरकार को उम्मीद है कि रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं की कीमतों में गिरावट से माहौल में सकारात्मक बदलाव आएगा और ऐसे समय में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, जब अमेरिका द्वारा लगाए उच्च टैरिफ ने भारतीय निर्यात को प्रभावित किया है। वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि खपत में वृद्धि से निवेश और फलस्वरूप रोजगार में वृद्धि होगी। भारत के 330 लाख करोड़ रुपये के सकल घरेलू उत्पाद में खपत का हिस्सा 202 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 181 लाख करोड़ रुपये था।

जीएसटी सुधार गरीबों-किसानों की सेवा के प्रधानमंत्री के संकल्प का प्रमाण : शाह

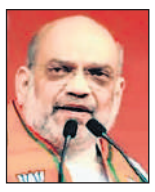

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं की सेवा करने के प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ संकल्प का प्रमाण हैं। शाह ने कहा कि नए सुधार भारत के विकास के पहिये को दुनिया में सबसे समृद्ध देश बनने की राह पर और भी तेजी से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने एक्स पर कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं की सेवा करने के प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प का प्रमाण हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार मध्यम वर्ग के लिए ढेरों अवसर खोलकर उनकी आय बढ़ा रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के ज़रिए उनकी बचत लगातार बढ़ती रहे। दैनिक जरूरत की वस्तुओं, स्वास्थ्य सेवा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और शैक्षिक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में भारी कमी से उनकी खर्च करने योग्य आय बढ़ेगी और वे और भी ज़्यादा बचत करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार, नवरात्र के पावन अवसर पर देश की सभी माताओं और बहनों के लिए मोदी सरकार का उपहार हैं। जीएसटी सुधार को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का देशवासियों से किया गया वादा आज से पूरे देश में लागू हो गया है।

ऑपरेशन सिंदूर: सशस्त्र बलों को दी गई पूरी आजादी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

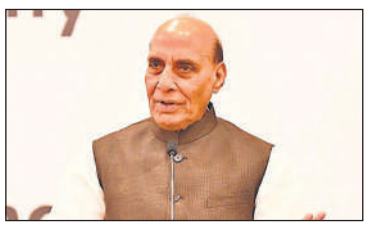

- रक्षा मंत्री ने मोरक्को के रबात में भारतीय समुदाय को किया संबोधित

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हुए कायरतापूर्ण हमले का जवाब देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को पूरी आजादी दी गई थी। सिंह ने कहा कि भारत की कार्रवाई 'नियत' और 'तनाव न बढ़ाने वाली' थी। रक्षा मंत्री ने रविवार को मोरक्को के रबात में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिंह उत्तरी अफ्रीकी देश की दो-दिवसीय यात्रा पर हैं।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, रक्षामंत्री ने देश के दृढ़, लेकिन संयमित दृष्टिकोण का वर्णन करने के लिए रामचरितमानस का हवाला देते हुए कहा कि हमने धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर मारा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले क्षेत्रों (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण युद्ध हुआ, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुआ। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत की बहुआयामी प्रगति पर प्रकाश डाला और कहा कि वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है और जल्द ही शीर्ष तीन में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री ने भारत के डिजिटल क्षेत्र में आए बदलाव, ज्ञान अर्थव्यवस्था में तेज प्रगति और एक दशक पहले के 18 यूनिकॉर्न से 118 स्टार्टअप्स तक के सफर का भी उल्लेख किया।

वैश्विक षड्यंत्रों के मुकाबले को हिंदुओं को होना होगा मजबूत

नागपुर, एजेंसी

- आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख आंबेकर ने की टिप्पणी

नेपाल में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों और भारतीय निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए ऊंचे शुल्कों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुनील आंबेकर ने सोमवार को कहा कि दुनिया भर में चह रहे षड्यंत्रों से मुक्त होने और उसका सामना करने के लिए हिंदुओं को मजबूत होना होगा।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख आंबेकर ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य है कि पूरी दुनिया संकट मुक्त हो। वह आरएसएस के शताब्दी समारोह के बारे में बता रहे थे, जो दो अक्टूबर को विजयादशमी से नागपुर में शुरू होगा। नेपाल में कथित भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ हाल ही हुए विरोध प्रदर्शनों से केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 72 लोग मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 50% शुल्क लगाया है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि 21 सितंबर के बाद नये एच-1बी वीजा आवेदनों पर 100,000 डॉलर का शुल्क देना होगा। आंबेकर ने कहा कि आरएसएस देश की प्रगति के लिए काम कर रहा है। भारत को इतना मजबूत बनना चाहिए कि किसी को ऐसे संकट का सामना न करना पड़े।

दिल्ली दंगा: आरोपियों की जमानत पर पुलिस से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों की साजिश से जुड़े मामले में आरोपियों- उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर की जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस से सोमवार को जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून (यूएपीए) से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और सुनवाई 7 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी।

न्यायमूर्ति कुमार ने स्पष्ट किया कि इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर को नहीं हो सकी थी, क्योंकि उनके साथ पीठ में शामिल न्यायमूर्ति मनमोहन इस मामले से खुद को अलग करना चाहते थे। न्यायमूर्ति मनमोहन का कहना था कि एक समय वह वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के चैंबर में उनके सहयोगी थे। फातिमा के अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि याचिकाकर्ता छात्र हैं और पांच साल से जेल में हैं। जब उन्होंने अंतरिम जमानत पर शीर्ष अदालत से नोटिस जारी करने का अनुरोध किया, तो इसने कहा कि वह मुख्य याचिका का अंतिम रूप से निपटारा करेगी। याचिकाकर्ताओं ने दो सितंबर के दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें नौ लोगों को जमानत देने से इन्कार कर दिया गया है।

कुलपतियों की नियुक्ति पर विशेषज्ञ रिपोर्ट का इंतजार

उच्चतम न्यायालय ने केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर की उस याचिका पर सुनवाई से पहले शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश सुधांशु धूलिया की रिपोर्ट का इंतजार करने को कहा, जिसमें राज्य के दो विश्वविद्यालयों के लिए कुलपतियों (वीसी) की नियुक्ति की सिफारिश करने वाली समिति से मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को हटाने का अनुरोध किया गया है। राज्यपाल की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर . वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन के समक्ष इस याचिका का उल्लेख किया। शीर्ष विधि अधिकारी ने तत्काल सुनवाई की जरूरत की ओर इशारा किया और पीठ से राज्यपाल की याचिका पर सुनवाई करने का अनुरोध किया।

सीबीआई निदेशक की याचिका पर होगी सुनवाई

तिरुपति प्रसादम् विवाद

उच्चतम न्यायालय 26 सितंबर को एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कहा गया कि सीबीआई ने आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में प्रसादम बनाने में मिलावटी घी के इस्तेमाल से जुड़े मामले की जांच करते समय न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन किया है। सीबीआई निदेशक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ से अनुरोध किया कि याचिका पर 26 सितंबर को सुनवाई की जाए।

मराठा आरक्षण पर सुनवाई से हाईकोर्ट की पीठ खुद हुई अलग

मुंबई, एजेंसी

- मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर व न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष पेश होंगी याचिकाएं

मुंबई उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने सोमवार को मराठा समुदाय के आरक्षण के लिए कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों द्वारा दायर पांच याचिकाओं में दावा है कि कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने से मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल कर लिया जाएगा। ये याचिकाएं न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और संदेश पाटिल की पीठ के समक्ष आईं।

न्यायमूर्ति पाटिल ने कहा कि वह इन याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर सकते, जिसके बाद पीठ ने बिना कोई कारण बताए याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। अब इन याचिकाओं को मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए रखा जाएगा। ये याचिकाएं ओबीसी श्रेणी से आने वाले संगठनों कुनबी सेना, महाराष्ट्र माली समाज महासंघ, अहीर सुवर्णकार समाज संस्था, सदानद मांडलिक और महाराष्ट्र नाभिक महामंडल द्वारा दायर की गई हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल: चार नवनियुक्त मंत्रियों ने शपथ ली

काठमांडू। नेपाल की नवनियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सोमवार को अपने अंतरिम मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को शामिल किया, जिससे मंत्रियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने पूर्व न्यायाधीश अनिल कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय आविष्कार केंद्र के संस्थापक महावीर पुन, पत्रकार जगदीश खरेल और विशेषज्ञ मदन परियार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चार नए मंत्रियों के शामिल होने के साथ कार्की के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या आठ हो गई है। प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं।

यूक्रेन: खतरनाक मिशन में रिमोट चालित वाहन

दोनेत्स्क। रूसी ड्रोन हमलों के बीच यूक्रेनी सैनिक तेजी से काम करने और रिमोट से चलने वाले बख्तरबंद वाहनों का रुख कर रहे हैं, जो अनेक कार्य कर सकते हैं और जानलेवा मिशनों के दौरान सैनिकों की जान बचा सकते हैं। यूक्रेनी सेना खास तौर पर रोबोट का इस्तेमाल करने के लिए उत्सुक है, क्योंकि साढ़े तीन साल से भी अधिक समय से जारी युद्ध में वह सैनिकों की कमी का सामना कर रही है। ये वाहन छोटे टैंकों जैसे दिखते हैं और रसद पहुंचा सकते हैं, बारूदी सुरंग हटा सकते हैं और घायलों या मृतकों को निकाल सकते हैं। इन्हें रोबोट ऑन व्हील्स कहा जाता है।

सिंगापुर: छेड़छाड़ पर भारतीय को कारावास

सिंगापुर। एक भारतीय नागरिक और सिंगापुर के स्थायी निवासी को शॉपिंग मॉल के नर्सिंग रूम में एक महिला से छेड़छाड़ के मामले में सोमवार को चार साल के कारावास और छह बेंत मारने की सजा सुनाई गई। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, अंकित शर्मा (46) को एक मार्च, 2023 को चांगी सिटी प्वाइंट मॉल में 31 वर्षीय एक महिला तकनीकी विशेषज्ञ भर्तीकर्ता को नर्सिंग रूम में घसीटकर उसके साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

फिलीपींस की विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां फिलीपींस की विदेश मंत्री टेस लाजारो से मुलाकात की और संयुक्त राष्ट्र तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्चस्तरीय बैठक के लिए रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचे जयशंकर ने कहा कि वह यूएनजीए के दौरान लाजारो से मिलकर प्रसन्न हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस की हालिया भारत यात्रा पर चर्चा की।

हांगकांग में रागासा का कहर 500 से ज्यादा उड़ानें होंगी रद्द

हांगकांग, एजेंसी

- हवाई अड्डा प्राधिकरण की तूफान के रौद्र रूप के मद्देनजर घोषणा

हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सोमवार को तूफान रागासा के रौद्र रूप को देखते हुए विभिन्न विमानन कंपनियों की 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द करने की घोषणा की। प्राधिकरण ने कहा कि मंगलवार शाम से ही उड़ानों में कटौती शुरू कर दी जाएगी।

इस शक्तिशाली तूफान के बुधवार को यहां पहुंचने की आशंका है। इस दौरान केवल कुछ ही उड़ानों को उड़ान भरने और उतरने की अनुमति होगी। प्राधिकरण ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे हवाई अड्डे जाने से पहले एयरलाइन से संपर्क करें। प्राधिकरण हवाई अड्डे पर अस्थाई विश्राम क्षेत्र बनाएगा और यात्री टर्मिनल के अधिकांश रेस्टोरेंट और दुकानें इस दौरान खुली रहेंगी।

विमानन कंपनी कैथे पैसिफिक ने बताया कहा कि उसे 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द किए जाने की आशंका है। इन उड़ानों के गुरुवार को फिर से शुरू होने की उम्मीद है। हांगकांग एयरलाइंस ने मंगलवार शाम छह बजे से गुरुवार सुबह छह बजे के बीच निर्धारित सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों के लिए दोबारा बुकिंग या रूट बदलने पर लगने वाले शुल्क माफ कर दिए हैं। एचके एक्सप्रेस और ग्रेटर बे एयरलाइंस ने कहा कि वे प्रभावित यात्रियों के लिए दोबारा बुकिंग पर लगने वाले शुल्क माफ कर देंगे।

संयुक्त राष्ट्र में मिलेगी मजबूती

इजराइल-फलस्तीन के बीच विवाद की शुरुआत धार्मिक, औपनिवेशिक और भू-राजनीतिक कारणों से पैदा हुआ जो 1948 के बाद से और जटिल हो गया। पिछले कुछ समय से गाजा पर इजराइल के हमले के बाद यह विवाद निर्णायक स्थिति में पहुंचता लग रहा था, लेकिन हाल ही में ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे कई देशों की ओर से फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता देना एक नया मोड़ हो सकता है। इन देशों के इस कदम से इजराइल पर वैश्विक दबाव बढ़ने की संभावना तो है ही, द्विराष्ट्र समाधान जिसे इजराइल ने नकार रखा था, वह फिर से केंद्र में आ गया है। इस पूरे घटनाक्रम में अपने सहयोगी पश्चिमी देशों पर अमेरिका का प्रभाव भी हल्का होता दिख रहा है। अमेरिका के सख्त विरोध और काफी दबाव के बाद भी ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों ने फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता देने की घोषणा की है।

फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा

ताजा घटनाक्रम

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे की ओर से पारंपरिक इजराइल समर्थक देशों ने फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दे दिया है। फ्रांस ने भी देने की घोषणा कर दी है। संयुक्त राष्ट्र के कुल 193 में से 147 सदस्य देश अब तक यह घोषणा कर चुके हैं।

विवाद का इतिहास

- यहूदी और अरब दोनों की ऐतिहासिक धार्मिक पहचान फलस्तीन, कनान और येरुशलम क्षेत्र से जुड़ी हुई है।
- 1917 की बैलफोर घोषणा के तहत ब्रिटेन ने किया फलस्तीन में यहूदियों का राष्ट्रीय घर बनाने का समर्थन।
- प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन को सौंपा गया फलस्तीनी प्रशासन। इस दौरान इन क्षेत्रों में यहूदी प्रवास बढ़ा।

इजराइल का गठन और युद्ध

- 1947 में संयुक्त राष्ट्र ने विभाजन योजना दी, एक यहूदी राज्य, एक अरब राज्य और येरुशलम को अंतरराष्ट्रीय प्रशासन।
- 1948 में यहूदी नेतृत्व की ओर से इजराइल के गठन की घोषणा की गई। इजराइल और अरब के बीच पहले युद्ध के बाद इजराइल ने अधिक भूमि हासिल कर ली।
- फलस्तीन राज्य नहीं बन सका, लाखों अरब शरणार्थी बन गए। 1967 में इजराइल ने कई इलाकों पर कब्जा कर लिया।
- 1993 में इजराइल से ओस्लो समझौता, जिसमें फलस्तीन को सीमित प्रशासनिक अधिकार के तहत वेस्ट बैंक, गाजा मिले।

अमेरिका का इजराइल को समर्थन

- अमेरिका में दुनिया के सबसे बड़े यहूदी समुदायों में से एक है, जिनका इजराइल से गहरा धार्मिक जुड़ाव है।
- द्वितीय विश्व युद्ध और यहूदियों पर अत्याचार के बाद अमेरिका ने यहूदी राष्ट्र के विचार को समर्थन दिया।
- अमेरिका को मध्य पूर्व जहां तेल और गैस के सबसे बड़े भंडार हैं, मजबूत और भरोसेमंद सहयोगी चाहिए।
- शीतयुद्ध में इजराइल अमेरिका का सहयोगी रहा, कई अरब देश इस दौरान सोवियत खेमे में चले गए थे।
- इजराइल अमेरिका का हथियारों की टेस्टिंग, खुफिया जानकारी और साइबर तकनीक क्षेत्र में अहम सहयोगी।

मान्यता के संभावित प्रभाव

- यूएन और आईसीसी जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थिति मजबूत होने से फलस्तीन को राजनीतिक लाभ मिलेगा।
- इजराइल के वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ने का डर है, खासकर उस स्थिति में अगर और भी पश्चिमी देशों की ओर से फलस्तीन को समर्थन दिया गया।
- द्विराष्ट्र समाधान को नई ऊर्जा मिल सकती है, लेकिन इजराइल के अंदर राजनीतिक विरोध बढ़ने की आशंका।
- अगर ज्यादा देश मान्यता देंगे तो इजराइल के कब्जे को औपचारिक रूप से गैरकानूनी माना जा सकता है।

अलग-थलग पड़ा इजराइल, पुर्तगाल ने भी अब फलस्तीन को दी मान्यता

संयुक्त राष्ट्र के 193 में से 147 सदस्य दे चुके हैं मान्यता, अमेरिका का दबाव बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य 193 देशों में से 147 देश फलस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता दे चुके हैं और अब ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के बाद पुर्तगाल ने भी फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर औपचारिक मान्यता देने की घोषणा कर दी है। भारत नवंबर 1988 में ही फलस्तीन को स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता दे चुका है और उसके साथ तभी राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए थे।

पुर्तगाल ने अपने एलान में कहा कि द्विराष्ट्र समाधान ही न्यायसंगत और स्थाई शांति का एकमात्र मार्ग है। यह भी आशा की जा रही है कि फ्रांस समेत कई और देश इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐसा ही करेंगे। दशकों से इजराइल के मजबूत सहयोगी रहे इन पश्चिमी देशों ने द्विराष्ट्र समाधान की दिशा में प्रगति न होने पर गहरी निराशा भी व्यक्त की है। इजराइल ने इन कदमों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ये हमास को 7 अक्टूबर, 2023 को हुए आतंकवादी हमले के लिए पुरस्कृत और प्रोत्साहित करेंगे, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 अन्य बंधक बनाए गए थे।

फलस्तीन को मान्यता देने की तैयारी, एफिल टॉवर पर फलस्तीनी-इजराइली झंडे।

उधर, रविवार को इसके जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प लेते हुए कहा था कि कोई फलस्तीनी राज्य का गठन नहीं होगा। नेतन्याहू ने कहा, सात अक्टूबर के भयानक नरसंहार के बाद फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले नेताओं के लिए मेरा एक स्पष्ट संदेश है, आप आतंकवाद को एक बड़ा इनाम दे रहे हैं। हमारी धरती में एक आतंकवादी राज्य को थोपने की इस ताजा कोशिश का जवाब दिया जाएगा, इंतजार कीजिए।

इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने इसमें सुर मिलाते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह उन लोगों के लिए एक दुखद दिन है जो सच्ची शांति चाहते हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र के 140 से ज्यादा अन्य सदस्य पहले ही फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं और यह संख्या गाजा में इजराइल के हमले को लेकर बढ़ती चिंता के बीच बढ़ी है।

कनाडा ने नजरंदाज की ट्रंप की धमकी

कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स हैंडल पर कहा है कि उनका देश फलस्तीन को मान्यता देता है और फलस्तीन और इजराइल दोनों के लिए एक शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी की पेशकश करता है। उनका साहस भरा बयान ऐसे समय में आया है जबकि ट्रंप कह चुके हैं कि अगर कनाडा ऐसा करेगा तो उसे व्यापार वार्ता में नुकसान हो सकता है। इससे पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भी ट्रंप के दबाव को अनदेखा कर फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की साइट पर भी 'अधिकृत फलस्तीनी क्षेत्रों' को हटा कर 'फलस्तीन' कर दिया गया है।

- पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रंगेल ने न्यूयॉर्क में कहा कि फलस्तीन को मान्यता देना पुर्तगाली विदेश नीति की एक मौलिक और स्थाई नीति का रूप है। उन्होंने कहा कि पुर्तगाल द्विराष्ट्र समाधान का स्थाई शांति के एकमात्र मार्ग के रूप में समर्थन करता है। फ्रांस के प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों ने भी कहा है कि फलस्तीनी राज्य को मान्यता देना ही उस स्थिति का राजनीतिक समाधान प्रदान करने का एकमात्र तरीका है जिसे रोकना होगा।

वार्ता के लिए तैयार, पर परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग छोड़ें ट्रंप: किम

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कहा है कि वह अमेरिका के साथ बातचीत फिर शुरू करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते अमेरिका उत्तर कोरिया से परमाणु शस्त्रागार त्यागने की अपनी मांग को छोड़ दें।

किम ने सुप्रीम पीपुल्स असेंबली में कहा कि परमाणु हथियार उनके देश की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। उधर, विश्लेषकों ने कहा है कि इस साल जनवरी के बाद पहली बार किम ने उनका नाम लिया था। किम ने अपने संबोधन को सशर्त निमंत्रण के रूप में प्रस्तुत किया और कहा कि अमेरिका परमाणु निरस्त्रीकरण पर जोर देने के बजाय 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' की चाहत रखे तो बातचीत संभव है।

भारत को एस- 400 की पूरी आपूर्ति 2026 में करेगा रूस

मॉस्को, एजेंसी

- अमेरिकी चेतावनियों को अनदेखा कर भारत ने किया था सौदा, अब उन्नत एस-500 प्रणाली पर नजर

भारत के साथ 2018 में हस्ताक्षरित 5.43 अरब डॉलर के सौदे के तहत रूस अगले साल एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति पूरी कर देगा। सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने बताया, रूस 2026 में भारत को पांच एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति का अनुबंध पूरा करेगा।

इनमें से चार प्रणालियों की अभी तक आपूर्ति की जा चुकी हैं और पांचवीं अगले साल आपूर्ति की जाएगी। पूर्व की खबरों के अनुसार, अमेरिकी प्रतिबंधों के खतरे को नजरअंदाज करते हुए 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर (40,000 करोड़ रुपये) के इस सौदे पर औपचारिक रूप से 5 अक्टूबर, 2018 को हस्ताक्षर किए गए थे। मार्च 2021 में, तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भारत द्वारा रूस से एस-400 वायु मिसाइल प्रणाली की योजनाबद्ध खरीद पर चर्चा की और चेतावनी दी थी कि एस-400 की खरीद से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में 'रेड स्क्वायर' पर विजय दिवस परेड में भाग लेने के लिए मॉस्को की यात्रा के दौरान स्थानीय भारतीय समुदाय से कहा था कि मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एस-400 वायु रक्षा मिसाइलें बहुत प्रभावी साबित हुईं। सेठ ने कहा कि भारत ने और अधिक मिसाइल प्रणालियां खरीदने में रुचि दिखाई है तथा वह उन्नत एस-500 मिसाइल प्रणालियां हासिल करने की संभावना तलाश रहा है।

भारत और मोरक्को ने रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के उनके समकक्ष आब्देलतीफ लौदियी के बीच वार्ता के बाद दोनों देशों ने सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। सिंह वर्तमान में मोरक्को की यात्रा पर हैं।

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मोरक्को के रक्षा मंत्री आब्देलतीफ लौदियी के साथ एक बहुत ही उपयोगी बैठक हुई और हमने रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर

एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और औद्योगिक संबंधों सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को विस्तारित और गहन बनाने के लिए एक संस्थागत ढांचा प्रदान करेगा।

सिंह ने कहा, कुछ वर्षों में मोरक्को के साथ भारत के संबंध उल्लेखनीय रूप से बढ़ रहे हैं। हमने आतंकवाद विरोधी प्रयासों, समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और क्षमता निर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की। सिंह की मोरक्को यात्रा किसी भारतीय रक्षा मंत्री की उस देश की पहली यात्रा है।

पाकिस्तान ने अपने ही नागरिकों पर किया हवाई हमला, 30 मरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- चीन निर्मित विमानों से गांव पर गिराए आठ बम, सैकड़ों घायल

पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस -6 बम गिराए। ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारूद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं। इस हमले के पैमाने, लक्ष्य या वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में आधिकारिक पाकिस्तानी सैन्य या सरकारी सूत्रों से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की सेना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में नागरिकों पर किए अपने जुल्मों पर चुप्पी साधे रखती है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इन आरोपों की गहन जांच के साथ नागरिकों की सुरक्षा और किसी भी उल्लंघन के लिए जवाबदेही तय करने का आग्रह किया है।

व्यापार समझौता वार्ता से पहले न्यूयॉर्क में अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो से मिले जयशंकर

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भाग लेने न्यूयार्क गए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिले। अमेरिकी टैरिफ पर तनानती के बाद दोनों देशों में व्यापार समझौते पर वार्ता के बीच दोनों विदेश मंत्रियों की यह आमने-सामने पहली मुलाकात थी।

दोनों मंत्रियों की इस बैठक के बारे में आधिकारिक ब्योरा नहीं दिया गया लेकिन व्यापार वार्ता के मद्देनजर इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों की पिछली मुलाकात जुलाई में वाशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में हुई थी। समझा जाता है कि दोनों मंत्रियों में भारत के रूस से तेल की खरीद पर अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ और एच 1 बी वीजा सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने से अमेरिकी टैरिफ बढकर 50 प्रतिशत हो गया है।

वैश्विक पेशेवरों के लिए चीन ने खोले अपने द्वार, वर्क परमिट की घोषणा की

बीजिंग, एजेंसी

- एच-1 बी वीजा पर अमेरिकी शुल्क बढ़ाने पर टिप्पणी से किया इन्कार

चीन ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा के लिए 1,00,000 डॉलर का भारी शुल्क लगाने के कदम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही उसने वैश्विक पेशेवरों को देश में काम करने के लिए आमंत्रित किया। चीन अगले महीने नया रोजगार वीजा शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

शुक्रवार को, ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर एकमुश्त 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेस वार्ता में ट्रंप के फैसले के बारे में पूछे जाने पर कहा, अमेरिका की वीजा नीति पर हम कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने वैश्विक पेशेवरों को चीन में काम करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, वैश्वीकृत दुनिया में, प्रतिभाओं की सीमा-पार आवाजाही वैश्विक तकनीकी और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, चीन दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाओं का स्वागत करता है ताकि वे मानवता की प्रगति और करियर की सफलता के लिए चीन में आएं।

जहां अमेरिका अपनी वीजा व्यवस्था को सख्त कर रहा है, वहीं चीन ने पिछले महीने के-वीजा नामक एक नए वर्क परमिट की घोषणा की है जिसके तहत दुनिया भर के पेशेवर देश में आकर काम के अवसर तलाश सकते हैं। एक अक्टूबर से प्रभावी होने वाला के-वीजा युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से है और इसके लिए किसी घरेलू नियोक्ता या संस्था द्वारा आमंत्रण जारी करने की जरूरत नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, नई वीजा श्रेणी को 'स्टेट काउंसिल' ने अनुमोदित किया था।

शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में विनोद कापड़ी की फिल्म 'पायर' को पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्देशक विनोद कापड़ी की फिल्म 'पायर' ने '16वें शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल' में सर्वश्रेष्ठ दर्शक फिल्म पुरस्कार जीता।

नवंबर 2024 में आयोजित प्रतिष्ठित 28वें 'ताल्लिन ब्लैक नाइट्स अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल' में इस फिल्म का प्रीमियर हुआ था और इसके बाद से ही यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हो रही है। फिल्म 'पायर' की कहानी एक बुजुर्ग दंपती पदम और तुलसी पर आधारित है। यह दंपती हिमालय के एक दूरदराज के गांव में रहता है लेकिन यहां की युवा पीढ़ी बेहतर भविष्य की तलाश में यहां से चली गई है इसलिए गांव में अकेला है और इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उनका अंतिम संस्कार कौन करेगा। लेकिन तीस साल बाद उनके बिछड़े हुए बेटे का एक पत्र आने पर उनकी ज़िंदगी में अचानक उम्मीद की किरण जाग जाती है। अभिनेत्री शबाना आजमी ने कापड़ी को यह पुरस्कार दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 24 सितंबर 04 .51 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

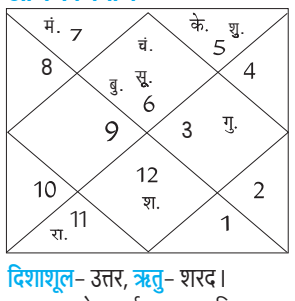

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 13 .40 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज दूसरों की गलतियां निकालने के बजाय उन्हें अनदेखा करें। आपको शांत होकर रहना चाहिए। नई परियोजनाओं की तैयारी करना इस समय उचित नहीं है। क्रोध में आकर चर्चा करने से बचना चाहिए। सहकर्मियों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें।

वृष — आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे। बड़ों की सलाह का अनुसरण करना हितकारी होगा। महत्वपूर्ण कारोबारी सौदे होने की संभावना बन रही है। दोस्तों के साथ आप किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं।

मिथुन — आज पुरानी बचत का आपको लाभ मिलेगा। शत्रुओं से आपको सावधान रहना पड़ेगा। थोड़ी घबराहट और थकान भी महसूस हो सकती है। आपके विचारों का लोग विरोध कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद न करें।

कर्क — आज अपने व्यवहार को संयमित और सकारात्मक बनाए रखें। विद्यार्थी अपनी शिक्षा को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। प्रेम विवाह को लेकर जल्दबाजी करने से बचें। पिछले काफी समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा।

सिंह — आज दांपत्य संबंधों में तनाव होने की आशंका है। योग और व्यायाम से आपका मन व तन दोनों की स्वस्थ रहेंगे। लोभी प्रवृत्ति के कारण खरीदारी के दौरान नुकसान हो सकता है। पारिवारिक संबंधों को आपको अधिक महत्व देना चाहिए।

कन्या — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद का अवसर मिल सकता है। शारीरिक परिश्रम के बजाय मानसिक परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। नए कारोबार में पूंजी निवेश कर सकते हैं। मित्रों की सलाह आपके काफी काम आएगी।

तुला — आज नजदीकी लोगों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। लोगों की सहायता करने से न चूकें, लेकिन किसी से अधिक अपेक्षा न पालें। निर्माण कार्य थोड़ी धीमी गति से होंगे। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण अचानक खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — आज नौकरी में बदलाव करने का विचार बन सकता है। यदि किसी इंटरव्यू में सम्मिलित होते हैं तो सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। व्यापार को बढ़ाने के लिए नए निवेशक ढूंढ रहे हैं तो आपको सुखद परिणाम मिल सकते हैं।

धनु — आज नजदीकी लोगों से भी बातें सोच-समझकर ही करें। सर्वाइकल के कारण कंधे में पीड़ा बढ़ सकती है। भारी वजन उठाने से बचें। आप थोड़ा उदास रहेंगे। जीवनसाथी के प्रति मन में अविश्वास न उत्पन्न होने दें। प्रेम-संबंधों को संतुलित रखने का प्रयास करें।

मकर — आज आय में निरंतरता बनी रहेगी। इससे मन में नई उम्मीदों के सपने आकार लेंगे। आप अत्यंत सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे। शेयर मार्केट से आपको बड़ा लाभ हो सकता है। लंबे समय से अटकी हुई डील फाइनल हो सकती है।

कुंभ — आज अपने सहकर्मियों पर नाराज हो सकते हैं। जिन लोगों के साथ वैचारिक भिन्नता है उनसे झगड़ा न करें। कार्यक्षेत्र में आप अपना प्रभाव छोड़ पाने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको अपनी कार्यशैली पर ध्यान देना होगा।

मीन — आज अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। धार्मिक मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। परिवार जनों को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। कब्ज और श्वसन से जुड़ी समस्या हो सकती है। संतान की पढ़ाई को लेकर आपको अत्यंत सजग रहना होगा।

सुडोकू-108

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3	7				1	
8				4			2	
9		5				3		6
	3			9	5		8	
6			3					7
	4		8	1			5	
3		2				5		1
	8			3				4
	1				6	9		

सुडोकू - 107 का हल

9	4	1	6	8	5	3	7	2
3	8	6	2	4	7	1	9	5
7	5	2	1	9	3	4	8	6
1	6	7	8	2	4	9	5	3
4	9	8	3	5	1	6	2	7
2	3	5	7	6	9	8	4	1
6	7	9	5	1	8	2	3	4
8	1	3	4	7	2	5	6	9
5	2	4	9	3	6	7	1	8

यह अभिषेक शर्मा का आगमन नहीं है। यह तो बस शुरुआत है। उसने अभी-अभी शुरू किया है और उसका भविष्य बहुत लंबा है। वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है। वह अपने गुरु युवराज सिंह की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।
-रविचंद्रन अश्विन

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एक अक्टूबर को भारत आएंगे बोल्ट

मुंबई : महान फर्राटा धावक उसैन बोल्ट एक अक्टूबर को एक नुमाइशी फुटबॉल मैच के लिए भारत आएंगे।

आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महानतम खिलाड़ियों में से एक बोल्ट महान फुटबॉल खिलाड़ियों, बॉलीवुड हस्तियों और अन्य जाने माने लोगों के साथ फुटबॉल मैच खेलेंगे। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिये एक एक हाफ खेलेंगे। वह 30 सितंबर से शुरू हो रहे प्यूमा के दो दिवसीय जश्न के सिलसिले में यहां आ रहे हैं। इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। प्यूमा भारत के प्रबंध निदेशक कार्तिक बालागोपालन ने कहा हमारा मानना है कि खेलों में समुदायों को प्रेरित करने और एकजुट करने की ताकत है।

आयुष और प्रणय करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली : आयुष शेट्टी और एचएस प्रणय मंगलवार से दक्षिण कोरिया के सुवन में शुरू होने वाले कोरिया ओपन में भारत टीम की अगुवाई करेंगे। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय का हाल के वर्षो में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा हैं। प्रणय के साथ पुरुष एकल में आयुष शेट्टी भी होंगे, जो जून में यूएस ओपन सुपर 300 में जीत के साथ इस सीजन में 2025 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। किरण जॉर्ज भी मुख्य ड्रॉ में हैं, जबकि थारुण मन्नेपल्ली और मीराबा लुवांग मैसनम को क्वालीफायर से भिड़ना होगा।

यूपी रूद्राज हॉकी इंडिया लीग से हटा

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) फ्रेंचाइजी यूपी रुद्राज ने वित्तीय चुनौतियों का हवाला देते हुए सोमवार को इस लीग से हटने की। टीम के निदेशक सेड्रिक डिसूजा ने इसे एक मुश्किल फैसला करार देते हुए कहा यह आसान फैसला नहीं था। हम भारतीय हॉकी में इस लीग के महत्व को समझते है लेकिन आर्थिक परेशानियों की वजह से हम इसे जारी नहीं रख सके हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने संसाधनों को वहां लगाएं, जहां उनका सबसे ज्यादा दीर्घकालिक प्रभाव हो सकता है, जैसे कि जमीनी स्तर के विकास में। यूपी रुद्राज टीम ने कहा कि अब उनका ध्यान भारतीय हॉकी की नींव को मजबूत करने पर होगा।

केएल राहुल गोवा गार्डियंस से जुड़े

पणजी : भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल, स्कैपिया द्वारा संचालित आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सीजन से पहले गोवा गार्डियंस के स्वामित्व समूह में शामिल हो गए हैं। दो अक्टूबर से हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में फ्रैंचाइजी प्राइम वॉलीबॉल लीग के आगामी चौथे संस्करण शुरु होगा। राहुल ने कहा कि वॉलीबॉल को वह पहचान दिलाना चाहते हैं जिसका वह हकदार है।

पाकिस्तान से प्रतिद्वंद्विता कहना बंद करें, मुकाबला ही नहीं है : सूर्यकुमार

एशिया कप : कप्तान ने कहा- भारतीय टीम का पाकिस्तान पर है पूरी तरह से दबदबा

दुबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबलों को जबर्दस्त प्रतिद्वंद्विता कहना बंद करने का आग्रह किया है। चूंकि उनकी टीम का चिर प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से दबदबा रहा है। भारत ने एशिया कप सुपर 4 मैच में पाकिस्तान को रविवार को छह विकेट से हराया। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में दोनों टीमों का सामना 15 बार हुआ है और भारत ने 12 बार जीत दर्ज की है। रविवार के मैच के बाद पाकिस्तान के एक सीनियर पत्रकार ने दोनों टीमों के बीच प्रदर्शन में अंतर के बारे में पूछा तो सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए कहा ,'' सर, मेरी गुजारिश है कि आप भारत और पाकिस्तान के मैचों को प्रतिद्वंद्विता कहना बंद कर दें।

जब पत्रकार ने कहा कि वह प्रदर्शन के स्तर की बात कर रहे हैं, प्रतिद्वंद्विता की नहीं, इस पर भारतीय कप्तान ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा प्रतिद्वंद्विता और स्तर सभी बराबर है। प्रतिद्वंद्विता कहां है। अगर दो टीमें 15 मैच खेले और 8-7 का आंकड़ा हो तो प्रतिद्वंद्विता होती है। यहां तो 13-1 (12-3) या ऐसा ही कुछ है। कोई मुकाबला ही नहीं है।

जीत के लिए 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 39 गेंद में 74 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों का बेवजह लड़ने का इरादा उन्हें पसंद नहीं आया जिसकी वजह से बहस हुई। अभिषेक और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने मैच के बाद कहा जिस तरह से पाकिस्तानी खिलाड़ी बिना वजह हमसे भिड़ रहे थे, मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया और उनका इलाज आक्रामक बल्लेबाजी से ही करना था। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और शाहीन शाह अफरीदी से अभिषेक और गिल की बहस हुई।

गिल के साथ साझेदारी के बारे में अभिषेक ने कहा हम स्कूली दिनों से साथ खेल रहे हैं और एक दूसरे के साथ खेलने में मजा आता है। हमें लगा कि आज बड़ी साझेदारी बनाएंगे। जिस तरह से वह खेल रहा था, मुझे बहुत मजा आ रहा था ।

भारत को हराने के लिए पीसीबी अध्यक्ष और सेना प्रमुख को करना होगा पारी का आगाज : इमरान खान

लाहौर : क्रिकेटर से राजनेता बने और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व कप्तान इमरान खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि भारत के खिलाफ मैच जीतने के लिए उन्हें सेना प्रमुख आसिम मुनीर के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतराना चाहिए। दुबई में चल रहे एशिया कप में भारत द्वारा पाकिस्तान को दो मैचों में आसानी से हराने के बाद इमरान ने यह व्यंग्यात्मक टिप्पणी की है। पूर्व प्रधानमंत्री की बहन अलीमा खान ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि इमरान ने सुझाव दिया है कि भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच जीतने का एकमात्र तरीका यह है कि सेना प्रमुख जनरल मुनीर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नकवी सलामी बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी करें, जबकि अंपायर पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा और पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा हों। उन्होंने कहा कि तीसरा अंपायर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सरफराज डोगर होने चाहिए। अलीमा ने बताया कि उन्होंने अपने भाई को भारत के हाथों पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की लगातार दो हार के बारे में बताया था। पाकिस्तान को 1992 में एकदिवसीय विश्व कप में जीत दिलाने वाले इस पूर्व कप्तान ने नकवी को उनकी 'अयोग्यता' और 'भाई-भतीजावाद' से पाकिस्तानी क्रिकेट को बर्बाद करने के लिए दोषी ठहराया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक 72 साल के इमरान 2023 से कई मामलों में जेल में हैं। इमरान लंबे समय से जनरल मुनीर पर फरवरी 2024 के आम चुनावों में तत्कालीन सीजेपी ईसा और मुख्य चुनाव आयुक्त राजा की मदद से उनकी पार्टी पीटीआई का जनादेश चुराने का आरोप भी लगा रहे हैं।

मुझे इसकी परवाह नहीं कि लोग इसे कैसे लेते हैं : साहिबजादा

दुबई : भारत के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान बंदूक चलाने के अंदाज मे आक्रामक जश्न मनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा कि उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि लोग क्या सोचते हैं। भारत ने सुपर 4 मैच में पाकिस्तान को हराकर बहुदेशीय टूर्नामेंटों में चिर प्रतिद्वंद्वी पर अपना दबदबा कायम रखा। फरहान ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा वह जश्न महज एक पल था। मैं अर्धशतक जमाने के बाद ज्यादा जश्न नहीं मनाता लेकिन अचानक मेरे जेहन में आया कि आज जश्न मनाते हैं। मैने वही किया। मुझे नहीं पता कि लोग इसे कैसे लेंगे। मुझे इसकी परवाह नहीं है। उन्होंने कहा आपको पता ही है कि जब भी खेले, आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि भारत के ही खिलाफ। हर टीम के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए, जैसे कि हमने आज खेला। फरहान ने 45 गेंद में 58 रन बनाये जिसकी मदद से पाकिस्तान ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 171 रन जोड़े। भारत ने 19वें ओवर में ही मैच जीत लिया। फरहान ने 10वें ओवर में अक्षर पटेल को छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और उसके बाद बंदूक की तरह बल्ले को थामते हुए हवा में निशाना लगाने का एक्शन किया। सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी आलोचना हो रही है।

दस ओवर के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था

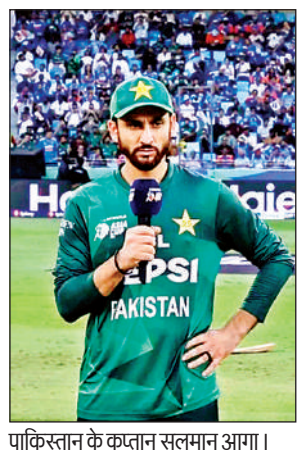

पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा।

दुबई : पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच में हर विभाग में उन्नीस साबित हुई और पहले दस ओवर के बाद बल्लेबाजी करना मुश्किल हो गया था।

पहले दस ओवर में 91 रन बनाने के बाद पाकिस्तान अगले दस ओवर में 80 रन ही बना सके। शिवम दुबे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिए। आगा ने कहा बल्लेबाजी में हमने बेहतर प्रदर्शन किया जो अच्छी बात है। हमने जिस तरह से शुरूआत की थी, 15 रन और बनाने चाहिये थे लेकिन पहले दस ओवर के बाद गेंद नरम हो गई और बल्लेबाजी करना आसान नहीं रहा। उन्होंने कहा हमने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी नहीं की और इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा आपको परफेक्ट मैच खेलना होता है और जीत के लिए तीनों विभाग में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है।

वापसी को बेताब श्रीलंका-पाकिस्तान

- सुपर 4 में आज रात 8 बजे से होगा मुकाबला
- दोनों टीमें सुपर 4 का पहला मुकाबला हार चुकी हैं
- हारने वाली टीम की फाइनल में पहुंचने की संभावना होगी खत्म

अबुधाबी, एजेंसी

सुपर 4 चरण में पहले मैच में मिली हार से उबरते हुए श्रीलंका और पाकिस्तान दोनों एशिया कप के इस अहम चरण में मंगलवार को होने वाले मुकाबले में जीत की राह पर वापसी करना चाहेंगे।

गत चैंपियन श्रीलंका ग्रुप चरण में अपराजेय रही लेकिन पहले सुपर 4 मैच में उसे बांग्लादेश ने चार विकेट से हराया। इससे टी20 एशिया कप में उसके आठ मैचों के विजय अभियान पर रोक लगी और उसकी लय भी टूट गई। दूसरी ओर पाकिस्तानी टीम मैदान से बाहर की गतिविधियों के कारण अधिक चर्चा में रही। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत ने उसे रविवार को एकतरफा मुकाबले में फिर हराया जो इस बार के एशिया कप में उसकी भारत के हाथों लगातार दूसरी हार थी।

भारत और बांग्लादेश के दो अंक है और बेहतर रनरेट के आधार पर सूर्यकुमार यादव की टीम शीर्ष पर है। श्रीलंका और पाकिस्तान तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रिकवरी के लिए अधिक समय भले ही नहीं मिला हो, लेकिन सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम को अब हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। पूर्व कप्तान बाबर आजम और सीनियर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की कमी उन्हें बल्लेबाजी में बुरी तरह खली है। उसके बल्लेबाज तकनीक और तेवर के मामले में अनुभवहीन साबित हुए। भारत के खिलाफ शीर्षक्रम के बल्लेबाजों साहिबजादा फरहान, फखर जमां और सईम अयूब ने उम्मीदें जताई और अच्छी शुरुआत देते हुए एक विकेट पर 90 रन बनाए। अयूब ने लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद बेहतर प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में भी लेग स्पिनर अबरार अहमद सिर्फ ओमान और यूएई जैसी टीमों के खिलाफ ही कामयाब रहे और भारतीय बल्लेबाजों को तनिक भी परेशान नहीं कर सके।

एशिया कप में एक मैच के दौरान श्रीलंका की टीम।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

श्रीलंका : चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, दुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

डिकॉक ने सीमित ओवर क्रिकेट में संन्यास से वापसी की, पाकिस्तान दौरे से बावुमा बाहर

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने सीमित ओवरों से संन्यास लेने का अपना फैसला वापस ले लिया, जिसके बाद सोमवार को उन्हें पाकिस्तान दौरे के लिए इस प्रारूप की टीम में शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका को हालांकि कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो पिंडली में खिंचाव के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की गदा हासिल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका 12 से 24 अक्टूबर तक लाहौर और रावलपिंडी में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से इस नए सत्र का आगाज करेगा।

डिकॉक ने सीमित ओवर प्रारूप में अपना पिछला मैच 2024 में बारबाडोस में टी20 विश्व कप में खेला था। उन्हें नामीबिया में होने वाले एकमात्र टी-20 मैच के लिए भी टीम में जगह मिली है। इस बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने 2023 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद तत्कालीन कोच रॉब वाल्टर ने उन्हें टी20 टीम में शामिल नहीं किया था क्योंकि वह लंबी अवधि की योजनाओं के बारे में निश्चित नहीं थे। दक्षिण अफ्रीका के वर्तमान मुख्य कोच शकुरी कॉनराड ने इस खिलाड़ी से चर्चा करने के बाद उन्हें सीमित ओवरों की दोनों राष्ट्रीय टीमों में शामिल किया है।

कॉनराड ने कहा डिकॉक का सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए लौटना हमारे लिए मनोबल बढ़ाने वाला है। हमने पिछले महीने जब उनके भविष्य के बारे में बात की थी तो यह साफ था कि उनमें अब भी देश के प्रतिनिधित्व करने की मजबूत इच्छा है। हर कोई जानता है कि वह टीम में क्या गुणवत्ता लाते हैं और उनका वापस आना टीम के लिए फायदेमंद ही होगा।

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान तेम्बा बावुमा इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी पिंडली की चोट से अभी तक नहीं उबर पाए हैं, जिसके चलते वह आगामी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में एडेन मारक्रम टीम की कप्तानी करेंगे।

शकुरी ने कहा मैं बावुमा के बारे में बहुत चिंतित हूं। वह हर श्रृंखला में चोटिल हो रहे हैं और यह उनकी कोशिश की कमी के कारण नहीं है। वह चोट बचे रहने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वह अच्छी लय में है और निश्चित रूप से टीम के लिए महत्वपूर्ण हैं। उनकी उम्र बढ़ रही है और ऐसे में यह यह चिंता का विषय है। मुझे हालांकि मेडिकल स्टाफ और तेम्बा की फिट होने की इच्छा पर पूरा भरोसा है।

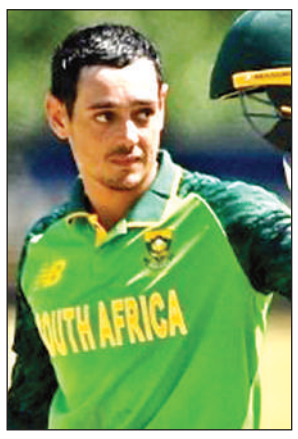

क्विंटन डिकॉक। एजेंसी

155 वनडे मैचों में 45.74 की औसत और 96.64 के स्ट्राइक रेट से 6770 रन बनाए हैं डिकॉक ने

पैरालंपिक ऊंची कूद चैंपियन प्रवीण की नजर स्वर्ण पदक पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप शनिवार से

महज 22 साल की उम्र में चौथी बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने को तैयार पैरालंपिक ऊंची कूद चैंपियन प्रवीण कुमार का लक्ष्य शनिवार से यहां शुरू होने वाले इस आयोजन में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने का है।

प्रवीण ने 2019 में 16 साल की उम्र में पहली बार दुबई में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया था। वह तब टी64 स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे और कांस्य पदक से चूक गए थे। टी64 स्पर्धा उन खिलाडियों के लिए होती है जिनके निचले पैर में चलने-फिरने की समस्या होती है या घुटने के नीचे एक या दोनों पैर नहीं होते हैं। प्रवीण ने 2023 के पेरिस सत्र में कांस्य पदक जीता था और 2024 में जापान के कोबे में फिर से चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने दिल्ली में होने वाले आयोजन से पहले पीटीआई-भाषा से कहा यह मेरी चौथी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप होगी और मैंने एक कांस्य पदक जीता है। मेरा लक्ष्य 2.10 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। मुझे लगता है कि मैं इसे हासिल कर घरेलू दर्शकों के सामने स्वर्ण जीत सकता हूं।

उन्होंने कहा मैं अगर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 2.10 मीटर के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा तो मैं किसी भी पदक से खुश रहूंगा। फिलहाल, मेरा व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.08 मीटर है। एक पैर में विकार के साथ जन्में प्रवीण गौतम बुद्ध नगर के गोविंदगढ़ गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के सत्र में चोट के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ।

जोहोर कप हॉकी में जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

नई दिल्ली : डिफेंडर रोहित 11 अक्टूबर से मलेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 18 अक्टूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिये अहम होगा।

भारत को 11 अक्टूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्टूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्टूबर को होगा जबकि आस्ट्रेलिया से 15 अक्टूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्टूबर को मलेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल खेलेंगी।

विश्व कप का जोश | बल्लेबाज दीप्ति शर्मा ने ताकत और प्रेरणा के लिए हनुमानजी का टैटू से बनवाया

महिला क्रिकेटरों ने अनूठे टैटू बनवाए

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले सप्ताह आखिरी वनडे मैच में 72 रन बनाने वाली भारत की अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में बायें हाथ पर बने हनुमानजी के टैटू से उन्हें ताकत और प्रेरणा मिलती है ।

दीप्ति ने कहा मैने अपने बायें हाथ पर हनुमानजी का टैटू बनवा रखा है। जब भी जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं तो वह मुझे शक्ति देते हैं। भारत के लिये 80 वनडे में 1891 रन बनाने के साथ 91 विकेट ले चुकी दीप्ति ने जियो हाटस्टार के आफ द पिच कार्यक्रम में कहा मैचों में भी जब मुझे समझ में नहीं आता कि क्या करूं तो उनके बारे में सोचती हूं। इससे मुझे शक्ति और आगे के बारे में सकारात्मक सोच मिलती है। दीप्ति के 72 रन के बावजूद भारतीय टीम 413 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे वनडे में 43 रन से हार गई और सीरीज 1-2 से गंवा दी। अब भारत और श्रीलंका में होने वाले विश्व कप के पहले मैच में भारत को 30 सितंबर को गुवाहाटी में श्रीलंका से खेलना है।

स्पिनर स्नेह राणा ने भी दो टैटू बना रखे हैं जिनमें से पहले पर विरोधी और दूसरे पर- तव धैर्यं तव बलम अस्ति लिखा है। इस बारे में उन्होंने कहा हाल ही में मैने एक टैटू बनवाया है जिस पर विरोधी लिखा है जिसके मायने हैं किसी मकसद से बागी । अगर हालात मेरे खिलाफ हैं तो मैं उनसे पार पाना चाहती हूं।भारत के लिए 22 वनडे और 22 टी20 खेल चुकी 31 वर्ष की इस खिलाड़ी ने कहा इसके अलावा एक और टैटू पर तव धैर्यं तव बलम अस्ति' लिखा है जो संयम रखने में मदद करता है। मैने पिंडली पर शेर और बाज का टैटू भी बनवाया है। शेर साहस का प्रतीक है।

दीप्ति शर्मा।

रिचा घोष ने टीम में जगह मिलने पर बाघ का चित्र बनवाया

नई दिल्ली : सोलह बरस की उम्र में 2020 में भारत की विश्व कप टीम में जगह बनाने वाली हरफनमौला रिचा घोष ने बायें हाथ पर बाघ (बंगाल टाइगर) का टैटू बनाया है। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की रहने वाली घोष ने यह खास है क्योंकि बंगाल टाइगर है और मैं भी बंगाल से हूं। उन्होंने कहा भारत के लिए खेलने से पहले बंगाल की अपनी एक सीनियर प्रतिभा राणा के साथ यात्रा करते समय उन्होंने मेरे हाथ पर बाघ का स्कैच बनाया। मैने अपने परिवार से कहा कि अगर भारतीय टीम में मेरा चयन हो गया तो मैं स्थायी टैटू बना लूंगी।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट कप्तान चमारी अथापथु सोमवार को कोलंबो में ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए। एजेंसी